डीपीईपी एसएसएएम एनपीईजीईएल केजीबीवी

वार्षिक अहवाल

२००५-२००६

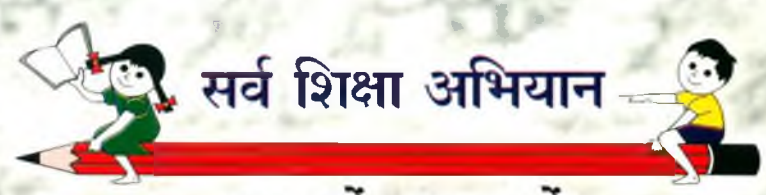

सब पढ़ें, सब बढ़ें

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्

सर्व शिक्षा अभियान मिशन

सेक्टर - १७, गांधीनगर

गुजरात

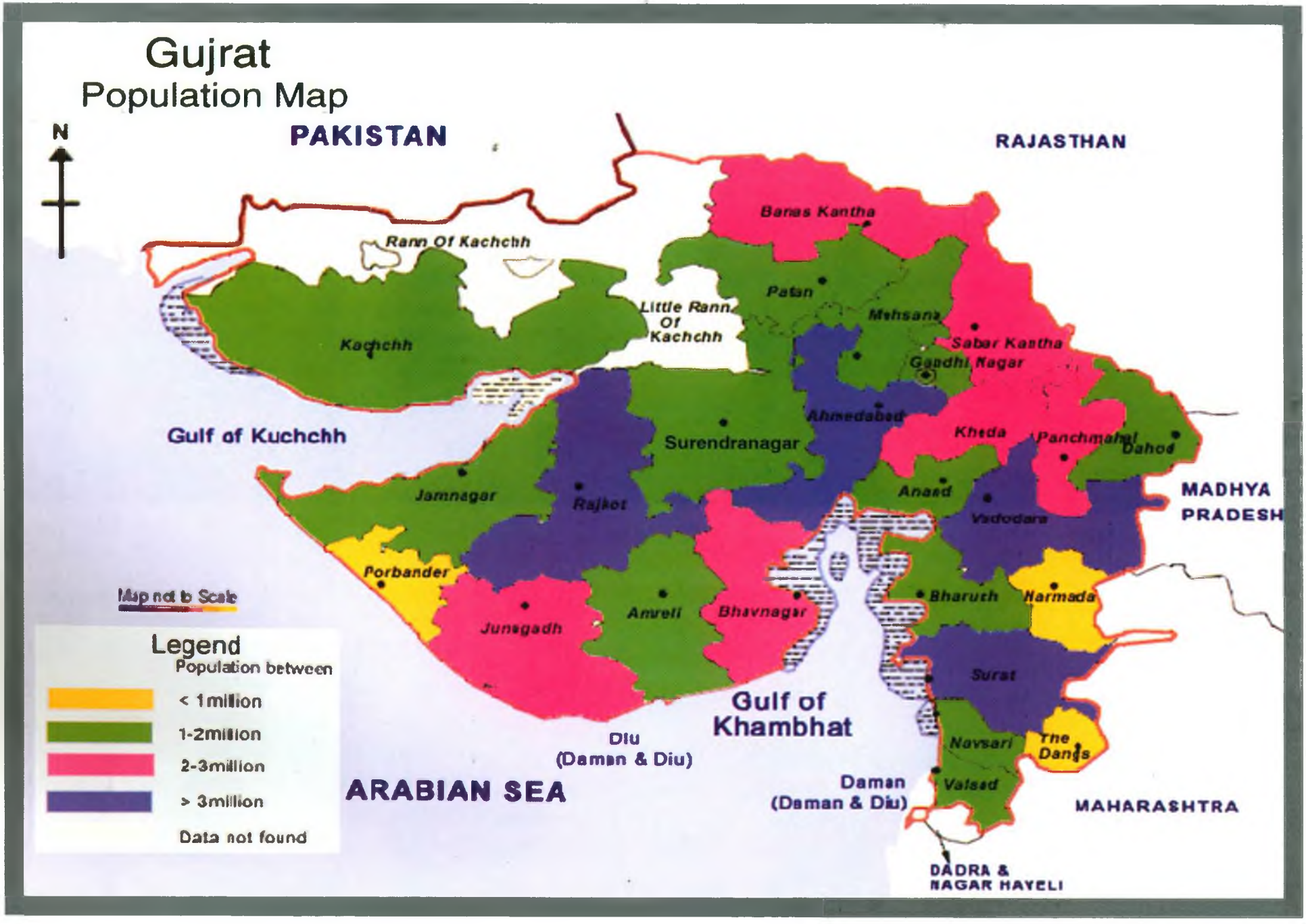

Gujrat
Population Map
N
PAKISTAN
RAJASTHAN
Banas Kantha
Rann Of Kachchh
Little Rann Of Kachchh
Patan
Mehsana
Kachchh
Sabar Kantha
Gandhi Nagar
Ahmedabad
Gulf of Kuchchh
Surendranagar
Kheda
Panchmahal
Dahod
Jamnagar
Rajkot
Anand
MADHYA PRADESH
Vadodara
Porbander
Map not to Scale
Bharuch
Narmada
Amreli
Bhavnagar
Junagadh
Legend
Population between
< 1million
1-2million
2-3million
> 3million
Data not found
Surat
Gulf of Khambhat
Diu (Daman & Diu)
Navsari
The Dangs
Valsad
Daman (Daman & Diu)
ARABIAN SEA
MAHARASHTRA
DADRA & NAGAR HAVELI

डीपीईपी एसएसएएम एनपीईजीईएल केजीबीवी

वार्षिक अहवाल

२००५-२००६

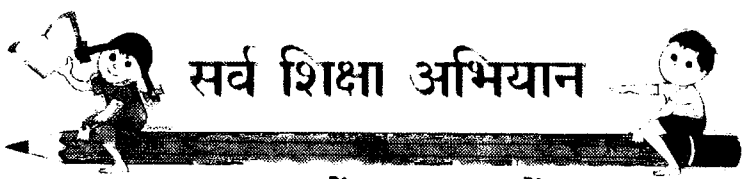

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें, सब बढ़ें

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्

सर्व शिक्षा अभियान मिशन

सेक्टर - १७, गांधीनगर

गुजरात

अनुक्रमणिका

क्रम	विषय	पृष्ठ संख्या
-	आमुख	१
प्रकरण : १	गुजरात : राज्य की विशेषताएं	४
प्रकरण : २	अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में	८
प्रकरण : ३	दूरस्थ शिक्षा	१६
प्रकरण : ४	समुदायों का अभिप्रेरण	२१
प्रकरण : ५	कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान	२७
प्रकरण : ६	विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का	३२
प्रकरण : ७	विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा	३६
प्रकरण : ८	मीडिया और अनुलेखन	४४
प्रकरण : ९	मेनेजमेन्ट इन्फर्मेशन सिस्टम (MIS)	४८
प्रकरण : १०	प्लार्निंग एण्ड मेनेजमेन्ट	५०
प्रकरण : ११	निर्माण कार्य	६६
प्रकरण : १२	अझीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन के सहयोग से नई परियोजनाए	७२
प्रकरण : १३	डिस्ट्रिक्ट प्रायमरी एज्यूकेशन प्रोग्राम का समापन	७७
प्रकरण : १४	वित्त और लेखा	८४
	अन्वेषित हिसाब	८८

आमुख

पृष्ठावलोकन में प्रतीत होता है कि गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद् के लिए सन २००५-०६, परियोजना अमलीकरण के दृष्टिकोण से उपलब्धियों का वर्ष रहा है ।

इस वर्ष के दौरान जून २००६ में डी.पी.ई.पी.-४ का साबरकांठा, कच्छ, सुरेन्द्रनगर, जूनागढ, जामनगर एवं भावनगर जिलों में नियत अवधि से पूर्व ही समापन किया गया । डी.पी.ई.पी. में शीखे गये पाठों से एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. एवं के.जी.बी.वी. परियोजनाओं के तहत प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण के क्रिया-कलापों को लाभान्वित किया जा रहा है ।

एस.एस.ए. मिशन अमलीकरण के मध्य चरण में जब पहूँच गया है तब यह देखकर संतोष हो रहा है कि इस परियोजना ने गुजरात में स्कूलों की पहूँच बढाने तथा लैंगिक एवं सामाजिक अंतर को घटाने में गणनापात्र प्रगति प्राप्त की है । प्राथमिक स्तर पर राज्य लगभग सार्वत्रिक नामांकन के करीब पहूँच गया है । राज्य में ६-१४ वर्ष वयजूथ में समग्र तौर पर ९६.१८% नामांकन प्रवर्तमान है । वर्ष २००५-०६ के दौरान ११०.५३% जी.ई.आर. पाया गया है, जो कि वर्ष २००४-०५ के ९५.५०% से काफी बेहतर है । इसी प्रकार एन.ई.आर. भी ९५.०६% से बढ़कर ९६.२४५ % हुआ है । उच्च प्राथमिक नामांकन भी खासा बढ़ा है । एक ओर बच्चों के स्कूल छोड़ जाने के दर में लगाकर कमी आ रही हैं, तब स्थायीकरण में सुधार लाना तथा उसे शिक्षा के बेहतर स्तर से जोडना निहायत ही आवश्यक हो गया है ।

अतिरिक्त वर्गखंडो तथा नए स्कूल भवनों के निर्माण से पहूँच का प्रश्न असरदार तरीके से हल हो गया है और अब ऐसी एक भी बस्ती नहि जहाँ से एक किलोमीटर की दूरी पर कोई स्कूल या वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र न हो । एक और प्रोत्साहक बात यह भी है कि विशाल संख्या के वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों से बड़ी संख्या में बच्चों को मुख्य प्रवाह से जुड़ने का एवं सामान्य स्कूलों में पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है ।

स्कूल से बहार रहनेवाले बच्चों की संख्या में खासी कमी हुई है, क्योंकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं लघुमति जैसे कुछ जूथों के स्कूल से बहार रहनेवाले बच्चों की संख्या अभी भी काफी ज्यादा है, तथापि इन बच्चों के नामांकन एवं स्थायीकरण का अवरोध करनेवाले सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों सहित विशिष्ट संदर्भित पहलूओं की पहचान की जाए यह आवश्यक है । इसके लिए जरूरी है कि नीचे के स्तरों पर उपयुक्त रणनीतियों तथा क्रिया कलापों को विकसित करने के लिए क्षमता निर्माण किया जाए और संसाधन प्रदान किये जाएं ।

सन २००५-०६ के दौरान गुजरात में कक्षा १-७ के कुल १,७३,८७१ शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया । विविध विषयों पर कुल २५,३१,०५८ मानव-दिवसों के शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें जिला परियोजना कार्यालय के द्वारा दिए गए १६,१६,७३७ मानव-दिवसों और जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण भवनों द्वारा बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. की कक्षा

पर दिए गए ८,३५,९४३ मानव-दिवसों की तालीम शामिल है ।

परियोजना कर्मियों की विशाल संख्या को प्रशिक्षित करने के लिए टेलिकोन्फरन्स ने एक असरकारक माध्यम प्रदान किया । प्रसारक्षति इस माध्यम में बिलकुल नहि होती, अतः बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स और शिक्षकों को विविध विषयों पर प्रशिक्षण देने के लिए इस वर्ष के दौरान इसका बखूबी प्रयोग किया गया ।

सार्वत्रिक और स्वयंस्फुरित जनसहयोग ने शाला प्रवेशोत्सव-२००५ को सही मानों में एक जनता का कार्यक्रम बना दिया । मान. मुख्यमंत्रीश्री एवं मान. शिक्षामंत्रीश्री की सीधी निगरानी मे राज्यव्यापी प्रवेशोत्सव के भाग स्वरूप जून २६,२७ व २८, २००५ के दौरान आयोजित त्रि-दिवसीय कन्या शिक्षा रथयात्रा को समग्र गुजरात में प्रचंड सफलता प्राप्त हुई ।

कन्या शिक्षा रथयात्रा को प्राप्त सफलता की विशालता का प्रमाण इस बात से जाहिर होता है कि इस कार्यक्रम के तीन दिवसों के दौरान ही १,१६,३५७ कन्याओं तथा १,१८,७२८ कुमारों सहित कुल २,३५,०८५ बच्चों ने १०,८४२ गाँवों की स्कूलों में कक्षा १ में दाखिला लिया । सिर्फ़ इन तीन दिनों के दौरान ही राज्य की स्कूलों ने रु. २,५९,३७,१७७ के मूल्य के रोकड़ एवं वस्तु स्वरूप दान जनसहयोग द्वारा प्राप्त किए ।

इस वर्ष एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत कुल १,१०७ मोडल क्लस्टर स्कूल निर्मित हुए, जिन्हें बिजली, ८४२ पेय जल सुविधा तथा ९६७ कन्याओं के शौचालय की सुविधा प्रदान की गई । कुल १,०४९ मोडल क्लस्टर स्कूलों को कम्प्युटर भी दिए गए ।

बेक टू-स्कूल प्रोग्राम में २९,०२७ कन्याओं कक्षा २५,२६५ कुमारों सहित कुल ५४,२९२ बच्चों को सफलतापूर्वक मुख्य प्रवाह में शामिल किया गया । प्रवेशोत्सव २००५ के दौरान ११,८५८ कन्याओं कक्षा तथा ११,८३८ कुमारों सहित २३,६९६ बच्चों को औपचारिक स्कूलों में पुनः नामांकित किया गया । इस प्रकार ४०,८८५ कन्याओं एवं ३७,१०३ कुमारों सहित कुल ७७,९८८ बच्चों को सामान्य स्कूलों में वापस लाया गया । आदिवासी विस्तारों में शिक्षा गुणवत्ता के सुधार तथा तरंग-उल्लासमय शिक्षा के लिए यह जरूरी है कि बच्चों को उनकी स्थानिक बोली में पढ़ाया जाए । स्थानिक बोली के उपयोग से शिक्षा की प्रक्रिया को सहज और सरल बनाया जा सकता है । इस हेतु, स्थानिक शिक्षकों की मदद से आदिवासी तालुकों में स्थानिक बोली की शब्दकोषिकाएं तैयार की गई । भाषा रिसर्च एण्ड पब्लिकेशन सेन्टर, वडोदरा द्वारा विकसित की गई सचित्र शब्दकोषिकाओं को वडोदरा, साबरकांठा एवं पंचमहाल जिल्लों के आदिवासी तालुकों की स्कूलों में वितरित किया गया । आदिवासी विस्तार की स्कूलों में चाइल्ड ट्रेकिंग एप्रोच अपनाया गया है, जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि २००५-०६ में कक्षा १ में नामांकित बच्चे अपनी शिक्षा जारी रखें तथा प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करें । इसका अनुसंधान वर्ष २००६-०७ में बच्चों को ट्रेक करने के लिए जारी रखा जाएगा ।

जनवरी, २००६ में पूर्ण किए गए सर्वेक्षणों के मुताबिक ६-१८ वर्ष वयजूथ के कुल ६७, २२१ विकलांग बच्चे राज्य के सभी जिलों की स्कूलों में नामांकित थे । वर्ष २००५-०६ के दौरान राज्य के कुल ४३,९०८ विकलांग बच्चों के लिए एसेसमेन्ट केम्प आयोजित किए गए । कुल ३३,७३२ विकलांग बच्चों को आवश्यक साधन-सामग्री दी गई । वर्ष के दौरान कुल १,३७२ शिक्षकों को आर.सी.आई., महाराजा भोज ओपन युनिवर्सिटी, भोपाल तथा अंधजन मंडल, अहमदाबाद के सहयोग से विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों के लिए फाउण्डेशन कोर्स की तालीम दी गई ।

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्ने बेंगलोर के अझीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सहयोग से दो नवाचारी परियोजनाओं को गुजरात में पायलोट के तौर पर शुरु किया । लर्निंग गेरन्टी प्रोग्राम (एल.जी.पी.) एवं कम्प्युटर एइडेड लर्निंग प्रोग्राम (सी.ए.एल.पी.) को १५ अगस्त, २००५ के दिन राज्य के २५ जिलों की चुनिंदा ५१७ सरकारी स्कूलों में शुरु किया गया । इस परियोजना के द्वारा ग्रामीण विस्तारों के कक्षा ५ ७ के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख भूमिका है पाठयक्रम आधारित सी.डी. के ऐम सेटस की जो कि पढ़ने में उनकी रुचि को बढ़ावा देंगी । स्कूलों को २० आंतरक्रियात्मक सी.डी. का एक सेट दिया गया है, जिसमें बाल केन्द्रीय विषयवस्तु को बिना शिक्षक की निगरानी से भी बच्चे सरलता से गृहीत कर सकते है । आसान पहूँच तथा निर्गम के कारण सी ए.एल.पी. स्वयं नियमन कर सकता है । बच्चों की ओर से लगातार प्राप्त एक प्रतिक्रिया के अनुसार वे इसका उपयोग बहुत पसंद करते है, क्योंकि वे जब गलती करते है तब कम्प्युटर उन्हें डाँटता नहि । मेरा खयाल है कि सभी शिक्षकों की इस बात का एहसास होना चाहिए ।

सीखने के दौरान अगर बच्चे गलतियां करें तो भी उन्हे डाँटना नहि चाहिए । बिना डाँटे भी तो पढ़ाया जा सकता है । इस की वजह से सीखने की प्रक्रिया कहीं ज्यादा आसान और असरदार हो जाएगी ।

(मीना भट्ट)
स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर
गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद्

प्रकरण : १
गुजरात : राज्य की विशेषताएं

१.० विस्तार और जनसंख्या

गुजरात का विस्तार है करीब १.९६ लाख वर्ग कि.मी.। राज्य २५ जिलों और २२४ तालुकों में विभाजित है। जनगणना २००१ के हंगामी आंकड़ों के अनुसार राज्य की कुल आबादी ४.८४ करोड़ है, जिसमें भूकंपग्रस्त क्षेत्रों को शामिल नहि किया गया। भूकंपग्रस्त विस्तारों के अनुमानित आंकड़ों को शामिल किये जाने पर गुजरात की आबादी ५.०६ करोड़ की है।

भारत का ६.१९ प्रतिशत विस्तार गुजरात है। भूकंपग्रस्त विस्तारों के आंकड़ों सहित, राज्य की जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का ४.९३ प्रतिशत है।

१.१ घनता

गुजरात में आबादी की घनता २५८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर थी वर्ष २००१ में । अहमदाबाद जिले में सर्वाधिक घनता पाई गई है, जो कि७१८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर है, जबकि सबसे कम घनता कच्छ जिलें में पाई गई है, जहाँ ३५ व्यक्ति प्रति किलोमीटर विस्तार में रहते हैं।

१.२ लैंगिक अनुपात

गुजरात का लैंगिक अनुपात, जो कि १९९१ में ९३४ था, घटकर ९२१ हुआ है। डांग और अमरेली जिलों में सर्वाधिक अनुपात ९८६ है, जबकि सुरत जिले का लैंगिक अनुपात ८३५ राज्य में सबसे कम है।

अनुसूचित जाति के लिये राज्य का लैंगिक अनुपात ९२५ है, जो कि शहरी विस्तारों में ९११ और ग्रामीण विस्तारों में ९३४ हैं ।

अनुसूचित जनजाति के लिये राज्य का लैंगिक अनुपात ९७४ है, जो कि शहरी विस्तारों में ९२६ और ग्रामीण विस्तारों में ९७८ हैं ।

१.३ साक्षरता

राज्य की साक्षरता (० - ६ वर्ष के बच्चों के अलावा), जो कि वर्ष १९९१ में ६१.२९ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढ़कर ६९.६७ प्रतिशत हुई है। पुरुषों में साक्षरता वर्ष १९९१ में ७३.१३ प्रतिशत थी, जो कि वर्ष २००१ में बढ़कर ८०.२१ प्रतिशत हुई है, जबकि महिला साक्षरता, जो कि वर्ष १९९१

में ४८.६४ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढ़कर ५८.२९ प्रतिशत हुई है। ग्रामीण विस्तारों का साक्षरता दर ८१.८२ प्रतिशत है, जबकि शहरी विस्तारों में साक्षरता दर ८२.३४ प्रतिशत है। जनगणना जहाँ की गई थी उन २४ जिलों में सर्वाधिक साक्षरता दर ७९.८९ प्रतिशत अहमदाबाद जिले का रहा, जबकि न्यूनतम साक्षरता दर ४५.६५ दाहोद जिले का पाया गया।

१.४ शहरीकरण

जनगणना २००१ के हंगामी आंकड़ों के अनुसार गुजरात की ३७.३५ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों में रहती है । कच्छ, जामनगर और राजकोट जिले के आंकड़े इसमें शामिल नहीं, क्योंकि भूकंप के कारण इन जिलों में जनगणना सम्पन्न नहीं हो सकी थी । वर्ष १९९१ में यह शहरी जनसंख्या ३४.४९ प्रतिशत थी । राज्य में सबसे अधिक शहरीकृत जिला अहमदाबाद है जहाँ ८०.०९ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों में रहती है, जबकि डांग एक ऐसा जिला है जो कि संपूर्ण ग्रामीण है जहाँ शहरी जनसंख्या बिलकुल नहि है।

१.५ अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जनजातियां

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जाति की आबादी ३५,९२,७१५ है, जो कि कुल आबादी का ७.९ प्रतिशत है । इनमें १८,६६,२८३ पुरुष हैं, जो कि ७.०७ प्रतिशत है और १७,२६,४३२ महिलाएँ हैं, जो कि ७.११ प्रतिशत हैं । राज्य में अनुसूचित जाति की शहरी आबादी १४,१२,२२४ है, जो कि ३९.३१ प्रतिशत हैं । ग्रामीण विस्तारों में अनुसूचित जाति की आबादी २१,८०,४४१ है जो कि ६०.६९ प्रतिशत है ।

जनगणना २००१ के अनुसार राज्य में अनुसूचित जनजाति की आबादी ७४,८१,१६० है, जो कि कुल आबादी का १४.७६ प्रतिशत है । इनमें ३७,९०,११७ पुरुष हैं, जो कि १४.३६ प्रतिशत है और ३६,९१,०४३ महिलाएँ हैं, जो कि १५.२० प्रतिशत हैं । राज्य में अनुसूचित जनजाति की शहरी आबादी ६,१४,५२३ है, जो कि ८.२१ प्रतिशत है । ग्रामीण विस्तारों में अनुसूचित जनजाति की आबादी ६८,६६,६३७ है, जो कि ९१.७९ प्रतिशत है ।

१.६ प्राथमिक शिक्षा

चूँकि शैक्षिक पिछड़ापन की बुनियाद प्राथमिक शिक्षा होती है, गुजरात सरकार ने इसके विकास को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में हर बस्ती से एक किलोमीटर की त्रिज्या में एक प्राथमिक स्कूल है तथा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:४० है, जो कि राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार ठीक ही है।

विविध योजनाओं के अमलीकरण का परिणाम यह प्राप्त हुआ है कि कक्षा १ से ७ के बच्चों का स्कूल छोड़ जाने का दर, जो कि १९९६ - ९७ में ४९.४९ था, घटकर वर्ष २००५ - ०६ में ११.८२ पर आ पहुँचा है अर्थात् स्थायीकरण दर अब ८८.१८ है । १ से ५ के बच्चों का स्कूल छोड़ जाने का दर वर्ष १९९६-९७ में ३५.४० था, जो कि वर्ष २००५-०६ में घटकर ५.१३ हुआ है अर्थात् इनका स्थायीकरण दर ९४.८७ है ।

वर्ष २००५-०६ के दौरान राज्य में कुल ३७,२५६ प्राथमिक स्कूल्स हैं जिनमें ३२,३१८ सरकार/पंचायतों द्वारा चलाए जाते हैं जबकि ४,९३८ सहायित/असहायित निजी संस्थानों द्वारा । इस वर्ष के दौरान कक्षा १ से ७ में बच्चों का कुल नामांकन ७१,५३,८६८ है, जिनमें ३८,४०,८७९ लड़के तथा ३३,१२,९८९ लड़कियां हैं। १ से ५ में बच्चों का कुल नामांकन ५४,७९,८६१ है, जिनमें २९,०६,१४० लड़के तथा २५,७३,७२१ लड़कियाँ हैं।

१.७ मुफ्त पाठ्य-पुस्तकें

जिला शिक्षा समिति और म्युनिसिपल स्कूल बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में कक्षा १ से ७ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य पुस्तक देने की योजना का बहुत अच्छा असर हुआ है - इससे नामांकन तथा स्थायीकरण के दर में वृद्धि हुई है ।

१.८ प्राथमिक स्कूलों में कक्षा की बढ़ोतरी

यह देखा गया है कि बच्चों के प्राथमिक शिक्षा पूर्ण न करने का प्रमुख कारण है गाँव में कक्षा ५ से आगे पढ़ने की सुविधा न होना । इस समस्या को हल करने के लिए हर गाँव में कमसेकम एक प्राथमिक स्कूल की कक्षा की बढ़ोतरी करके उसे उच्चतर प्राथमिक स्कूल बनाया गया है।

१.९ विद्यालक्ष्मी योजना

विद्यालक्ष्मी योजना राज्य के उन गाँवो में लागू की गई हैं जहाँ महिला साक्षरता ३५ प्रतिशत से कम है। इस योजना का उद्देश्य है प्राथमिक स्कूलों में कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन और स्थायीकरण सिद्ध करना। इस के तहत कक्षा १ में नामांकित होनेवाली हर कन्या को रु. १००० के मूल्य के नर्मदा बोंड दिए जाते हैं जो कि सात वर्ष के बाद परिपक्व होते हैं जिन्हें वह सात वर्ष की प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् ही प्राप्त कर सकती है।

१.१० विद्यादीप योजना

स्कूल में पढ़नेवाले बच्चों को बीमे की सुरक्षा प्रदान करने के हेतु से राज्य सरकार ने विद्यादीप

योजना शुरु की है। २६ जनवरी, २००१ के दिन भूकंप में जान खोनेवाले बच्चों की स्मृति में शुरु की गई इस योजना का लाभ प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को प्राप्त होगा। राज्य सरकार इसके प्रीमियम की सालाना किश्त अदा करेगी। इसके तहत रु. २५,००० कि रकम का बीमा प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिये एवं रु. ५०,००० की रकम का बीमा माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए लिया जाएगा।

प्राकृतिक मृत्यु और आत्महत्या के अलावा किसी भी दुर्घटना में जान खोनेवाले बच्चे के माता पिता को बीमा कम्पनी द्वारा बीमे की रकम अदा की जाएगी। इस विषय में स्कूल के आचार्य द्वारा, बच्चे की मृत्यु के एक सप्ताह के भीतर ही एक नियत प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा जिसके आधार पर बीमा की रकम १५ दिनों के भीतर ही चेक द्वारा अदा कर दी जाएगी ।

प्रकरण : २

अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में

२.० अध्यापनविद्या प्रणाली का नवीनीकरण

सर्व शिक्षा अभियान के तहत गुजरात में अध्यापनविद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया को अप्रतिम सफलता प्राप्त हुई है । अध्यापनविद्या प्रणाली के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अध्यापकों, विश्व विद्यालयों के व्यवसायियों, कालेजो और गैर सरकारी संगठनों के साथ विचार-विमर्श कर विकेन्द्रीकरण की ओर ज्यादा ध्यान दिया गया है । जिला स्तर पर भी ऐसे ही विचार-विमर्शों की प्रणाली लागू करने के प्रयास किए गए है । ब्लोक एवं क्लस्टर के स्तर पर संसाधन केन्द्रों की रचना से पहले की प्रशासकीय निरीक्षण प्रणाली में भी बदलाव लाया गया है । अब शिक्षकों के प्रशिक्षण के अनुश्रवण और सहायरूप मुलाकातों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जहाँ शिक्षकों को शैक्षिक मशवरे प्रदान किये जाते हैं, ताकि वे सिखने - सिखाने की बदलती स्थितियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें ।

उपर्युक्त संदर्भ में नई पाठ्य पुस्तकों के विकास, शैक्षिक मूल्यांकन, नई अध्यापनविद्या के प्रति शिक्षकों के अभिप्रेरण की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, जिसे विद्यार्थी केन्द्रित, प्रवृत्ति आधारित एवं आनंददायी सिखाने/पढ़ाने की पद्धति के विस्तृत परिप्रेक्ष्य में देखा गया । अध्यापनविद्या के लिए विशेष रूप से गठित राज्य संसाधन जूथ अध्यापनविद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहे है। ब्लोक एवं क्लस्टर संसाधन केन्द्रों को कार्यान्वित किया गया है। डीपीईपी और सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी विद्यालयों को टी.एल.एम. अनुदान और विद्यालय अनुदान मुहैया कराए गए है ।

२.१ कक्षा ८ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य पुस्तकें

राज्य सरकार के द्वारा कक्षा १ से कक्षा ७ के सभी बच्चों को मुफ्त पाठ्य-पुस्तकें दी जाती हैं। गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान के तहत कक्षा ८ की मुफ्त पाठ्य पुस्तकें सभी कन्याओं को तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लड़कों को दी जाती है । वर्ष २००५-०६ के दौरान कक्षा ८ की पाठ्यपुस्तकें कुल ३,९६,५१९ विद्यार्थियों को दी गई, जिनमें २,८५,५८१ लड़कियां तथा २,५७,२५६ अनुसूचित जाति के लड़कों एवं ५३,६८२ अनुसूचित जनजाति के लड़कों का समावेश होता है ।

२.२ बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोऑर्डिनेटर्स की स्थिति

गुजरात के सभी जिला में नियुक्त बी.आर.सी./सी.आर.सी. संकलनकारों की स्थिति इस प्रकार है:

क्रम	जिला	बी.आर.सी. की संख्या	सी.आर.सी. की संख्या	क्रम	जिला	बी.आर.सी. की संख्या	सी.आर.सी. की संख्या
१	अहमदाबाद	११	१४०	१६	नर्मदा	४	७०
२	अहमदाबाद कार्पोरेशन	-	४३	१७	नवसारी	५	८४
३	अमरेली	११	१२१	१८	पंचमहाल	११	१६६
४	आणंद	८	१२५	१९	पाटण	७	६९
५	बनासकांठा	१२	२००	२०	पोरबंदर	३	३४
६	भरूच	८	१०२	२१	राजकोट	१४	१४९
७	भावनगर	११	१४५	२२	राजकोट कोर्पोरेशन	-	२३
८	दाहोद	७	९५	२३	साबरकांठा	१३	२१४
९	डांग	१	३२	२४	सुरत	१४	२१८
१०	गांधीनगर	४	५७	२५	सुरत कार्पोरेशन	-	३३
११	जामनगर	१०	१४४	२६	सुरेन्द्रनगर	१०	१३५
१२	जूनागढ	१४	१६४	२७	वडोदरा	१२	२१०
१३	खेडा	१०	१४७	२८	वडोदरा कोर्पोरेशन	-	१६
१४	कच्छ	१०	१७६	२९	वलसाड	५	१०३
१५	महेसाणा	९	९६		**कुल**	**२२४**	**३३५१**

२.३ विद्यासहायकों की नियुक्ति और प्रशिक्षण

गुजरात सरकार द्वारा लागू की गई विद्यासहायक योजना के तहत, विद्यासहायकों की नियुक्ति अलग-अलग चरणों में लागू हो रही है । वर्ष २००४-०५ के दौरान कुल १५,४६८ विद्यासहायकों को राज्य में नियुक्त किया गया और उन्हें प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया । पिछले वर्ष प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इस वर्ष के दौरान बी.आर.सी. स्तर पर विद्यासहायकों को क्षमता आधारित प्रशिक्षण दिया गया। नए विद्यासहायकों को डीपीईपी और एसएसए के अमलीकरण में उनकी भूमिका और कार्यप्रणाली के अलावा प्रवृत्ति आधारित उल्लासमय सीखने/पढ़ने की प्रक्रिया की तकनीकों के बारे में अभिसंस्करित किया गया।

वर्ष १९९८-९९ में शुरु की गई विद्यासहायक योजना के तहत, अब तक गुजरात में कुल ८२,१४८ विद्यासहायकों की नियुक्ति की गई है ।

२.४ शिक्षक प्रशिक्षण

पूर्व की व्याख्यान आधारित एकपक्षीय प्रक्रिया के स्थान पर शिक्षक प्रशिक्षण में अब अधिक आंतरक्रिया युक्त द्विपक्षी प्रक्रिया को अपनाया गया है । इस प्रकार के प्रशिक्षण में भाषण के स्थान पर प्रशिक्षार्थियों के लिए एक प्रयोगात्मक अनुभव देने का प्रयास होता है, जैसे कि कोई प्रवृत्ति करना, भूमिका अदा करना, सद्यपाठ करना अथवा कुछ विशेष कार्य या कवायत करना ताकि तालीम के दौरान ही स्वानुभव द्वारा पृथक्करण किया जा सके । इस प्रकार प्रयोगात्मक प्रशिक्षण ने पूर्व के उस प्रशिक्षण का स्थान लिया है जिसमें प्रतिभागी को कोइ भूमिका अदा करनी नहीं होती थी।

२.४.१ एसएसए में शिक्षक प्रशिक्षण की रणनीति

अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया में शिक्षक की प्रमुख भूमिका होती है और वे वर्गखंड में गुणवत्ता सुधार के लिए जिम्मेदार होते है । वर्गखंड स्थिति में शिक्षक की क्षमता का आधार उसके विविध विषयों के ज्ञान एवं कौशल्य तथा अध्यापनविद्याकीय पद्धतिओं पर है । इसके उपरांत, शिक्षक के रुझान, तत्परता और रुचि के स्तर तथा बच्चों के माता पिता एवं स्थानिक समुदायों के साथ आंतरक्रिया करने की क्षमता का भी वर्गखंड में गुणवत्ता सुधार करने में योगदान होता है ।

सामान्यतया शिक्षकों एवं स्कूलों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें अध्यतन अध्यापनविद्याकीय पद्धतिओं एवं प्रक्रियाओं का शुमार किया जाता है । प्रशिक्षण से शिक्षकों के व्यवसायिक विकास में एवं सार्वत्रिक प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार में मदद मिलती है ।

गुजरात में ३२,२४४ प्रशालिक स्कूल है जिसमें व्यवसायिक रूप से प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा शिक्षा दी जाती है ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत जिला कर्मियों के मार्गदर्शन में बीआरसी एवं सीआरसी कोओर्डिनेटर्स के जरिये शिक्षकों को २० दिन की सेवाकालीन तालीम दी गई । डायट्स द्वारा आवश्यकता अनुसार विषयवस्तु की तथा जिला परियोजना कार्यालय द्वारा एसएसए के व्यवस्थापन की तालीम दी गई । गुजरात एचीवमेन्ट प्रोग्राम (जी.ए.पी.) द्वारा सूचित कठिन बिंदुओं को सरल बनाया गया, जिन्हें एकीकृत करके विविध विषयों के मोडयूल्स डायट्स द्वारा बनाये गए ।

सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्यांकों को सिद्ध करने के लिए क्लस्टर और ब्लाक स्तर पर वर्गखंड आंतरक्रिया, टीएलएम विकास, प्रवेशोत्सव, संपूर्ण गुणवत्ता व्यवस्थापन, स्कूलों तथा शौचालयों का निर्माण जैसे विविध विषयों की तालीम दी जाती है । स्टेट रिसोर्स ग्रुप (एस.आर.जी.) तथा डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स ग्रुप (डी.आर.जी.) द्वारा मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया जिन्हों ने क्लस्टर रिसोर्स ग्रुप (सी.आर.जी.) के सदस्यों को क्लस्टर स्तर के प्रशिक्षण की तालीम दी । आवश्यकता अनुसार ब्लाक तथा क्लस्टर स्तर पर विविध विषयों की अनुसमर्थन सामग्री मुद्रित की गई जिसमें एस.आर.जी. तथा बी.आर.जी. को दिया गया ।

की रिसोर्स पर्सन्स (के.आर.पी.) को राज्य स्तर पर इस प्रकार के प्रशिक्षण की तालीम दी गई जिनके द्वारा जिला स्तर पर तथा जिला स्तर के के.आर.पी. द्वारा तालुका स्तर के रिसोर्स पर्सन्स को प्रशिक्षण दिया गया ।

अंततोगत्वा, इन रिसोर्स पर्सन्स द्वारा क्लस्टर स्तर पर सभी शिक्षकों को वर्ष २००५-०६ के दौरान प्रशिक्षण दिया गया ।

एसएसए का एक उद्देश्य है प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता का सुधार करना । इसे सिद्ध करने के लिए प्राथमिक स्कूलों से शत प्रतिशत मूल्यांकन एवं श्रेणीकरण आवश्यक है । इस लक्ष्य को गुजरात में अंशतः सिद्ध किया गया है ।

शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए यह जरूरी है की शिक्षकों का विषयवस्तु, कौशल्यपूर्ण वर्गखंड आंतरक्रिया तथा आधुनिक शिक्षा के अनुभव से सुसज्जित किया जाए । वर्ष २००५-०६ के दौरान राज्य में निम्नदर्शित विषयों पर शिक्षक प्रशिक्षण दिया गया ।

२.४.२ स्कूल्स से बाहर रहनेवाले बच्चों की पहचान एवं उनका नामांकन तथा स्थायीकरण

जून २००५ में प्रवेशोत्सव के दौरान ६ - ११ वर्ष वयजूथ के सभी बच्चों को औपचारिक स्कूलों तथा वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों में नामांकित करने के प्रयास किए गए । स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों की पहचान करने तथा उन्हें स्कूलों तथा वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों में नामांकित करने के लिए उनके माता-पिता को समझाने की तालीम दी गई । उन्हें बच्चों के स्थायीकरण के लिए भी प्रशिक्षण दिया गया ।

२.४.३ असरदार वर्गखंड आंतरक्रिया के द्वारा गुणवत्ता सुधार

शिक्षकों को असरदार वर्गखंड आंतरक्रिया द्वारा गुणवत्ता सुधारने की तालीम दी गई, जिसमें उनके कौशल्यों के विकास पर भार दिया गया था । इससे बच्चों के लिए अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया और रुचिपूर्ण हो पाई ।

२.४.४ वर्गखंड में टी.एल.एम का असरदार उपयोग

स्थानिक सामग्री से संदर्भित टी.एल.एम. बनाने का कौशल्य विकसित करने की तालीम शिक्षकों को दी गई । उन्हें प्रेरित किया गया कि वे, मार्केट में तैयार टी.एल.एम. खरीदने के बजाए, स्वयं टी.एल.एम. का निर्माण करें । वर्गखंड में टी.एल.एम. का निर्माण करने से बच्चों को भी सहभागी होने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे विविध विषयों के कठिन बिंदुओं को सीखाने में आसानी रहती है ।

२.४.५ ग्रेड सिस्टम का प्रशिक्षण

शिक्षकों को स्कूलों में ग्रेड सिस्टम से उपयोग की परिकल्पना एवं महत्व के बारे में प्रशिक्षण दिया गया । इससे उन्हें बच्चों के अविरत और संपूर्ण मूल्यांकन करने में आसानी रहती है तथा विद्यार्थियों में विकृत प्रतियोगिता कम होती है ।

२.४.६ प्रवृत्ति आधारित उल्लासमय शिक्षा

बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को ज्यादा दिलचस्प और सहभागीतापूर्ण बनाने के लिए, शिक्षकों को प्रवृत्ति आधारित उल्लासमय शिक्षा की तालीम दी गई । इससे बच्चों को विविध विषयों की शिक्षा को ग्रहण करने में आसानी रहती है ।

२.४.७ कम्प्यूटर एइडेड लर्निंग

शिक्षकों को प्राथमिक स्कूलों में कम्प्यूटर एइडेड लर्निंग (सी.ए.एल.) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण दिया गया । कम्प्यूटर एइडेड लर्निंग में उपयोग में लिए जानेवाले हार्डवेर एवं सोफ्टवेर के सामान्य पहलुओं पर उनका नवसंस्करण किया गया । सी.ए.एल. की नवाचारी तकनिकों द्वारा अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया को असरदार बनाने के प्रयास किए गए ।

२.४.८ दैनिकपोथी एवं गृहकार्यपोथिका आयोजन

दैनिकपोथीके आयोजन के विषय पर शिक्षकों को तालीम दी गई जिससे उन्हें शैक्षिक कार्यों के आयोजन करने में तथा वर्गखंडशिक्षाके वास्तविक चित्र को समझने में सरलता हुई । गृहकार्यपोथी का आयोजन द्वारा शिक्षकों का गृहकार्य की उपयोगिता समझाई गई तथा बच्चों का भार कम करने एवं उन्हें आनंदमय शिक्षा देने के विषय में तालीम दी गई ।

२.४.९ स्कूल्स स्वास्थ्य और तरुण शिक्षा

शिक्षकों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उन्हें स्कूल्स स्वास्थ्य और तरुण शिक्षा की समस्याओं तथा तरुणों की आवश्यकताओं के बारे में तालीम दी गई । इसमें कक्षा ५ से ७ के बच्चों की मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक समस्याओं को समझने में शिक्षकों को मदद मिली ।

२.४.१० विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा

अल्प से मामूली विकलांगतावाले बच्चों को उपयुक्त और पर्याप्त शिक्षा प्राप्त हो यह सुनिश्चित करने शिक्षकों को दृष्टि, श्रवण, अस्थि एवं मानसिक विकलांगता से सम्बन्धित मुद्दों तथा समस्याओं के बारे में तालीम दी गई । विकलांग बच्चों को मुख्य प्रवाह में शामिल करने के लिए उनकी विशेष आवश्यकताओं के बारे में शिक्षकों का संवेदित किया गया ।

२.४.११ भाषा एवं व्याकरण

प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर बच्चों के प्राथमिक अध्ययन स्तर को सिद्ध करने के लिए भाषा की पठन और लेखन क्षमता का विशेष महत्व है । बच्चों के लिए भाषा तथा व्याकरण की शिक्षा को ज्यादा रुचिप्रद एवं असरदार बनाने के लिए शिक्षकों को तालीम दी गई ।

२.४.१२ अन्वेषित हिसाब एवं खर्च पत्रक

सर्व शिक्षा अभियान के क्रिया-कलापों का नियत आर्थिक धोरणों के अनुसार असरदार अमल हो यह सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को हिसाब निभाने आर्थिक रजिस्टरों को निभाने, आर्थिक पत्रकों को तैयार करने तथा स्कूल स्तर पर खरीद प्रक्रिया को सही ढंग से लागू करने की विशेष तालीम दी गई । सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्राप्त आर्थिक अनुदान एवं उसके खर्च के विषय में पारदर्शिता निभाने की भी उन्हे तालीम दी गई ।

२.४.१३ संगीत एवं कलाकी शिक्षा

शिक्षकों को हार्मोनियम और तबला जैसे संगीत के साधनों को बजाने की तालीम दी गई जिससे की गीतों, काव्यों एवं प्रार्थनाओं जैसी आनंददायी प्रक्रियाओं से शिक्षकों का अध्यापन करने में सुविधा हो सकती है ।

२.४.१४ शिक्षा का संपूर्ण गुणवत्ता व्यवस्थापन

एसएसए का एक मुख्य उद्देश्य है गुणवत्तायुक्त प्रारंभिक शिक्षा, जिसे प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को संपूर्ण गुणवत्ता व्यवस्थापन के बारे में प्रशिक्षित किया गया, जिसमे आयोजन की रणनीतिओं के विभिन्न घटकों की पहचान, मोनीटरिंग एवं निगरानी द्वारा संपूर्ण गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए उनकी क्षमता का निर्माण किया गया ।

२.४.१५ आपदा व्यवस्थापन में शिक्षक की भूमिका

प्राकृतिक आपदाओं के दौरान विकट परिस्थितियों का व्यवस्थापन करने में शिक्षकों की भूमिका बहोत ही महत्वपूर्ण हो सकती है । गैरसरकारी संस्थानों तथा विविध क्षेत्र के तजज्ञों द्वारा शिक्षकों को विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के व्यवस्थापन की तालीम दी गई । इससे स्कूलो में विद्यार्थीओं का माध्यस्तर के आपदा व्यवस्थापन के लिए प्रशिक्षित करने में शिक्षकों की क्षमता निर्मित की गई ।

२.४.१६ स्कूल रजिस्टर बनाना एवं निभाना

स्कूल स्तर पर शैक्षिक, दफ्तरी तथा आर्थिक रजिस्टरों को तैयार करने तथा उन्हें निभाने की तालीम शिक्षकों को दी गई जिससे की उनमें स्कूल एवं ग्राम्य स्तर के पहलुओं के व्यवस्थापन की क्षमता बेहतर हुई ।

२.४.१७ स्कूल भवन, स्वच्छता एवं जल सुविधा

स्कूलों में भवन, स्वच्छता एवं पेय जल की सुविधा को उचित ढंग से निभाना स्वास्थ्य की दृष्टि से बहोत ही आवश्यक है । अहमदाबाद के प्रतिष्ठित गैरसरकारी संस्थान सफाई विद्यालय द्वारा स्कूल स्तर पर स्वच्छता एवं स्वस्थ पर्यावरण निभाने के विषय में शिक्षकों को तालीम दी गई । बच्चों को भी घर तथा स्कूल के स्तर पर स्वच्छता एवं स्वास्थ्य निभाने की तालीम दी गई ।

२.५ वर्ष २००५ - ०६ के दौरान गुजरात में जिलावार शिक्षक प्रशिक्षण

एस.एस.ए. के तहत जिला स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. द्वारा स्थानिक डायट के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है, जिन्हें कि अध्यापनविद्याकीय तथा शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान तथा आयोजन करने की सत्ता प्रदान की गई है। इस हेतु विशेष धनराशि एस.एस.ए. के तहत इन्हें दी जाती है । गुजरात में वर्ष २००५- ०६ के दौरान शिक्षकों को कुल २५,३१,०५४ मानव दिवसों के लिये प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें ८,७१,६२८ मानव दिवसों का प्रशिक्षण डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ओफिस द्वारा तथा १६,५९,४२६ मानव दिवसों का प्रशिक्षण डायट द्वारा दिया गया ।

गुजरात के सभी जिलों तथा म्युनिसिपल कार्पोरेशन विस्तारो में शिक्षकों को आधुनिक अध्यापनविद्या के विविध आयामों की तालीम दी गई, उदाहरणार्थ, बालकेन्द्रित एवं संदर्भित टी.एल.एम. का निर्माण, सभी विषयों के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा, नई पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल स्तर का

शैक्षिक आयोजन तथा सर्व शिक्षा अभियान की अमलवारी, इत्यादि । जिला परियोजना इकाईयों द्वारा वी.आर.सी. स्तर पर तथा डायट द्वारा वी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. स्तर पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजित किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

एस.एस.ए. कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण (वर्ष २००५ - ०६)

क्रम	जिला	डीपीसी द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	डायट द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	कुल
१	अहमदाबाद	१६४०२	८०४८८	९६८९०
२	अमरेली	४१७२	७१६६५	८५८३७
३	आणंद	३१६८६	८१६००	११३२८६
४	भरूच	१२९७६	७७८६२	९०८३८
५	गांधीनगर	३६६०२	४७६४८	३६६०२
६	खेडा	८२०९४	८३१६१	१६५२५५
७	मेहसाणा	५२९९५	३६३४८	८९३४३
८	नवसारी	८१९०	४१५०२	४९६९२
९	नर्मदा	५७५३	३८३१७	४४०७०
१०	पाटण	४४०६६	३२५२६	७६५९२
११	राजकोट	५३९३५	४८१०७	१०२०४२
१२	सुरत	३५६८५	४२६८९	७८३७४
१३	वडादरा	३६०५४	१३७२७२	१७३३२६
१४	वलसाड	४६३५२	४४३७७	९०७२९
१५	बनासकांठा	५८७०८	९४४६७	१५३१७५
१६	पंचमहाल	५८११९	११५२४९	१७३३६८
१७	दाहोद	५९११२	८६०५८	१४५१७०
१८	डांग	२३५८	७१०५	९४६३
१९	पोरबंदर	०	५९५७	५९५७
२०	अमा. कोर्पो.	२८५३	४५५८६	५५४३९
२१	वडोदरा कोर्पो.	४००६	५१७७	९१८३
२२	सुरत कोर्पो.	३२३६८	३२२६४	६४६३२
२३	राजकोट कोर्पो.	२६३०	८५५१	११९८१
२४	सुरेन्द्रनगर	१२०५५	६१४९०	७३५४५
२५	साबरकांठा	५०७४०	८९४२८	१४०१६८
२६	कच्छ	२१७१७	४५८२८	६७५४५
२७	भावनगर	५७७६९	९५५०३	१५३२७२
२८	जामनगर	२१६४५	३२४५८	५४१०३
२९	जूनागढ़	१३५८६	६०७४३	७४३२९
	कुल	**८७१६२८**	**१६५९४२६**	**२५३१०५४**

२.६ टी.एल.एम. सामग्री

वर्गखंड में शिक्षा के आदान प्रदान को असरदार बनाने केलिए टी.एल.एम. अनिवार्य है। प्रवृत्ति आधारित शिक्षा और बाल केन्द्रित शिक्षा प्रणाली के प्रचलन के चलते गुजरात में डीपीईपी तथा एस.एस.ए. में 'जानकारी गृहैया' करवाने के बजाय 'अनुभवों पर आधारित' शिक्षा को अधिक महत्त्व दिया जाने लगा है। आमतौर पर प्राथमिक शालाओं के स्तर पर देखा जाय तो गुजरात के विभिन्न समुदायों के पास टी.एल.एम. का एक सस्ता लेकिन प्रचुर मात्रा से सभर स्रोत मौजूद है । इसी विचार के चलते डीपीईपीने इस स्रोत का उपयोग कर कम खर्चीला टी.एल.एम. विकसित किया। शिक्षकों को वार्षिक रु. ५०० का अनुदान दिया गया, जिन्होंने उसका उपयोग टी.एल.एम. बनाने में किया । नियमित रूप से टी.एल.एम. के विकास और उत्पादन के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया ।

२.७ स्कूल अनुदान

स्कूलों में प्राथमिक सुविधाओं के विकास, जैसेकि, मामूली मरम्मत, अतिरिक्त प्रशिक्षण सामग्री की खरीदारी, आनंददायी तरीकों से शिक्षा प्रदान करने के लिए कुछ नए साधन एवं स्कूल के वातावरण को मोहक बनाने के लिए स्कूल की दिवारों पर चित्र बनाने जैसे कइ छोटे मोटे कार्यों के लिए रु. २००० के स्कूल अनुदान भी आवंटित किये गए । इस अनुदान की राशि के उपयोग में लचीलापन होने की वजह से अब उन्हें स्कूल के विकास हेतु छोटी सी धनराशि के अनुदान के लिए लंबे अरसे तक राह नहीं देखनी पड़ती ।

प्रकरण : ३
दूरस्थ शिक्षा

३.० डी.ई.पी. - एस.एस.ए. युनिट

डी.पी.ई.पी. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दूरस्थ शिक्षा को एक महत्वपूर्ण अंग बनाने के उद्देश्य से सन १९९७ में डिस्टन्स एज्युकेशन प्रोग्राम (डी.ई.पी.) अर्थात् दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी (इग्नू) के सहयोग से शुरु किया गया था । इसके अनुसंधान में डी.ई.पी.-डी.पी.ई.पी. युनिट गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् के गांधीनगर स्थित राज्य परियोजना कार्यालय में शुरु किया गया था । सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.) की शुरूआत राज्य में होने के पश्चात्, सितम्बर २००३ में डी.ई.पी.-डी.पी.ई.पी. युनिट बंद कर दिया गया । उसके स्थान पर डी.ई.पी. - एस.एस.ए. युनिट को गुजरात में प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए १ अक्तूबर, २००३ को शुरु किया गया ।

३.१ डी.आर.एस. सेट्स

डायरेक्ट रिसेप्शन सिस्टम (डी.आर.एस.) सेट्स को सभी जिलों में तालुका स्तर पर तथा डी.पी.ई.पी. २ के जिलों बनासकांठा, पंचमहाल एवं डांग में क्लस्टर स्तर पर लगाया गया है। अब तक कुल ३८० डी.आर.एस. सेट्स को गुजरात में लगाया गया है । राज्य के सभी डायट्स को भी डी.आर.एस सेट्स प्रदान किए गए हैं। इनको लगाने से डी.पी.ई.पी. एवं एस.एस.ए. के तहत दूरस्थ शिक्षा के राज्य स्तर के विविध कार्यक्रमों को आयोजित करने में सुविधा हो गई है ।

३.२ टेलिकोन्फरन्स

टेलिकोन्फरन्सिंग बड़ी संख्या में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए मूल्यात्मक रूप से एक असरदार माध्यम है । कास्केड मोड़में देखी जानेवाली प्रसार क्षति प्रशिक्षण के इस प्रकार में नहीं होती। इसका उपयोग बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स, शिक्षकों तथा डायट के लेक्चरर्स को विविध विषयों पर प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है । इसका प्रयोग बी.ई.सी. के सदस्यों को प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण में उनकी भूमिका के विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भी किया गया है । अप्रैल, २००५ से मार्च २००६ के दौरान गुजरात में निम्नदर्शित टेलिकोन्फरन्सीस आयोजित की गई हैं ।

३.२.१ टी.एल.एम. के असरदार उपयोग पर टेलिकोन्फरन्स

१५ मई, २००५ को भास्कराचार्य इन्स्टिट्यूट ऑफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ इन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी.) के गांधीनगर स्थित स्टुडियो से टी.एल.एम. के असरदार उपयोग पर राज्य स्तर की टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । तजज्ञों की पेनल का नेतृत्व स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा डीईपीए एनएसए (नई दिल्ली) से आये हुए फेकल्टी - इन्चार्ज गुजरात द्वारा किया गया था । मेधावी शिक्षकों तथा मीडिया एण्ड डोक्युमन्टेशन ऑफिसर एवं डीईसी इन्चार्ज ने तजज्ञों की भूमिका अदा की । बच्चों के स्थायीकरण को बढ़ाने के लिए स्कूलों में कैसे गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जा सकती है, इस विषय पर टेलीकोन्फरन्सके दौरान विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । प्रायमरी स्कूलों में गणित, पर्यावरण एवं गुजराती की असरदार शिक्षा के लिए निर्देशन पाठ दिये गए ।

प्रशिक्षार्थियों के छौर पर टेलिकोन्फरन्स के सीधे प्रसारण को सभी डायट्स, बीआरसी भवनों तथा डीपीईपी २ जिलों के सीआरसी भवनों पर स्थापित डीआरएस सेट्स के माध्यम से ग्रहण किया गया । अनुमान है कि इस कार्यक्रम में करीब ४००० व्यक्तिओं ने भाग लिया जिनमें डिस्ट्रिक्ट, बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स, डायट लेकचरर्स तथा शिक्षक शामिल थे ।

३.२.२ कन्याशिक्षा प्रोत्साहन के लिए वीईसी, एमटीए तथा पीटीए की भूमिका का पर टेलिकोन्फरन्स

१५ अक्तूबर, २००५ को भास्कराचार्य इन्स्टिट्यूट ऑफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ-इन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी.) के गांधीनगर स्थित स्टुडियो से कन्याशिक्षा प्रोत्साहन के लिए वीईसी, एमटीए तथा पीटीए की भूमिका का पर राज्य स्तर की टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । तजज्ञों की पेनलका नेतृत्व स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर द्वारा किया गया था । स्टेट जेन्डर कोओर्डिनेटर, आणंद के डिस्ट्रिक्ट जेन्डर कोओर्डिनेटर तथा धोलका के बी.आर.सी. कोओर्डिनेटर ने विविध स्तर पर अपने अनुभवों की चर्चा की । मीडिया एण्ड डोक्युमेन्टेशन ओफिसर एवं डीईसी इन्चार्ज ने तजज्ञों की भूमिका अदा की ।

प्रशिक्षार्थियों के छौर पर टेलिकोन्फरन्स के सीधे प्रसारण को सभी डायट्स, बीआरसी भवनों तथा डीपीईपी २ जिलों के सीआरसी भवनों पर स्थापित डीआरएस सेट्स के माध्यम से ग्रहण किया गया । अनुमान है कि इस कार्यक्रम में करीब ४००० व्यक्तिओं ने भाग लिया जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोआर्डिनेटर्स, डायट लेकचरर्स, शिक्षक, वीईसी, सीगीडब्ल्यूसी, एम.टी.ए. तथा पी.टी.ए. के सदस्य शामिल थ ।

३.२.३ एनपीईजीईएल तथा कन्याशिक्षा पर सीआरसी स्तरके मुख्य शिक्षकोंके नवसंस्करण पर टेलिकोन्फरन्स

२९ डिसम्बर, २००५ को भास्कराचार्य इन्स्टिट्यूट ओफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ-ईन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी.) के गांधीनगर स्थित स्टुडियो से एनपीईजीईएल तथा कन्याशिक्षा पर सीआरसी स्तर के मुख्य शिक्षकों के नवसंस्करण पर राज्य स्तर की टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । तज्ज्ञों की पेनल का नेतृत्व स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर द्वारा किया गया था । यूनिसेफके प्रोजेक्ट ओफिसर (एज्यूकेशन), स्टेट जेन्डर कोओर्डीनेटर तथा मीडिया एण्ड डोक्युमेन्टेशन ओफिसर एवं डीईसी इन्चार्ज ने तज्ज्ञों की भूमिका अदा की । कार्यक्रम के दौरान एनपीईजीईएल की अमलवारी, अध्यापनविद्या, जीवन कौशल्य तथा सामुदायिक सहभागिता द्वारा नारी जाति के सशक्तिकरण जैसे कन्याशिक्षा सम्बन्धित विवध विषयों पर मुख्य शिक्षकों का प्रशिक्षण किया गया ।

प्रशिक्षार्थियों के छौर पर टेलिकोन्फरन्स के सीधे प्रसारण को सभी डायट्स, बीआरसी भवनों तथा डीपीईपी २ जिलों के सीआरसी भवनों पर स्थापित डीआरएस सेट्स के माध्यम से ग्रहण किया गया । अनुमान है कि इस कार्यक्रम में करीब ४००० व्यक्तिओंने भाग लिया जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स, डायट लेकचरर्स, शिक्षक, बीईसी, बीसीडब्ल्यूसी, एम.टी.ए. तथा पी.टी.ए. के सदस्य शामिल थे ।

३.२.४ राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स : एज्यूसेट का असरदार उपयोग

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषदने ४ फरवरी, २००६ को एज्युसेट के असरदार उपयोग के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स में हिस्सा लिया । इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, नई दिल्ली स्थित ईएमपीसी स्टुडियो से ज्ञानदर्शन २ चेनल से अपलिंक किया गया था जिसे गुजरात के रिजियोनल सेन्टर, इग्नो, छारोड़ी, अहमदाबाद पर गृहित किया गया था ।

इस टेलिकोन्फरन्स में इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी के मान वाइस चान्सेलर एवं एज्यूसेट के उपयोग की कोर कमिटी के चेरमेन प्रोफेसर एच.पी.दीक्षित तथा बेंगलोर के एस.सी.पी.ओ., इसरो के डायरेक्टर श्री भास्कर नारायणने राज्यों के शिक्षा सचिवों तथा एसएसए के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स एवं अन्य कर्मियों के साथ एज्युसेट के असरदार उपयोग के विषय में चर्चा की ।

इस टेलिकोन्फरन्स में एसएसए के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जीसीईआरटी के रीडर तथा संशोधन सहायक, स्टेट टीचर ट्रेनिंग कोओर्डिनेटर एवं डीईसी इन्चार्ज तथा स्टेट मीडिया कोआर्डिनेटर, अहमदाबाद के जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी और अहमदाबाद डायट के प्रिन्सिपाल, अहमदाबाद एवं

साबरकांठा के डिस्ट्रिक्ट जेन्डर कोओर्डिनेटर तथा बावला, सायला और गांधीनगर के बीआरसी कोओर्डिनेटरो ने हिस्सा लिया ।

३.२.५ राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स : प्रशिक्षण के लिए "ब्लेन्डेड एप्रोच"

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद ने ११ मार्च, २००६ को प्रशिक्षण के लिए "ब्लेन्डेड एप्रोच" के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय टेलिकोन्फरन्स में हिस्सा लिया । ईन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, नई दिल्ली स्थित ईएमपीसी स्टुडियो से ज्ञानदर्शन २ चेनल से अपलिंक किया गया था जिसे गुजरात के रिजियोनल सेन्टर, इग्नो, छारोडी, अहमदाबाद पर गृहीत किया गया था ।

इस टेलिकोन्फरन्स में प्रोफेसर एस.वी.एस. चौधरी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, डीईपी-एसएसए, नई दिल्ली, सुश्री वृन्दा सरुप, संयुक्त सचिव, एम.एच.आर.डी. तथा एन.सी.ई.आर.टी. के प्रारंभिक शिक्षा विभाग के मुख्य अधिकारी एवं एडसील के पेडागोजी सेल के सिनियर कन्सल्टन्टने स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा अन्य कर्मियों के साथ आंतरक्रिया की ।

इस टेलिकोन्फरन्स में एसएसए के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जीसीईआरटी के रीडर तथा संशोधन सहायक, स्टेट टीचर ट्रेनिंग कोओर्डिनेटर एवं डीईसी इन्चार्ज तथा स्टेट मीडिया कोओर्डिनेटर, अहमदाबाद के जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी और अहमदाबाद डायट के प्रिन्सिपाल, अहमदाबाद एवं साबरकांठा के डिस्ट्रिक्ट जेन्डर कोओडिनेटर तथा बावला, सायला और गांधीनगर के बीआरसी कोओडिनेटरो ने हिस्सा लिया ।

३.३ वैकल्पिक शिक्षा एवं एनपीईजीईएल पर स्वअध्ययन सामग्री

वैकल्पिक शिक्षा एवं एनपीईजीईएल पर अलग अलग स्वअध्ययन सामग्री को विकसित किया गया सभी बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. तक वितरित किया गया ।

३.४ स्टेट रिसोर्स ग्रूप की बैठक

डी.ई.पी. - एस.एस.ए., गुजरात के स्टेट रिसोर्स ग्रूप (एस.आर.जी.) की बैठक १८ मई, २००५ को गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् के स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस के कोन्फरन्स होल में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने की थी । डो. किरण माथुर फेकल्टी इनचार्ज डी.ई.पी. - एस.एस.ए. नई दिल्ली ने भी इस महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया जिसमें डीईपी एसएसए की वर्ष २००४ - ०५ की प्रगति की समीक्षा तथा वर्ष २००५-०६ के एन्युअल वर्क प्लान और बजट की चर्चा की गई ।

३.५ आईईडी विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण के लिये सोफ्टवेर

सर्व शिक्षा अभियान के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत गुजरात द्वारा मुख्य प्रवाह की स्कूलों में विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को सीखानेके लिये शिक्षकों की अध्यापनविद्याकीय जरुरतों की आपूर्ति करने का प्रयास हो रहा है जिसके लिये ब्रेल लिपि की शिक्षा के लिये ३० मिनट की एक आडियो सीडी तथा श्रवण एवं दृष्टिकी विकलांगता तथा मंदबुद्धि के बच्चों की शिक्षा के लिये ३० मिनट की ३ वीडियो सीडी को ब्लाईन्ड पीपल्स एसोसिएशन (बीपीए), अहमदाबाद द्वारा निर्मित किया गया। इस मल्टी मीडिया पेकेज को सभी बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स तक वितरित करना है ।

३.६ वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट : २००५ - ०६

वर्ष २००५-०६ के लिए डीईपी-एसएसए गुजरात की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट को तैयार कर डीईपी एसएसए, नई दिल्ली को भेजा गया ।

प्रकरण : ४
समुदायों का अभिप्रेरण

४.० सामुदायिक अभिप्रेरण

सामुदायिक सहभागिता खडी करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान, एनपीईजीईएल एवं कजीवीबी के तहत राज्य में प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण के क्रिया कलापों में सक्रिय जनसहभागिता उत्पन्न करना एक प्रमुख रणनीति रही है । गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषदने सफलतापूर्वक कई सहभागितापूर्ण कार्यरचनाए क्रियान्वित की है ।

४.१ अभिप्रेरण मुहिम

सामुदायिक जागृति और वातावरण निर्मित करने हेतु स्थानिक स्तर पर मुहिम की पद्धति का उपयोग किया गया । मई जून, २००५ के दौरान, प्रिन्ट एवं दृश्य श्राव्य माध्यम के साथ साथ स्थानिक स्तर पर सांस्कृतिक तौर प योग्य माध्यमों का बालमहोत्सवों, प्रभात-जुलूस, मशालयात्राओं के लिये लगातार उपयोग किया गया ।
पिछले वर्ष के दौरान सामुदायिक अभिप्रेरण के लिए मुख्यतः निम्नदर्शित कार्यक्रम किए गये:

- सांस्कृतिक प्रतिभा खोज प्रवृत्तिओं का आयोजन ।
- विचारवस्तुलक्षी नाटिकाएँ और लोकनाट्य स्वरूपों का (भवाई) का उपयोग।
- स्थानिक लोकमेलों में स्टोल खड़े किए गए।
- स्थानिक समुदायों के लिए टी.एल.एम. प्रदर्शनियों का आयोजन ।
- आदिजाति विस्तारों में लड़कियों के नामांकन हेतु विशेष मुहिमें की गई ।
- समुदायों में कन्या - शिक्षा के लिए माँ-बेटी सम्मेलन जैसी विशिष्ट अभिप्रेरण मुहिमों का आयोजन

४.२ सामुदायिक नेताओं के लिए प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियान के तहत क्लस्टर स्तर पर सामुदायिक नेताओं के लिये बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स के सहयोग से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । इसके लिये प्रत्येक रेवेन्यु गांव के वी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए. के सदस्यों में से चुने गये ८ सामुदायिक नेताओं की पहेचान की गई तथा ग्राम स्तर प प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करने की तालीम दी गई ।

सामुदायिक नेताओं को परियोजना के अमलीकरण में भूमिका अदा करने के लिये संवेदित

किया गया । इन्हें विद्यालय अनुदान, शिक्षक अनुदान, विद्यालय मरामत तथा निभाव अनुदान के उपयोग के बारे में ज्ञान दिया गया । प्रशिक्षण, अभिसंस्करण, कार्यशिविर और अनुभवों को बाँटने की प्रवृत्तियां द्वारा क्षमता निर्माण करना अभिप्ररण रणनीति के भागरूप रहा है । स्कूल समुदाय के बीच संकलन बनाने, बी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. को कौशल प्रदान करने और उसे मज़बूत बनाने के लिए उन्हें नियमित और आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया । बी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के अभिसंस्करण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई । बी.ई.सी. को कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया, जबकि बी.आर.सी और सी.आर.सी. संकलनकारों का प्रमुख प्रशिक्षकों के रूप में अभिसंस्करण किया गया । बी.ई.सी.,एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के बीच लगातार बैठकें होती रहीं।

४.३ कन्या केळवणी रथयात्रा : प्रवेशोत्सव २००५

सार्वत्रिक एवं स्वयंस्फुरित जनसहभागितासे शाला प्रवेशोत्सव - २००५ को जनता का ही एक कार्यक्रम बना दिया । मान. मुख्यमंत्रीश्री के नेतृत्व एवं मान. शिक्षा मंत्रीश्री की सीधी निगरानी में राज्यव्यापी प्रवेशोत्सव के प्रमुख घटक के रूप में १६, १७ और १८ जून २००५ को आयोजित कन्या केळवणी रथयात्रा को समग्र गुजरात में प्रचंड सफलता प्राप्त हुई ।

कार्यक्रम की ज्वलंत सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रवेशोत्सव के इन तीन दिनों के दौरान १०,८४२ गाँवो के उतने ही स्कूलों में कुल २,३५,०८५ बच्चों का कक्षा १ में नामांकन हुआ जिसमें १,१६,३५७ लड़कियाँ तथा १,१८,७२८ लड़के थे । इन तीन दिनों के दौरान स्थानिक समुदायों द्वारा स्कूलों को कुल रु. २,५९,३७,१७७ के मूल्य का रोकड़ एवं वस्तुस्वरूप दान प्राप्त हुआ । अहवालों के मुताबिक स्कूल छोड़ चुके कुल २३,६९६ बच्चों का पुनः नामांकन भी किया गया ।

प्रवेशोत्सव को सफलता प्राप्त हो यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष आयोजन किए गए । युनिसेफ के सहयोग से ३० सेकण्ड के ८ टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण किया गया था जिन्हें जून जुलाई २००५ के दौरान स्कूलों में सार्वत्रिक नामांकन के महत्व के बारे में जनजागृति पैदा करने के उद्देश्य से टेलिकास्ट किया गया था । जनता पर महत्तम प्रभाव हो इस हेतु से मान. मुख्यमंत्रीश्री एवं मान. शिक्षामंत्रीश्री के जन-संदेशों को १४ और १५ जून, २००५ को प्रसारित किया गया । सभी केबिनेट मंत्रीश्रीयों, मुख्य सचिव एवं आई.पी.एस., आई.ए.एस., आई.एफ.एस., सचिवालय केडर तथा शिक्षा विभाग के सभी श्रेयान अधिकारियों के नेतृत्व में अल्प महिला साक्षरतावाले गाँवों में कन्या केळवणी रथयात्रा निकाली गई । पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार प्रत्येक मंत्रीश्री तथा अधिकारीने प्रतिदिन ५ गाँवों की मुलाकात ली ताकि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कमसेकम १५ ऐसे गाँवों की मुलाकात ली जा सके

जहाँ कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन सिद्ध करने तथा महिला साक्षरता बढ़ानेके लिये विशेष प्रयास करने की सख्त जरूरत है ।

नामांकन जुंबिश का स्कूलों में आनंद उल्लास के वातावरण में मनाया गया । नामांकन के लिये माता पिता के साथ आये हुए तथा प्रसंग के अनुरूप सज बच्चों का स्वागत स्कूलो में शिक्षकों, बच्चों तथा वीईसी, एमटीए, पीटीए सदस्यों द्वारा किया गया । नवनामांकित बच्चों को तिलक किया गया तथा कागज की रंग बिरंगी टोपियाँ पहनाई गई । उन्हें मिठाइयाँ भी बांटी गई । उन्हें इस बात का अहसास कराया गया कि स्कूल एक मजेदार और आनंददायक जगह है ।

ग्राम शिक्षा समिति, एमटीए, पीटीए तथा स्व-सहाय जूथों द्वारा घनिष्ठ सहभागिता के अहवाल राज्यभर से प्राप्त हुए । हर स्कूल में मान. शिक्षा मंत्री द्वारा प्रेषित संदेश का पठन किया गया तथा वीईसी, एमटीए, पीटीए के सदस्यों द्वारा प्रतिज्ञापत्र पर हस्ताक्षर किये गये, जिसमें यह संकल्प दर्शाया गया था कि स्कूलों में बच्चों के, विशेषतः कन्याओं के १०० प्रतिशत नामांकन एवं स्थायीकरण के लिये वे संपूर्ण प्रयास करेंगे ।

दाताओं द्वारा नव नामांकित बच्चों को बस्ते, स्लेट, पेन, पेन्सिल, पाठ्यपुस्तक, नोटबुक्स तथा गणवेश का दान किया गया । अल्प महिला साक्षरतावाले गाँवो में विद्यालक्ष्मी योजना के तहत नव नामांकित कन्याओं को रु. १००० के नर्मदा बोंड दिये गये । इस उपलक्ष्य में राज्य के सभी स्कूलों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगोंने बड़ी संख्या में भाग लिया ।

४.४ मीडिया की हिमायत

गुजरात में एसएसए के तहत प्राथमिक शिक्षा, खास करके लड़कियों की शिक्षा की हिमायत, मीडिया और प्रत्यायन का केन्द्र रूप विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मीडिया संदेश, मीडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिज़ाइन की गई मीडिया मिक्स व्यूहरचना का उपयोग किया गया है । इसकी वजह से आधार स्तर पर समुदाय के द्वारा डीपीईपी और एसएसए ने बहुत अच्छी नामना पाई है । इसके अलावा डीपीईपी और एसएसए ने परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्त्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया है ।

४.५ स्थानिक नेताओं का प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत बीआरजी और सीआरसी कोऑर्डिनेटर्स की तजज्ञता में समुदायिक नेताओं का ग्राम्य स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया । इसके लिये ग्राम्य स्तर पर ८ सामुदायिक नेताओं का चयन किया गया, जिन्हें प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की तालीम दी गई ।

सामुदायिक नेताओं का परियोजना अमलीकरण में उनकी भूमिका के प्रति संवेदित किया गया । उन्हें स्कूल ग्रान्ट, टीचर ग्रान्ट, स्कूल रिपेर एण्ड मेइन्टेनन्स ग्रान्ट के उपयोग के लिए नवसंस्करित किया गया । प्रशिक्षण, नवसंस्करण, कार्यशिविर एवं अनुभवों के आदान प्रदान के जरिये क्षमता निर्माण जनसहयोग के लिए अपनाई गई रणनीति का प्रमुख घटक है । स्कूल और समुदायों के बीच गठबंधन स्थापित करने के लिए बीईसी, एमटीए तथा पीटीए के कौशल्य को विकसित करने के लिए नियमित एवं आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया । बीईसी, एमटीए तथा पीटीए की तालीम के लिए विशेष सामग्री तैयार की गई । कास्केड मोडल के जरिये बीईसी को तालीम दी गई जिसमें बी.आर.सी. और सी.आर.सी. कोआर्डिनेटर्स ने मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका अदा की । बीईसी, एमटीए तथा पीटीए की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं ।

४.६ सामुदायिक ढाँचों की रचना

सर्व शिक्षा अभियान के सुचारु अमलीकरण के लिए गुजरात में विलेज एज्युकेशन कमिटी (वीईसी), विलेज सिविल वर्क्स कमिटी (वीसीडवल्यूसी), मधर टीचर एसोसिएशन (एमटीए), पेरेन्ट टीचर एसोसिअेशन (पीटीए) जैसे सामुदायिक ढांचों की रचना राज्य के सभी गाँवों में की गई है ।

सभी गाँवों में पेरेन्ट काउन्सिल गठित की गई है जिनके सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया है। अब वे माता-पिता एवं समुदायों के रुख में बदलाव लाने की दिशा में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं जिससे विभिन्न विकलांगताओं के बारे में उनमें जागृति लाई जा सके । अब तक सामने आए परिणामों के अनुसार उन्हों ने विकलांग बच्चों के संकलित शिक्षण के प्रति उनके माता-पिता की सोच को असरदार तरीके से बदला है ।

हर गाँव में बीईसी, एमटीए तथा पीटीए द्वारा प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण के लिए स्थानिक रूप से हर संभव प्रयास किया जा रहा है । नियमित बैठकों द्वारा गाँव की प्राथमिक शिक्षा सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किया जाता है । स्कूलों तथा वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों के व्यवस्थापन में बीईसी, एमटीए तथा पीटीए के सदस्य सक्रिय भाग ले रहे है । राज्य में बीईसी, एमटीए तथा पीटीए की रचना की स्थिति इस प्रकार है:

गुजरात में रचित वीईसी और डबल्यूईसी की संख्या :

क्रम	जिला	वीईसी की संख्या	एम.टी.ए. की संख्या	पी.टी.ए. की संख्या
१	अहमदाबाद	८२४	८९५	८९५
२	अमरेली	७७३	७७३	७७३
३	आणंद	१०५१	१०५१	१०५१
४	बनासकांठा	८२७	२०९४	२०९४
५	भरूच	९२६	९२६	९२६
६	भावनगर	८९४	११२८	११२८
७	दाहोद	६७१	१५२७	१५२७
८	डांग	३१९	४१०	४१०
९	गांधीनगर	५६३	६४०	६४०
१०	जामनगर	११६३	१३१७	१३१७
११	जूनागढ	९१३	११३२	११३२
१२	खेडा	१६७४	१६७४	१६७४
१३	कच्छ	१२८६	१४७०	१४७०
१४	महसाणा	९२१	९२१	९२१
१५	नर्मदा	६८०	६८०	६८०
१६	नवसारी	६२३	७४७	७४७
१७	पंचमहाल	११७४	२२६२	२२६२
१८	पाटण	७२४	८०१	८०१
१९	पोरबंदर	१५६	२९९	२९९
२०	राजकोट	१०९८	१२८३	१२८३
२१	साबरकांठा	७१६	२४३०	२४३०
२२	सुरत	१६९८	१८२६	१८२६
२३	सुरेन्द्रनगर	६९२	९४०	९४०
२४	वडोदरा	१५७६	२२४८	२२४८
२५	वलसाड	९७२	९७२	९७२
	कुल	**२२९०६**	**३०४४६**	**३०४४६**

क्रम	जिला	डबल्यूईसी की संख्या	एम.टी.ए. की संख्या	पी.टी.ए. की संख्या
२६	अहमदाबाद कोर्पो	४३	५३२	५३२
२७	वडोदरा कोर्पो.	१८	२२५	२२५
२८	राजकोट कोर्पो	२३	९९	९९
२९	सुरत कोर्पो	३३	२७६	२७६
	कुल	**११५**	**११३२**	**११३२**
	कुल	**२३०२१**	**३१५७८**	**३१५७८**

४.६ समुदायों का योगदान

इस वर्ष नामांकन जुंबिश के दौरान परियोजना ज़िलों के गाँवों से स्थानीय समुदायों द्वारा बड़ी धनराशि तथा वस्तुओं का अनुदान प्राप्त किया गया । वी.आर.सी., अतिरिक्त वर्गखंडों और प्राथमिक

शालाओं के निर्माण हेतु गाँववालों ने जमीन के बड़े प्लॉट भी दान में दिए । नकद एवं जमीन के दान के अलावा स्थानीय लोगों ने पेन, पेन्सिलें, स्लेटें, नोट-बुक्स, नकशां, चार्टों वगैरह की भी भेंट - सौगाद देकर अपना योगदान दिया । डांग जिले में लोगों का योगदान मुख्यतः देशी हिसाब, पेन, पेन्सिलों जैसी वस्तुओं का रहा ।

सामुदायिक ढाँचों के सशक्तिकरण से सही योजना में कार्यक्रम का विकेन्द्रीकरण हो पाया है। यह पता चलता है कि वी.ई.सी., एम.टी.ए./ पी.टी.ए. और पेरेन्ट काउन्सिलों को विविध विद्यालयों के व्यवस्थापन प्रवृत्ति में सक्रियता से शामिल किया गया है । परियोजना के जिलों में ग्रामवासियों का बड़े पैमाने का योगदान यह दर्शाता है कि स्थानीय समुदायों में स्वामित्व की भावना पैदा करने में बड़ी सफलता हाँसिल हुई है ।

प्रकरण : ५
कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान

५.० लड़कियों की शिक्षा

एस.एस.ए., एन.पी.ई.सी.ई.एल तथा डी.पी.ई.पी. के उद्देश्यों में शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है । नामांकन के निम्न स्तर, लड़कियों के स्थायीकरण और उपलब्धियों में, खास कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े हुए समूह के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाता है। लड़कियों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके नामांकन एवं स्थायीकरण को बढ़ाने के लिए गुजरात में विशिष्ट व्यूहों को अपनाया गया है । लैंगिक रूप से संवेदनशील अभ्यासक्रम और पाठ्य पुस्तकों का विकास किया गया है । सारे नये विद्यालय भवनों में लड़कियों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा दी गई है । विद्यालय में लड़कियों की उपस्थिति को बढ़ावा देने के हेतु से ई.सी.सी.ई. - ए.एस. केन्द्र भी खोले गए है ।

राज्य संसाधन गुटों एवं जिला संसाधन गुटों को स्थानीय विशिष्ट जरूरतों के आधार पर कन्या शिक्षा व्यूह बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई । जनजागरण सामग्री जैसे कि पोस्टरों, हस्तपुस्तिका और ब्रोशर्स तैयार किए गए । लैंगिक प्रशिक्षण मोडयूल्स को विशेष रूप से शिक्षकों, प्रमुख प्रशिक्षकों और बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स के लिए तैयार किया गया ।

कार्यक्रम में समुदायों को विशेषतः महिलाओं को सत्ताशील बनाने पर ज्यादा महत्त्व दिया गया है । कार्यक्रम के हर पहलू पर उनकी निर्णायक भूमिका के निभाने पर ज्यादा जोर दिया गया है । इस दिशा में, ग्राम्य स्तर की स्थानीय इकाईयों, जैसेकि वी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. को उनके अपने क्षेत्र में लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी निभाने के लिए समर्थ बनाया गया । महिला समूहों, महिला समुदायों और पंचायत के सदस्यों जैसे समुदायों को लड़कियों की शिक्षा के मुद्दे पर सघन तालीम दी गई । इसके साथ साथ, समुदायों और महिला संगठनों को अभिप्रेरण और विद्यालय व्यवस्थापन और नामांकन के नियंत्रण तथा प्रतिधारण एवं लड़कियों पर विशेषतः ध्यान देते हुए उपलब्धि के स्तर में पिरोया गया ।

५.१ प्राथमिक शिक्षा में लैंगिक असमानताओं को कम करना

गुजरात में यह माना गया है कि महिलाओं का सामर्थ्यबान बनाने का सही तरीका उन्हें शिक्षा प्रदान करना है । माताओं को सबसे पहले शिक्षित करना होगा और उन्हें अपनी लड़कियों को शिक्षित कराने के महत्त्व के बारे में जागृत कराना होगा । शिक्षा के व्याप में प्रवर्तमान लैंगिक और सामाजिक

असमानताओं को कम करने पर भार देते हुए, गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् द्वारा लड़कियों की शिक्षा को प्रात्साहित करने के लिए एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डी.पी.ई.पी. के तहत बहुविध व्यवधानों की आजमाइश की जा रही है। लागों में, खास कर महिलाओं में अपने बच्चों को पाठशाला भेजने का उत्साह संचालित हो, इस हेतु दृढ निश्चयपूर्वक कोशिशें की जा रही हैं । प्राथमिक शिक्षा में मांग की बढ़ोतरी के लिए इसे जरूरी माना गया है । विद्यालयों द्वारा समुदायों और शाला के संबंधों की सुदृढता के बारे में ग्राम्य समुदायों, खास तौर पर महिलाओं की ग्रंथिन मान्यताओं को बदलने का व्यूह है ।

जागृति अभियान के लिए ऐसे ब्लोक एवं क्लस्टर का चयन किया गया जहाँ लड़कियों की शिक्षा का व्याप कम हो । सभी जिलों में महिला जागृति संमेलन आयोजित किए गए। अभिप्रेरण के लिए रेलियों, प्रभात फेरियों, तमाशा पार्टीओं का भी उपयोग किया गया ।

एम.टी.ए. सदस्यों और महिला समूहों को स्व जागृति के लिए और लड़कियों की शिक्षा में उनकी भूमिका के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए गुजराती में एक हस्तपुस्तिका और पोस्टरों विकसित किया गया तथा सभी स्कूलों में वितरित किया गया । एम.टी.ए. के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए बनाई गई हस्तपुस्तिका में कुछ खास विषयों को शामिल किया गया है, जैसेकि लड़कियों की शिक्षा का प्रात्साहित करने के लिए विशिष्ट योजनाओं के बारे में जानकारी (इसीसीइ.ए.एस.), एम.टी.ए. की संरचना के लिए मार्गदर्शन, एम.टी.ए. बैठकों की मारणी और बैठकों का एजन्डा, एम.टी.ए. की भूमिका और कार्य, एम.टी.ए. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सारणी और लैंगिक संवेदीकरण के लिए करने योग्य कार्यों की सूचि ।

वर्गखंडों की आंतरक्रिया और प्रक्रियाओं में समान अवसर उपलब्ध कराने के हेतु शिक्षकों के लिए गुजराती में एक प्रशिक्षण मोडयुल विकसित किया गया और परियोजना के जिलों की सभी पाठशालाओं में इसे वितरित किया गया ।

५.२ नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट एलिमेन्टरी लेवल (एन.पी.ई.जी.ई.एल.) :

सर्व शिक्षा अभियान में कन्या शिक्षा के घटक को सशक्त बनाने के हेतु से नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ऑफ गर्ल्स एट एलिमन्टरी लेवल (एन.पी.ई.जी.ई.एल.) अर्थात् प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर कन्या शिक्षा के राष्ट्रीय कार्यक्रम को राज्य में प्रारंभित किया गया है ।

एन.पी.ई.जी.ई.एल. के धारणों के अनुसार, इसे गुजरात के २१ जिलों (वलसाड, पोरबंदर,

डांग और भरूच को छोडकर) के शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए उन ९१ तालुकों (७८ तालुकों और १३ शहरी झोपडपट्टीयों) के ११४१ क्लस्टर्स में शुरु किया गया है, जहाँ पर राष्ट्रीय औसत की तुलना में, महिला साक्षरता कम है तथा साक्षरता का लैंगिक भेद अधिक है ।

इस कार्यक्रम के तहत हर तालुके में एक स्कूल को मोडल क्लस्टर स्कूल के तौर पर विकसित किया गया है जो कि उस विस्तार में कन्या शिक्षा के विविध कार्यक्रमों का केन्द्रबिंदु है । इसके तहत अतिरिक्त लाभ भी दिये जा रहे है जैसे कि स्कूलों, शिक्षकों को पारितोषिक, सिखने- सिखाने के लिए शैक्षिक साधन सामग्री, शौच सुविधाएं, विद्युत-करण, पेय जल सुविधा तथा शिक्षकों एवं स्थानिक समुदायों के लिए प्रशिक्षण समर्थन तथा संवर्दाकरण कार्यक्रम ।

इस वर्ष के दौरान एन.पी.ई.जी.ई.एल के तहत ११०७ मोडल क्लस्टर स्कूलों निर्मित किये गये जिनमें विद्युतिकरण, ८४२ पेय-जल सुविधा तथा कन्याओं के लिए ९६७ शौचालय की सहुलतें प्रदान की गई । कुल १०४९ मोडल क्लस्टर स्कूलों को कम्प्यूटर दिये गए ।

कक्षा १ से ७ की मोडल क्लस्टर स्कूलों की लड़कियों को प्रति कन्या रु.१५० के मूल्य के स्थानीय रूप से लिये गए टी.एल.एम. शैक्षिक उपकरण तथा वस्तुएं दी जा चूकी है । इसके अतिरिक्त हर क्लस्टर के कमसे कम २० शिक्षकों को एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत कन्या शिक्षा के विशेष मुद्दों की तालीम दी गई ।

५.३ लड़कियों के लिए ई.सी.सी.ई. केन्द्र

पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा को जोड़ने के हेतु ई.सी.सी.ई. केन्द्र उन बस्तियों में खोले जा रहे हैं जहाँ इनकी सुविधा नहीं है । मार्च ३१, २००६ तक कुल ५१८५ ई.सी.सी.ई. केन्द्र गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् द्वारा एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डीपीईपी के तहत खोले जा चूके है, जिनमें सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत ३७२३ एवं एनपीईजीईएल में १४६२ केन्द्र शामिल है, जिनमें कुल १,२३,३५४ बच्चें नामांकित हुए जिसमें ५९९६० लड़के और ६३३९४ लड़के है ।

५.४ माँ-बेटी संमेलन

एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डी.पी.ई.पी. के तहत अल्प महिला साक्षरता वाले गाँवों में साक्षरता बढ़ाने के लिए माँ- बेटी संमेलन आयोजित किये गए । वर्ष २००५ - ०६ में लगभग

१००० माँ बेटी संगोलन आयोजित किये गये, जिनमें वी.ई.सी., एम.टी.ए. तथा पी.टी.ए. के सदस्यों ने कन्या शिक्षा की समस्याओं को सुलझाने के विषय पर संवेदित किया गया। गुजरात के ग्रामीण विस्तारों में शिक्षा के क्षेत्र में पाये जाने वाले लैंगिक फर्क मिटाने के लिये मनोरंजक भवाई, डायरो एवं तमाशा जैसे शिक्षादायी मनोरंजन कार्यक्रमों आयोजित किये गये ।

५.५ आंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष कार्यक्रम

एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डी.पी.ई.पी. के तहत ८ मार्च, २००६ आंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिये राज्य, जिला, तालुका तथा क्लस्टर स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये। राज्यभर में कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये जुलूस, झाँकियां, प्रदर्शनियाँ, प्रतियोगिताएं तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

५.६ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी.)

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जातियों तथा लघुमति की कठिन विस्तारों में रहनेवाली तथा प्राथमिक शिक्षा नियमित रूप से नहीं पा सकनेवाली कन्याओं के लिये कक्षा १ से ७ तक की रिहायशी सुविधा वाले स्कूल खोले जा रहे हैं । भारत सरकार द्वारा गुजरात के १८ जिलों में ३० कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खोलने की मंजूरी दी गई है जिनमें १८ टाइप - ए स्कूल (१०० कन्याओं के लिये) और १२ टाइप बी (५० कन्याओं के लिये) स्कूल हैं ।

स्कूल से बाहर रहनेवाली लड़कियों के माता पिताओं को रूबरू संपर्क द्वारा समझाया गया कि वे अपनी बेटियों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकित करें । इस परियोजना के लिये जागृति पेदा करने एवं सामुदायिक जनसमर्थन के लिये वीईसी, एमटीए, पीटीए की बैठकें की गई । जिला, ब्लोक, क्लस्टर तथा ग्राम्य स्तर पर लैंगिक भेदभाव हटाने, कन्याओं के जीवन कौशल्य को बढ़ाने तथा उन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के हेतु सामीतियों की रचना की गई ।

५.७ कन्याशिक्षा के लिए आयोजित प्रमुख प्रवृत्तियां

इस वर्ष के दौरान गुजरात में कन्याशिक्षा के प्रोत्साहन के लिए निम्नदर्शित मुख्य प्रवृत्तियां की गई :

- स्थानांतर करनेवाले परिवारों की कन्याओं के लिये नवम्बर २००५ से अप्रैल २००६ तक एक विशेष ६-माही निवासी अभ्यासक्रम के तहत भावनगर, दाहोद, पंचमहाल, सुरत एवं साबरकांठा जिलों में १२ केन्द्र खोले गये ।

- एसएसए, एनपीईजीईएल और डीपीईपी के अंतर्गत अल्प (०-३५ प्रतिशत) महिला साक्षरता वाले गाँव में कन्याओं को ३-माही उपचारात्मक शिक्षा दी गई ।
- वैकल्पिक शिक्षा के तहत १९२३ बालसखियोंका प्रशिक्षण दिया गया ।
- कन्या शिक्षा को स्कूलों में ज्यादा असरदार बनाने के लिये १०,२४० शिक्षकों को कन्या शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में प्रशिक्षण दिया गया ।
- दर्पण एकेडेमी, अहमदाबाद के सहयोग से शिक्षकों, बीआरसी एवं सीआरसी कोओर्डिनेटर्स को कठपुतली प्रयोग द्वारा बच्चों को शिक्षा देने तथा लोगों में जागृति पैदा करने के लिये राज्य, जिला, तालुका तथा क्लस्टर स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया । कुल २३०० शिक्षकों, ७८ बीआरसी कोआर्डिनेटर्स एवं ११३२ सीआरसी कोआर्डिनेटर्स को प्रशिक्षण दिया गया । एनपीईजीईएल के तहत प्राथमिक शिक्षा के कठिन बिंदुओं को सिखाने के लिये कठपुतलियों का प्रयोग एक साधन की तरह किया जा रहा है ।
- ८ मार्च, २००६ के दिन विविध स्तर पर कठपुतली कार्यक्रम आयोजित किये गये ।
- कठपुतली निर्माण एवं उपयोग के लिये एक विशेष मोडयूल तैयार किया गया जिसे सीआरसी स्तर पर वितरित किया गया ।
- एनपीईजीईएल एवं एसएसए के तहत जीवन कौशल्य विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा-६ और ७ की अधिकतर कन्याओं को साइकल चलाना सिखाया गया ।
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय में एक मोडयूल विकसित किया गया और स्कूलों मे वितरित किया गया।
- वर्गखंड में कन्या शिक्षा संवेदित वातावरण निर्माण करने के लिये एक विशेष मोडयूल "बाल किल्लोल" विकसित किया गया और स्कूलों मे वितरित किया गया ।

प्रकरण : ६
विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का

६.० वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली

विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक कारणोंवश गुजरात में कई बच्चे औपचारिक स्कूलों में नहीं जा पाते । इसलिए, डीपीईपी तथा एसएसए में छुट पुट एवं दूरदराज की बस्तीओं में रहनेवाले पिछड़े वर्गों के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा का लाभ पहुँचाने के हेतु से वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र शुरु किये गए हैं। इनका उद्देश्य यह है कि जो बच्चे कभी नामांकित नहिं हुए तथा जो बीच में से ही अध्ययन छोड़ चुके है, उन्हें इस स्तर तक शिक्षा दी जाए कि वे औपचारिक प्राथमिक विद्यालय में फिर से शामिल हो सकें। शिक्षा को बीच में ही छोड़ चूके बच्चों की समस्याओं को ठीक तरह से समझाने के नम्र प्रयासों के दौरान सफलतम् अनुभवों से कुछ सीखने के साथ वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली के लिए उचित मोडलों का विकास करने का भी प्रयास किया गया है ।

डीपीईपी के तहत विकसित किय गये वैकल्पिक शिक्षा के कार्यक्रमों को डीपीईपी ४ तथा सर्व शिक्षा अभियान में अमली किया जा रहा है ।

६.१ वैकल्पिक शिक्षा के लिये मोडल्स :

परियोजना में शामिल जिलों के शाला छोड़ चूके बच्चो को शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए, कुछ वैकल्पिक शिक्षा (ओल्टरनेटिव स्कूलिंग) माडलों का विकसित किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

बेक - टू - स्कूल	ब्रिज कोर्स	
ए.एस. केन्द्र वैकल्पिक विद्यालय शिक्षा केम्प	आश्रमशालाओं में अतिरिक्त सीटें समुदायों के लिए छात्रावास - पहचान पत्र (इन तीन श्रेणियों में, बच्चे अपनी शिक्षा वैधिक शालाओं में जारी रख सकते हैं । आश्रमशालाओं और समुदायों के छात्रावास में बोर्डिंग सुविधा दी जाती है)	वेकेशन कोर्स प्रमोशन कोर्स - मीडटर्म कोर्स - फार्म विद्यालय - टेन्ट (तंबू) विद्यालय - सोल्ट पान (विद्यालय) - रात्रि वर्ग - मोबाइल विद्यालय

६.२ बेक टू - स्कूल प्रोग्राम

वर्ष २००५ ०६ के दर्मियान स्कूलो से बाहर रहनेवाले ३,४०,३२५ बच्चों को पहूँच प्रदान

करने के लक्ष्यांक के सामने बेक-टू-स्कूल प्रोग्राम के तहत कुल १,५५,१८१ बच्चों को वैकल्पिक शिक्षा में शामिल किया गया है जिनमें ७,२६८ वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रो में नामांकित १,३१,४८५ बच्चे तथा जून २००५ में आयोजित प्रवेशोत्सव के दौरान स्कूलों में पुनर्नामांकित २३,६९८ बच्चे शामिल है, जिनका जिल्लावार विवरण नीचे दिया गया है :

वयजूथ के अनुसार स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों का विवरण

नं	जिला	वैकल्पिक शि.	नामांकित बच्चे			पुनर्नामांकित बच्चे			कुल समाविष्ट बच्चे		
		केन्द्र	कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल
१	अहमदाबाद	३२५	३१२९	४०२४	७१५३	५९४	५१३	११०७	३७२३	४५३७	८२६०
२	अहमदाबाद को.	३१[illegible]	४२८१	४०७५	८३५६	०	०	०	४२८१	४०७५	८३५६
३	अमरेली	१७[illegible]	१४६१	१८४४	३३०५	७६४	६३९	१४०३	२२२५	२४८३	४७०८
४	आणंद	३७४	२३३९	३८०३	७१४२	१५३	१६५	३१८	२४९२	३९६८	७४६०
५	बनासकांठा	२८३	२४३५	३३२५	५७६०	०	०	०	२४३५	३३२५	५७६०
६	भरूच	२६१	२३१२	२३७८	४६९०	१३९	१३०	२६९	२४५१	२५०८	४९५९
७	भावनगर	३९५	२५२४	३६८९	६२१३	९२३	११८८	२१११	३४४७	४८७७	८३२४
८	दाहोद	४६[illegible]	४८५६	५०३३	९८८९	१३६९	१२९२	२६६१	६२२५	६३२५	१२५५०
९	डांग	१२०	४०९	१२८३	१६९२	२३३	२०२	४३५	६४२	१४८५	२१२७
१०	गांधीनगर	१००	६९९	१०१०	१७०९	०	०	०	६९९	१०१०	१७०९
११	जामनगर	१५[illegible]	१७१६	१६७८	३३९४	२०७	१४२	३४९	१९२३	१८२०	३७४३
१२	जूनागढ़	१०३	१०३१	१२०४	२२३५	२२७	२३९	४६६	१२५८	१४४३	२७०१
१३	खेडा	२००	१३९०	१७२६	३११६	६८४	६३३	१३१७	२०७४	२३५९	४४३३
१४	कच्छ	३१६	५५०	६४२	११९२	०	०	०	५५०	६४२	११९२
१५	मेहसाणा	२००	१७५०	२३४९	४०९९	७६	११६	१९२	१८२६	२४६५	४२९१
१६	नर्मदा	१५[illegible]	५७१	९९१	१५६२	०	०	०	५७१	९९१	१५६२
१७	नवसारी	४७	३६४	३१९	६८३	३२०	२६२	५८२	६८४	५८१	१२६५
१८	पंचमहाल	१९२	१००१	१०७१	२०७२	१३०५	१६५९	२९६४	२३०६	२७३०	५०३६
१९	पाटण	३६७	३९७०	४२२८	८१९८	०	०	०	३९७०	४२२८	८१९८
२०	पोरबंदर	५९	५९०	६६१	१२५१	०	०	०	५९०	६५१	१२५१
२१	राजकोट	१५१	१४००	१२८०	२६८०	०	०	०	१४००	१२८०	२६८०
२२	राजकोट को.	१०२	९१३	१०१९	१९३२	०	०	०	९१३	१०१९	१९३२
२३	साबरकांठा	३३७	४८८२	४८५६	९७३८	३७४	३८७	७६१	५२५६	५२४३	१०४९९
२४	सूरत	५८०	४४९०	३५६२	८०५२	५१०	४७३	९८३	५०००	४०३५	९०३५
२५	सूरत को.	२५९	१३६४	१८२८	३१९२	७५८	६८९	१४४७	२१२२	२५१७	४६३९
२६	सुरेन्द्रनगर	२१[illegible]	२२३४	२५१०	४७४४	१५१३	१६८२	३१९५	३७४७	४१९२	७९४०
२७	वडोदरा	५६०	५५८९	५७९८	११३८७	५२९	४७३	१०६२	६११८	६२७१	१२४४९
२८	वडोदरा को.	[illegible]८	२१७	२६०	४७७	०	०	०	२१७	२६०	४७७
२९	वलसाड	[illegible]	२४९३	३०६८	५५६१	११००	९७४	२०७४	३५९३	४०४२	७६३५
	कुल	७२६८	६१९७१	६९५१४	१३१४८५	११८३८	११८५८	२३६९६	७३८०९	८१३७२	१५५१८१

गुजरात में बेक - टू- स्कूल योजना के अंतर्गत वर्ष २००५ - ०६ में कुल ५४,२९२ बच्चों का सफलतापूर्वक मुख्य प्रवाह के स्कूलों मे प्रवेशित किया गया, जिनमें २९,०२७ लड़कियां और २५,२६५ लड़के है । प्रवेशोत्सव २००५ के दौरान कुल २३,६९६ बच्चों को औपचारिक स्कूलों मे पुनर्नामांकित किया गया जिनमें ११,८५८ लड़कियां और ११८३८ लड़के है । इस प्रकार ४०,८८५ लड़कियां तथा ३७,१०३ लड़कों सहित कुल ७७,९८८ बच्चों को औपचारिक स्कूलों में वापस लाया गया ।

६.३ ब्रिज कोर्स

वर्ष २००५-०६ के दौरान ब्रीज कोर्स प्रोग्राम के तहत कुल ७४५८ केन्द्रो में कुल १,५१,८८२ बच्चों का शामिल किया गया, जिनमें से परीक्षा में उत्तीर्ण होनेवाले ७४,८६२ बच्चों को उच्चतर कक्षा में बढ़ातरी दी गई, जिसका विवरण इस प्रकार है:

केन्द्रों की संख्या	समाविष्ट बच्चे			परीक्षा देनेवाले बच्चे			परीक्षामें उत्तीर्ण बच्चे		
	कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल
७४५८	८२४२४	६९४५८	१५१८८२	७५८५९	६५३३६	१४११९५	४११८५	३३६७७	७४८६२

६.४ निवासी केम्प

३१ मार्च, २००६ तक कुल ४४ निवास केम्प खोले गए थे जिनमें कुल १,८६४ बच्चे नामांकित थे जैसाकि नीचे दर्शाया गया है :

निवास केम्प की संख्या	कुमार	कन्या	कुल
४४	११५०	७१४	१८६४

६.५ वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्डबुक तथा ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोडयूल

राज्य स्तर पर वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्डबुक विकसित की गयी है, जोकि परियोजना के कर्मचारियो, तजज्ञों तथा बालमित्रों के लिये ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोडयूल भी है ।

सभी जिलों में बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर तथा मास्टर ट्रेनर्स को वैकल्पिक शिक्षा के ट्रेनर्स ट्रेनिंग माडयूल वितरित किय गये ।

६.६ अनुसूचित जाति/जनजाति के बच्चों की शिक्षा

अनु.जाति एवं अनु.जनजाति के बच्चों की शिक्षा के लिए सर्व शिक्षा अभियान मिशन द्वारा गुजरात में निम्नदर्शित क्रिया-कलाप किए गए :

- **अनुसूचित जाति/जनजाति के बच्चो के लिए विशेष प्रावधान**

  गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंडळ के संयोग से एसएसए मिशन द्वारा कक्षा १, ४ एवं ५ के अनु.जाति एवं अन.जनजाति बच्चों के लिए कार्यपोथी विकसित की गई । सभी स्कूलों में कक्षा १ की अंकलेखन, कक्षा ४ के हिन्दी मूलाक्षर एवं कक्षा-५ के अंग्रेजी मूलाक्षर की पुस्तिकाएं सभी स्कूलों को वितरित की गई है ।

- **आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए क्षमता निर्माण**

११ जिलों के आदिवासी विस्तारों के ४५ बी.आर.सी. कोऑडिनेटर्स के लिए एक दो दिवसीय कार्यशिविर आयोजित किया गया जिसमें सहभागियों का स्थानिक बोलियों एवं टीएलएम के लिए स्थानिक सामग्री के उपयोग के विषयमें नवसंस्करण किया गया । अध्यापन की गुणवत्ता को बहतर बनाने के लिए स्थानिक रूप से उपलब्ध सामग्री द्वारा संदर्भित साहित्य का निर्माण किया गया । बाद में, सीआरसी कोऑर्डिनेटर्स तथा शिक्षकों को भी आदिवासी बच्चों के लिए निर्मित अध्यापनविद्या का प्रशिक्षण दिया गया ।

- **स्थानिक बोली**

आदिम क्षेत्रों में स्थित बच्चों को असरदार शिक्षा देने के लिए एवं उसे ज्यादा आनंददायक और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए स्थानिक बोली में पढ़ाना आवश्यक है जिसके उपयोग से शिक्षा की प्रक्रिया को अधिक सहज एवं आसान बनाया जा सकता है । इस हेतु आदिम तालुकों के लिए स्थानिक शिक्षकों की मदद से आदिवासी बोलियों की शब्दावलियां विकसित की गई । वडोदरा के भाषा रिसर्च एवं पब्लिकेशन सेन्टर द्वारा चित्रात्मक शब्दावलियां बनाई गई जिन्हें वडोदरा, साबरकांठा और पंचमहाल जिलों के आदिवासी विस्तारों की स्कूलों में वितरित किया जाए ।

- **चाइल्ड ट्रेकिंग**

आदिवासी विस्तारों के औपचारिक स्कूलों में वर्ष २००५-०६ में कक्षा १ में नामांकित बच्चे पढ़ाई जारी रखें एवं प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करें यह सुनिश्चित करने के लिए चाइल्ड ट्रेकिंग एप्रोच अपनाया गया है । बच्चों को ट्रेक करने के लिए इसका अनुसंधान कार्य वर्ष २००६-०७ के दौरान भी जारी रहेगा ।

प्रकरण : ७
विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

७.० विशिष्ट आवश्यकताओंवाले बच्चे

एसएसए के तहत विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को उच्च गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के प्रयास किये जा रहे हैं । इसके लिए उनके माता-पिताओं के साथ उनकी विकलांगता और शिक्षा के बारे में सलाह मशवरा करना अति आवश्यक है । इसी संदर्भ में माता पिता परिषदों की रचना की गई । विविध विकलांगताओं के बारे में जागृति पैदा करने के लिए इन परिषदों की नियमित बैठकें भी बुलाई गई । उनमें माता पिताओं को सकारात्मक अभिगम अपनाने और विकलांग बच्चों की क्षमताओं में विश्वास रखने की अपील की गई । इन परिषदों ने पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और पुनर्वसन के मुद्दों एवं विकलांग बच्चों की शिक्षा में अवरोधरूप विविध मानसिक विघ्नों के बारे में चर्चा करने का सही मंच प्रदान किया है ।

सभी गाँवों में विकलांग बच्चों के माता-पिताओं को वी.ई.सी. में सम्मिलित किया गया और उन्हें सघन प्रशिक्षण भी दिया गया । साथ ही विकलांग बच्चों के माता-पिताओं को लेकर हर गाँव में एक पेरेन्ट्स काउन्सिल की भी रचना की गई है। पेरेन्ट्स काउन्सिल के सदस्यों को बच्चों में विकलांगता के कारण उद्‌भव होनेवाले कई विशिष्ट मुद्दों को सुलझाने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

७.१ जनजागृति

माता-पिता और शिक्षकों को अभिप्रेरित करने के लिए अस्थिविषयक विकलांगता, दृष्टि विकलांगता (वी.आई.), मानसिक तौर पर मंदबुद्धि (एम.आर.) और श्रवण विकलांगता (एच.आई.) पर ६ पोस्टरों के एक सेट को बनाया गया और विद्यालयों में वितरित किया गया । इन पोस्टरों में विकलांग बच्चों के परिवार और माता-पिता द्वारा उनके प्रति सकारात्मक अभिगम का निर्माण हो सके ऐसे संदेश प्रेषित किए गए हैं । पेरेन्ट्स काउन्सिल, वी.ई.सी., पी.टी.ए., एम.टी.ए. बैठकों के दौरान इन जागृति सामग्री का उपयोग किया जाएगा ।

७.२ आई.ई.डी.सी. के लिए प्रशिक्षण व्यूहरचना

कास्केड मोड़ में प्रशिक्षण ऊपर से नीचे तक परियोजना के कर्मचारियों को जिला, ब्लोक, क्लस्टर और ग्राम्य स्तर पर दिया गया है । अनुभवी संसाधन शिक्षकों द्वारा विकलांग बच्चों के साथ काम कर रहे वर्ग शिक्षकों को वी.आर.सी. स्तर पर विकलांगताओं के बारे में विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाता है ।

विकलांग बच्चों के वर्गशिक्षकों को वर्गखंड प्रबंधन, सकारात्मक अभिगम, सहपाठियों और विद्यालय में पढ रहे अन्य छात्रों, अध्ययन एवं सह अध्ययन प्रवृत्तिओं, पूरक साहित्य, बच्चों में विकलांगता से पैदा हो रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए साधनों के प्रयोग जैसी कई बातों से अभिसंस्कृत किया गया ।

विकलांग बच्चो के विद्यालयों के अन्य सभी शिक्षकों को वर्गखंड प्रबंध, शिक्षकों के व्यवहार, सहपाठी और विद्यालय के अन्य छात्रों और अध्ययन एवं सह-अध्ययन गतिविधियो के बारे में प्रशिक्षित किया गया ।

७.३ प्रशिक्षण मोडयूल्स

बी.आर.सी. और सी आर.सी. स्तर पर प्रमुख प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मोडयूल विकसित कर वितरित किया गया । शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मोडयूल तैयार किया गया और सभी विद्यालयों में उसे वितरित किया गया । इस मोडयूल द्वारा शिक्षकों को वर्गखंडो में आदान-प्रदान और विकलांग बच्चों के प्रति उनके दृष्टिकोण में बदलाव लाने का मार्गदर्शन मिलता है । साथ ही, मोडयूल की विषयवस्तु से शिक्षकों को सह अध्ययन प्रवृत्तियों की रचना करने में, विभिन्न प्रकार की विकलांगता धारण किए बच्चों की जरूरतों के अनुसार विषय वस्तु पर आधारित शिक्षा पद्धति अपनाने, टी.एल.एम. (दोनों ही प्रकार के वर्ग और विषय अनुसार) में साहित्य के उपयोग और विशिष्ट साधनों के उपयोग करने में सहायता मिलती है।

७.४ कार्यशिविर और प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्लस्टर स्तर पर परियोजना जिलों में वैधिक विद्यालयों में विकलांग बच्चों के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे :

- विभिन्न विकलांगताओं के प्रति शिक्षकों में जागृति के स्तर को उपर उठाना
- विभिन्न पकार की विकलांगता के लिए सह अध्ययन प्रवृत्तिओं की रचना करना और विषयवस्तु आधारित शिक्षा पद्धति

प्रशिक्षण का संचालन संसाधन शिक्षकों और गैर सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों जैसे प्रमुख प्रशिक्षकों द्वारा किया गया । प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने शिक्षक प्रशिक्षण मोडयूल और अन्य कई आई.ई.डी. जागृति सामग्री का इस्तेमाल किया । इसके अतिरिक्त, शिक्षकों में अभिगम परिवर्तन के साथ-साथ वर्गखंडों के आदान-प्रदान में विशिष्ट आवश्यकताओंवाले बच्चों के खास मसलों पर चर्चा

करने की उनकी शक्ति का विकास करने में भी यह प्रशिक्षण बहुत कारगर साबित होगा ।

७.५ जी.सी.ई.आर.टी. में आई.ई.डी.सी. सेल

केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित आई.ई.डी.सी. योजना के तहत जी.सी.ई.आर.टी., आई.ई.डी.सी. सेल द्वारा इसका अमल करते हुए गैर-सरकारी संगठनों पर विशेष जरूरतवाले बच्चों की पहचान, वर्गीकरण, अनुमापन तथा प्रमाणित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई । कुछ चुनी हुई एन.जी.ओ. ने तो ४०% से अधिक विकलांग बच्चों का प्रमाणित करने का काम पूर्ण भी कर लिया है, जिन्हें सहायक साधनों एवं उपकरण प्रदान किये जाने हैं ।

७.६ ध्वज दिन का उत्सव

गुजरात में १४ सितम्बर, २००५ को अंधजनों के ध्वज दिन का उत्सव राज्य जिला, तालुका एवं क्लस्टर स्तर पर मनाया गया । इस हफ्तेभर के उत्सव के दौरान विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों की शिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में जागृति फैलाने के हेतु से पोस्टर प्रतिस्पर्धा, वक्तृत्व स्पर्धा, मुशायरा, नाटक, गीत एवं काव्यपठन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ।

७.७ विश्व विकलांग दिवस का उत्सव

विश्व विकलांग दिवस ३ दिसम्बर, २००५ को सभी जिलों में मनाया गया । विद्यार्थियों ने जागृति रैलियाँ निकालते हुए नारे लगाए - 'रस्ता अमने साचा आपो, ईश्वर अमने वाचा आपो' (हे ईश्वर, हमें सही रास्ता दिखाओ, हमें बोलने की शक्ति दो), 'अमने दया नहीं काम आपो' (हमें दया नहीं काम दो) । इन नारों द्वारा विशेष जरूरतों वाले बच्चों के प्रति सामुदायिक जागृति पर भार दिया गया, विद्यालय और समाज के साथ संकलन साधा गया और विकलांग बच्चों के प्रति शिक्षकों और माता पिता का सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिली । विकलांग बच्चों की जरूरतों के मुद्दों पर विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर्स, गाना एवं नारों की कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

७.८ विकलांग बच्चों का सर्वेक्षण

स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चों का सर्वेक्षण जनवरी, २००६ में पूर्ण हुआ, जिसके अनुसार राज्यभर में ६ से १८ वर्ष वयजूथ में कुल ७७,८१९ विकलांग बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं । इन बच्चों का विवरण नीचे दिया गया है ।

स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	अन्य	कुल
१	अहमदाबाद	८१५	४१४	१२५९	१४२३	०	३९११
२	अहमदाबाद कोर्पो.	९५५	३२१	५१७	४०१	१	२१९५
३	अमरेली	५१६	२६७	९५२	८८१	१४०	२७५६
३	आणद	९४६	४७३	८८३	१०२६	५१	३३७९
४	बनासकांठा	११४५	७६२	२७०८	१४८०	३७४	६४६९
५	भरूच	२७२	२३२	७३१	७६४	५६	२०५५
६	भावनगर	७२६	६१२	११०१	१०५९	११	३५२०
७	दाहोद	७६३	३८७	१८७५	७१९	४२	३७६८
८	डांग	१५८	१२९	१८६	११३	११६	७०२
९	गांधीनगर	३६५	१७५	७७८	८०६	६३	२१८७
१०	जामनगर	२००६	२०३	८०९	८३७	८७	३९४२
११	जूनागढ़	६१२	३९४	१४०८	१३९१	१९४	३९९९
१२	खेडा	१५३५	६११	१३८१	१३०२	०	४८२९
१३	कच्छ	५०९	३४७	१०७८	७८१	६५	२७८०
१४	मेहसाणा	४२३	२०९	१०४९	१०६०	५८	२७९९
१५	नर्मदा	१९४	९३	२५९	१५०	३३	७२९
१६	नवसारी	१९७	९१	३५६	२७८	१५	९३७
१७	पंचमहाल	७१९	३४५	११५०	८७६	८१	३१७१
१८	पाटण	६१३	२४५	१०५४	५९५	१०४	२६११
१९	पोरबंदर	१३०	४३	२००	१६८	३०	५७१
२०	राजकोट	४९९	२३३	१०७३	१०४६	२९०	३१४१
२१	राजकोट कोर्पो.	७४	५५	२५९	१५०	०	५३८
२१	साबरकांठा	६७१	४०५	१४२३	१०९४	१२६	३७१९
२२	सुरत	५३४	३४८	९६१	७९८	२३४	२८७५
२३	सुरत कोर्पो.	१०९	५६	२७७	१३७	६९	६४८
२३	सुरेन्द्रनगर	९१३	४४०	१३४८	१४६०	०	४१६१
२४	वडोदरा	७१८	४०२	११९०	११९	०	३४२९
२५	वडोदरा कोर्पो.	१८१	४३	२५१	२०४	१७	६९६
२६	वलसाड	२८३	१५६	४२६	३७६	६१	१३०२
	कुल	१७५८१	८४९१	२६९२४	२२८९४	२३२९	७७८१९

७.९ स्कूलो मे नामांकित विकलांग बच्चे

जनवरी, २००६ में पूर्ण हुए सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न विकलांगता वाले कुल ६७,२२१ बच्चे स्कूलोंमें नामांकित है । विकलांगता के अनुसार स्कूलों मे नामांकित बच्चों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है:

स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	अन्य	कुल
१	अहमदाबाद	६९५	३१४	११२५	१२५८	०	३३९२
२	अहमदाबाद कोर्पो.	८४५	२५३	४९५	३७१	१	१९६५
३	अमरेली	४३५	२०९	७६८	७२०	१०२	२२३४
४	आणंद	९१२	४५०	८३४	९८४	३९	३२१९
५	बनासकांठा	१०७५	७०१	२३८०	१३४४	३४१	५८४१
६	भरूच	२२३	१४५	४९१	५८४	४१	१४८४
७	भावनगर	६३८	५२२	१०१४	९८५	२२	३१८१
८	दाहोद	७१५	३५०	१७१५	९४२	३८	३४६०
९	डांग	१४५	१२१	१८१	१०३	१०९	६५९
१०	गांधीनगर	३२३	१५०	६३९	७२०	४२	१८७४
११	जामनगर	१९२१	१६०	७१६	७३७	६७	३६०१
१२	जूनागढ	५०३	३३७	१०४८	१११३	१२०	३१२१
१३	खेडा	१४०६	५३२	१२०२	११५२	०	४२९२
१४	कच्छ	४७२	२८८	८६७	६६८	६५	२३६०
१५	मेहसाणा	३८८	११४	९३९	९८२	४५	२५४८
१६	नर्मदा	१७३	७९	२१८	१३३	२५	६२८
१७	नवसारी	१७७	८३	३४४	२४८	१५	८६७
१८	पंचमहाल	६६८	३०८	१०४१	८०८	६४	२८८९
१९	पाटण	६०२	२३६	१०२७	५७०	१००	२५३५
२०	पोरबंदर	११०	३२	१७४	१४९	२४	४८९
२१	राजकोट	४३४	१९३	८५६	८१६	२२४	२५२३
२२	राजकोट कोर्पो.	५२	२४	१५०	४२	०	२६८
२३	साबरकांठा	६४०	३५०	१२७६	९७५	१०२	३३४३
२४	सुरत	४०३	२१०	६६१	५२९	१३८	१९४१
२५	सुरत कोर्पो.	८७	३६	२४३	१२२	५६	५४४
२६	सुरेन्द्रनगर	७२१	३३९	१११२	११५२	०	३३२४
२७	वडोदरा	६३०	३३०	१०७२	१००२	०	३०३४
२८	वडोदरा कोर्पो.	११६	२२	१७६	१३४	१७	४६५
२९	वलसाड	६१	१३२	३८०	३२०	४७	११४०
	कुल	१५७७०	७१००	२३१४४	१९३६३	१८४४	६७२२१

७.१० स्कूल से बाहर रहने वाले विकलांग बच्चे

जनवरी, २००६ में पूर्ण हुए सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न विकलांगता वाले कुल १०,५९८ बच्चे स्कूल से बाहर है । विकलांगता के अनुसार स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों का जिलावार विवरण नीचे दिया गया है:

गुजरात में स्कूल से बाहर रहनेवाले विकलांग बच्चे

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	अन्य	कुल
१	अहमदाबाद	१२०	१००	१३४	१६५	०	५१९
२	अहमदाबाद कॉर्पो.	११०	६८	२२	३०	०	२३०
३	अमरेली	८१	५८	१८४	१६१	३८	५२२
४	आणंद	३४	२३	४९	४२	१२	१६०
५	बनासकांठा	७०	६१	३२०	१३६	३३	६२८
६	भरूच	४९	८७	२४०	१८०	१५	५७१
७	भावनगर	८८	९०	८७	७४	०	३३९
८	दाहोद	४८	३७	१४२	७७	४	३०८
९	डांग	१३	८	५	१०	७	४३
१०	गांधीनगर	४२	२५	१३९	८६	२१	३१३
११	जामनगर	८५	४३	९३	१०	२०	३४१
१२	जूनागढ़	१०९	५७	३६०	२७८	७४	८७८
१३	खेडा	१२९	७९	१७९	१५०	०	५३७
१४	कच्छ	३७	५९	२११	११३	०	४२०
१५	मेहसाणा	३५	१५	११०	७८	१३	२५१
१६	नर्मदा	२१	१४	४१	१७	०८	१०१
१७	नवसारी	२०	०८	१२	३०	०	७०
१८	पंचमहाल	५१	३७	१०९	६८	१७	२८२
१९	पाटण	११	०९	२७	२५	०४	७६
२०	पोरबंदर	२०	११	२६	१९	०६	८२
२१	राजकोट	६५	४०	२१७	२३०	६६	६१८
२२	राजकोट कॉर्पो.	२२	३१	१०९	१०८	०	२७०
२३	साबरकांठा	३१	५५	१४७	११९	२४	३७६
२४	सुरत	१३१	१३८	३००	२६९	९६	९३४
२५	सुरत कॉर्पो.	२२	२०	३४	१५	१३	१०४
२६	सुरेन्द्रनगर	१९२	१०१	२३६	३०८	०	८३७
२७	वडोदरा	८८	७२	११८	११७	०	३९५
२८	वडोदरा कॉर्पो.	६५	२१	७५	७०	०	२३१
२९	वलसाड	२२	२४	४६	५६	१४	१६२
	कुल	**१८११**	**१३९१**	**३७८०**	**३१३१**	**४८५**	**१०५९८**

७.११ एसेसमेन्ट केम्प

इस वर्ष कुल ४३,९०८ विकलांग बच्चों के लिए एसेसमेन्ट कम्प आयोजित किए गए, जिसका विवरण इस प्रकार है:

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	मानसिक क्षति	अस्थिविषयक क्षति	कुल
१	अहमदाबाद	७२४	३५	१०७	५८८	१४५४
२	अमरेली	१८२	२१०	३६०	४५३	१२०५
३	आणंद	७११	५६०	९००	७४१	२९१२
४	बनासकांठा	१०७५	७२५	१४८०	२४१६	५६९६
५	भरूच	२१०	१३३	४४०	४७७	१२६०
६	भावनगर	३९४	२८९	३६७	३२२	१३७२
७	दाहोद	२६६	३८४	२८१	११०४	२०३५
८	डांग	१४३	९५	५९	१८०	४७७
९	गांधीनगर	३२५	६०	१२५	५५०	१०६०
१०	जामनगर	४८१	६९	६३८	४५८	१६४६
११	जूनागढ	२९५	११	४१२	५१३	१२३१
१२	खेडा	१२६०	६५१	१४१६	१३२८	४६५५
१३	कच्छ	१४७	७६	२०९	२०७	६३९
१४	मेहसाणा	५५२	३४३	९५०	१४८७	३३३२
१५	नर्मदा	६७	४६	७६	१७६	३६५
१६	नवसारी	२४४	१३१	३३२	४०४	१११९
१७	पंचमहाल	१७४	३१४	३५९	६७०	१५१७
१८	पाटण	५०७	९०	९०	७०४	१३९१
१९	पोरबंदर	९३	२९	१६६	१६९	४५७
२०	राजकोट	२४९	२८७	३५७	३४२	१२३५
२१	साबरकांठा	३२३	२६१	४२४	६४५	१६५३
२२	सुरत	११४	२२	११५	५६२	८१३
२३	सुरेन्द्रनगर	०	२१९	४८६	६०७	१३१२
२४	वडोदरा	१०६१	१०९२	१४६१	११८१	४७९५
२५	वलसाड	५१	१८	१८	१९८	२८५
	कुल	१६४८	६१५०	११६२८	१६४८२	४३९०८

७.१२ एसएसए के तहत आईडीसी के लिए शिक्षक प्रशिक्षण

इस वर्ष आर.सी.आई., महाराजा भोज युनिवर्सिटी (भोपाल) और अंजन मंडल (अहमदाबाद) के सहकार से आयोजित विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिये फाउण्डेशन कोर्स के दौरान कुल १,३७२ (प्रत्येक तालुका से ३) शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया ।

७.१३ साधन एवं उपकरण

इस वर्ष के दौरान एसएसए - आईईडी के तहत कुल ३३,७३२ विकलांग बच्चों को साधन एवं उपकरण दिए गए जिसका विवरण नीचे दिया गया है ।

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	मानसिक क्षति	अस्थिविषयक क्षति	कुल
१	अहमदाबाद	२७१	१८८	१३०४	३०५	२०६८
२	अमरेली	०	१५०	९७४	१७६	१३००
३	आणंद	३२६	३००	१०३०	२५१	१९०७
४	बनासकांठा	०	४१२	१६६९	१४३२	३५१३
५	भरूच	०	७५	५१६	१३९	७३०
६	भावनगर	०	३००	८३६	९०	१२२६
७	दाहोद	०	१४५	४९५	२८७	९२७
८	डांग	०	१०३	१०६	१५९	३६८
९	गांधीनगर	१७५	९०	९६४	२००	१४२९
१०	जामनगर	०	६८	९३७	०	१००५
११	जूनागढ	०	२६२	१३२६	२८८	१८७६
१२	खेडा	०	३२२	१२७६	८३१	२४२९
१३	कच्छ	०	१८७	७८१	०	९६८
१४	मेहसाणा	१०५	१५०	८४८	५५०	१६५३
१५	नर्मदा	०	४५	१४०	६७	२५२
१६	नवसारी	०	९०	५६८	१२२	७८०
१७	पंचमहाल	०	२२५	७७४	२३३	१२३२
१८	पाटण	४२	१५०	६१०	९२	८९४
१९	पोरबंदर	०	३७	१९३	३५	२६५
२०	राजकोट	०	११३	८७६	१७२	११६१
२१	साबरकांठा	०	२६३	१३१८	४७२	२०५३
२२	सुरत	२७	१८८	७८३	२०७	१२०५
२३	सुरेन्द्रनगर	०	२२५	१३०४	६१५	२१४४
२४	वडोदरा	५२	२६३	११३२	२२४	१६७१
२५	वलसाड	०	११२	४१५	१४९	६७६
	कुल	**९९८**	**४४६३**	**२११७५**	**७०९१**	**३३७३२**

प्रकरण : ८

मीडिया और अनुलेखन

८.० मीडिया हिमायत

गुजरात में एसएसए और डीपीईपी के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा और खास करके, लड़कियों की शिक्षा की हिमायत मीडिया और अनुलेखन ईकाइ का केन्द्रस्थ विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मीडिया संदेश, मीडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिज़ाइन की गई मीडिया मिक्स व्यूहनीति का उपयोग किया गया है। इनकी वजह से आधार स्तर पर समुदाय के सहयोग के द्वारा एसएसए और डीपीईपी ने बहुत अच्छी नामना एवं स्वीकृति पायी है । इसके अलावा परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया गया है ।

८.१ लोकमाध्यम

बनासकांठा की जिला मीडिया इकाई ने जिले में नामांकन अभियान से पहले 'भवाई' नाटकों का आयोजन किया । बच्चों का पाठशालाओं में नामांकन करवाने के प्रति लोगों की विचारधारा को सकारात्मक तरीके से बदलने में स्थानीय लोकमाध्यम का उपयोग में लाया गया ।

डांग में जनजातिओं में प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रीकरण को सहायभूत करने के लिए तमाशा पार्टीओं का सफल उपयोग किया गया । एसएसए और एनपीईजीईएल के प्रचार के लिए जिले के गाँवों में निरंतर रूप से लगनेवाले परंपरागत मेलों-हाट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।

८.२ अनुलेखन

राज्य की मीडिया और अनुलखन इकाई द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुलेखन और प्रकाशन तैयार किए गए :

(१) गुजरात प्राथमिक शिक्षण परिषद् की कार्यपालक समिति की २४वीं, २५वीं, २६वीं और २७वीं बैठकों के लिये प्रगति अहवाल ।
(२) डीपीईपी के २१वें जाइन्ट रिव्यू मिशन के लिये प्रगति अहवाल, भाग १,२,३
(३) डीपीईपी ४ का इम्प्लिमेन्टेशन रिपोर्ट
(४) सर्व शिक्षा अभियान के प्रथम और द्वितीय और तृतीय जोइन्ट रिव्यू मिशन के लिये प्रगति अहेवाल ।

(५) वर्ष २००४ - ०५ के वार्षिक अहवाल (अंग्रेजी और हिन्दी) और ऑडिटेड एकाउन्ट्स

८.३ मीडिया कवरेज

राज्य में एसएसए और एनपीईजीईएल के तहत आयोजित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों को व्यापक मीडिया कवरेज दी गयी । राज्य, जिला, ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर आयोजित प्रमुख कार्यक्रम जैसे कि सेमिनार, कार्यशिविरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और राज्य में महानुभावों की मुलाकातों को अंग्रेजी और गुजराती अखबारों द्वारा प्रसारित किया गया ।

८.५ रेडियो

एसएसए में समुदायों का समर्थन प्राप्त करने के हेतु से रेडियो पर मास मीडिया केम्पेन शुरु किया गया । आकाशवाणी, अहमदाबाद द्वारा बच्चों के विशेषत: कन्याओं के नामांकन एवं स्थायीकरण का बढ़ावा देने के लिये दो रेडियो जिंगल का निर्माण किया गया । ऑल इन्डिया रेडियो के प्राथमरी चेनल पर शाम के ७ : ०० बजे के प्रादेशिक समाचार के पहले इन दोनों रेडियो जिंगल्स का प्राथमिक शिक्षा के विषय में जनजागृति पेदा करने के लिये प्रसारित किया गया । इन्हें जून, जुलाई २००५ में आयोजित प्रवेशोत्सव के दौरान आकाशवाणी के अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और भूज से प्रसारित किया गया ।

एसएसए का रेडियो जिंगल **'स्कूल चलें हम'** को आकाशवाणी, अहमदाबाद द्वारा राज्यभर में प्रसारित किया गया ।

अहमदाबाद के कोर्पोरेशन विस्तार में एसएसए के तहत वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था की अमलवारी के विषय में एक रेडियो कार्यक्रम १८ जनवरी, २००६ को प्रसारित किया गया ।

८.६ एस.टी. बसों पर विज्ञापन

वर्ष २००५ के दौरान अर्थात् इसी वर्ष सभी बच्चे प्राथमिक स्कूलों में नामांकित हो यह सुनिश्चित करने के लिये मीडिया प्रवृत्तियों को बढ़ावा दिया गया। परियोजना जिलों में सेवा देनेवाली एस टी. बसों के साइड पेनल पर (२०' X ३.५') डीपीईपी तथा एसएसए के संदेशों को प्रदर्शित किया गया । इसी प्रकार के विज्ञापन राज्य के सभी जिलों में एस.टी. बसों के तालुका मुख्य मथक पर होर्डिंग (२०' X १०') द्वारा प्रदर्शित किये गये ।

८.७ पोस्टर्स एवं मेइलर्स

ग्राम्य जनता में प्राथमिक शिक्षा के महत्त्व के विषय में जागृति लाने के उद्देश्य से पोस्टर्स विकसित किये गये। जून २००५ में प्रवेशोत्सव के दौरान पोस्टर्स, मेइलर्स एवं प्रतिज्ञापत्रों का एक सेट

सभी स्कूलों में कन्याओं तथा अन्य वंचित तथा स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढावा देने के लिये वितरित किया गया।

८.७ टेलिविझन कार्यक्रम

ईस वर्ष के दौरान दूरदर्शन केन्द्र अहमदाबाद द्वारा निम्नदर्शित कार्यक्रम प्रसारित कए गए ।

- यूनिसफ के सहयोग से जीसीईई द्वारा निर्मित ३० सेकण्ड के ८ टीवी स्पोर्ट्स जून जुलाई २००५ के दौरान प्राइम टाइम पर प्रसारित किए गए ।
- गुजरात में एनपीईजीईएल के अमल पर २५ मिनट का एक टीवी कार्यक्रम १२ जून, २००५ को प्रसारित किया गया ।
- गुजरात में वैकल्पिक शिक्षा के अमल पर २५ मिनट का एक टीवी कार्यक्रम २७ जून, २००५ को प्रसारित किया गया ।
- मान. मुख्यमंत्रीश्री एवं मान. शिक्षामंत्रीश्री के जन संदेशों को १४ एवं १५ जून, २००५ को प्रसारित किया गया ।
- एसएसए, एनपीईजीईएल एवं केजीबीवी के तहत कन्याशिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए स्टेट प्राजेक्ट डायरेक्टरका जन-संदेश ५ जून, २००५ को प्रसारित किया गया ।
- राज्य के सूचना विभाग द्वारा गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान की अमलवारी पर फिल्म निर्मित की गई जिसे दूरदर्शन केन्द्र द्वारा प्रसारित किया गया ।
- स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस द्वारा कन्या शिक्षा का बढ़ावा देने के लिये निर्मित कठपुतली फिल्म 'भणेली दीकरी छे कूल तारे' को दूरदर्शन केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा प्रसारित किया गया ।
- गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान के अमलीकरण पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में एक फिल्म निर्मित की गई जिसका दूरदर्शन द्वारा राष्ट्रीय रूप से प्रसारित करने के लिए भारत सरकार को भेजा गया ।
- अहमदाबाद के बावला तालुके के गाँव शियाळ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पर एक ३० मिनट की डोक्युमेन्टरी फिल्म निर्मित की गई जिसे दूरदर्शन द्वारा डीडी-११ पर १८ जनवरी, २००६ को तथा डीडी-१ पर २७ फरवरी, २००६ को पुनः प्रसारित किया गया ।
- संशोधन एवं मिना केम्पेइन की फिल्मों को सभी जिलों में क्लस्टर स्तर पर आयोजित मा बेटी सम्मेलन के द्वारा दिखाया गया ।

८.८ मेघदूत पोस्ट कार्ड्स

एसएसए के विज्ञापन को मेघदूत पोस्टकार्ड पर प्रदर्शित किया गया जिन्हे गुजरात में एनपीईजीईएल में समाविष्ट शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए ७८ तालुकों तथा १३ शहेरी झोंपडपट्टीओं के

पोस्ट ऑफिस द्वारा विक्रित किया गया ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत जनसहयोग संम्पादन का व्यूह अपनाया गया है ताकी वीईसी, एमटीए एवं पीटीए के सभ्यों में प्रारंभिक शिक्षा के महत्त्व क वारे में जागृति लाई जा सके । एसएसए क सर्वोपरी लक्ष्य सार्वत्रिक नामांकन का सिध्ध करने के लिए तथा सभी वालिकाएं स्कूल में दाखिल हों यह सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के पोस्ट विभाग द्वारा शुरु किए गए मेघदूत पोस्टकार्ड के माध्यम का उपयोग किया गया ।

मेघदूत पोस्टकार्ड क पृष्ठ अर्ध भाग पर प्रदर्शित विज्ञापन एक सोशियल मार्केटिंग टूल के तौर पर गुजरात क ग्राम्य विस्तारों में सर्व शिक्षा अभियान एवं एनपीईजीईएल के लक्ष्यों को सिद्ध करने के लिए बहुत ही असरदार साबित हुए है ।

८.९ ई.एफ.ए. सप्ताह उत्सव

ईएफए सप्ताह उत्सव के लिए एक राज्यव्यापी रेडियो केम्पेइन आकाशवाणी के माध्यम से किया गया । ऑल इण्डिया रेडियो द्वारा स्कूलों में वच्चों के सार्वत्रिक नामांकन एवं स्थायीकरण को प्रोत्साहन देने के लिए बनाए गए ३० सेकण्ड के स्पोट को लगातार ५ दिन तक २६ से ३० अप्रैल, २००५ को शाम के ७:१० के प्रादेशिक समाचारों के वाद प्रसारित किया गया ।

गुजरात के सभी जिलों में तालुका एवं क्लस्टर स्तर पर ईएफए केम्पेइन के बारे में जनजागृति पेदा करने तथा उसके लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए जुलूस निकाले गए ।

८.१० कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी को विकसित करने के लिए मीडिया वर्कशोप

बच्चों के नामांकन एवं स्थायीकरण को वढ़ावा देने के लिए कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी विकसित करने के लिए एक राज्य स्तरीय वर्कशोप यूनिसेफ के सहयोग से अप्रैल, २००५ में अहमदाबाद के होटल ताज रेसिडेन्सी में आयोजित किया गया, जिसमें चुनिंदा डिस्ट्रिक्ट, बी आर सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डिनेटर्स तथा वीईसी, एमटीए एवं पीटीए के सभ्यों ने हिस्सा लिया । अहमदाबाद के दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के प्रोग्राम एक्जेक्यूटिव्स ने तजज्ञता प्रदान की ।

प्रकरण - ९
मेनेजमेन्ट इन्फर्मेशन सिस्टम

९.० मेनेजमेन्ट इन्फर्मेशन सिस्टम

एस.एस.ए., एन.पी.ई.जी.ई.एल. तथा डीपीईपी को गुजरात में कम्प्युटराइज्ड सूचना व्यवस्था के जरिए नियंत्रित किया गया, जिससे परियोजना के विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति तथा वित्तीय खर्च का असरदार ढंग से नियमन किया जा सके और निगरानी रखी जा सके ।

परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार डिस्ट्रिक्ट इन्फर्मेशन सिस्टम ऑफ एज्युकेशन (डायस) सोफ्टवेर पेकेज का प्रयोग किया गया । डायस द्वारा बुनियादी जानकारी प्रदान की जाती है जिसे कार्यक्रम के पहलूओं और शैक्षिक कार्यों के आयोजन में उपयोग किया जाता है । अपेक्षित परिणामों और आर्थिक प्रवृत्तियों के आयोजन की सूचना से आयोजकों और अमलकर्ताओं को कार्यक्रम की असरकारता और प्रभावों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है ।

एसएसए तथा डीपीईपी के तहत स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस और डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ऑफिसीस में मेनेजमेन्ट इन्फर्मेशन सिस्टम सेल क्रियान्वित किये गये है, जिन्हें पर्याप्त साधनों, सुविधाओं और मानवबल से संपन्न किया गया है ।

९.१ २००५ - ०६ में एम.आई.एस.

सर्व शिक्षा अभियान मिशन, एन.पी.ई.जी.ई.एल. एवं के.जी.बी.वी. के लिए वर्ष के दौरान एम.आई.एस. द्वारा मुख्यतः निम्नदर्शित प्रवृत्तियाँ की गई :

- एस.एस.ए. मिशन के वर्ष २००६ - ०७ के लिये एन्युअल वर्क प्लान और बजट तैयार किये गये ।
- कार्यालय के दैनिक कार्यों में कम्प्युटरों के उपयोग के लिए राज्य और जिला एमआईएस कर्मचारियों द्वारा बीआरसी कोऑर्डिनेटर्स को निरंतर सहयोग दिया गया ।
- डी.आई.एस.ई. (डायस) सिस्टम को सभी जिलों में अमली बनाया गया।
- राज्य तथा जिला स्तर पर डायस के अमलीकरण के लिये श्रृंखलाबद्ध कार्यशिविरों का आयोजन किया गया ।
- डायस डेटा रिपोर्ट (२००५-२००६) सभी जिलों के लिए तैयार किया गया और भारत सरकार को भेजा गया । साथ ही परियोजना कर्मचारियों के साथ जिला, राज्य और ब्लोक स्तर पर वितरित किया गया ।

- स्कूल रिपोर्ट कार्ड तैयार किए गए जिन्हें सभी स्कूलों में वितरित किया गया ।
- स्टेट प्राजेक्ट ऑफिस का वेबसाइट तैयार किया गया जिसका पता है : www.ssamgujarat.org

९.२ कम्प्युटर एइडेड एज्युकेशन प्रोग्राम

- कम्प्युटर एइडेड एज्युकेशन प्रोग्राम का अमल ८१० उच्चतर प्राथमिक स्कूलों में किया गया ।
- इन्टेल द्वारा इन ८१० स्कूलों के हेड मास्टरों का कम्प्युटर ट्रेनिंग दी गई ।
- इन्टेल द्वारा ८१० शिक्षकों को कम्प्युटर साक्षरता की १० दिवसीय तालीम दी गई ।
- इस कार्यक्रम के तहत चुनिंदा ८१० सी.आर.सी. पर कम्प्यूटर लेब्स स्थापित किए गए, जिन्हें ५ कम्प्यूटर एवं १ प्रिन्टर दिया गया ।
- विद्यार्थियों को पढ़ाने में आसानी हो इस हेतु स्थानिक साधन सामग्री स टीएलएम के निर्माण के लिए शिक्षकों को तालीम देने के लिए **टीएलएम ट्यूटर सीडी** भाग १ और २ को विकसित किया गया ।
- कक्षा ५, ६ और ७ के लिए गुजराती भाषा में ९ मल्टी मीडिया सीडी का एक सेट तैयार किया गया ।
- इस कार्यक्रम को डिस्ट्रिक्ट एमआईएस कोऑर्डिनेटर्स तथा अझीम प्रेमजी फाउण्डेशन के स्टेट कोऑर्डिनेटर्स द्वारा मोनीटर किया जा रहा है ।
- ९२५ मॉडल क्लस्टर स्कूलों को कम्प्यूटर प्रदान किए गए ।
- इन्टेल के सहयोग से शिक्षा में टेक्नोलोजि के उपयोग के विषय में शिक्षकों के लिए एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

९.३ विलेज / वोर्ड एज्युकेशन रजिस्टर (वीईआर/डबल्यूईआर) का कम्प्युटराइझेशन

- वीईआर / डबल्यूइआर को कम्प्यूटराइझ किया गया है ।
- तालुका / जिलों के बुनियादी डेटा को संदर्भित तालुकों / जिलों में लगाया गया है ।

प्रकरण - १०
प्लानिंग एण्ड मेनेजमेन्ट

१०.० वर्ष २००५ - २००६ के लिये वार्षिक कार्ययोजना और बजट की तैयारी

वर्ष २००५ ०६ के लिये वार्षिक कार्ययोजना और बजट ग्राम्य समुदाय स्तर से जिला स्तर के सहयोग से सहभागितापूर्ण प्रक्रिया द्वारा तैयार किया गया । जिला और ब्लोक स्तरों पर किए गए सूक्ष्म आयोजन और विभिन्न अभ्यासों का लेखा आयोजन को तैयार करने में लिया गया । व्यूहरचना के निर्माण में डायस के आंकड़ों उपयोग किया गया ।

१०.१ पी. एण्ड एम. के मुख्य क्रिया-कलाप

वर्ष २००५-०६ की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट को गुजरात में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण के मुख्य निम्नदर्शित क्रिया कलापों के आधार पर बनाया गया ।

- वार्षिक आयोजन में वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली को मज़बूत करने के कार्य को प्राथमिकता दी गई । स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों को समाविष्ट करने के लिए आधार स्तर पर वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों को खोलने एवं चलाने के लिए गैरसरकारी संस्थानों को प्रोत्साहन देना ।
- गणनापात्र मौसमी स्थानांतरवाले जिलों में माता-पिता के साथ स्थानांतर करनेवाले बच्चों को मुख्य प्रवाह में लाने के लिए ब्रीज कोर्स प्रोग्राम लागु किया गया ।
- दुर्गम एवं कठिन विस्तारों में पिछड़े एवं लघुमति जूथ की कन्याओं को सहुलत प्रदान करने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना एक महत्वपूर्ण अंग है ।
- समुदायों की सहभागिता और सहयोग प्राप्त हो, इस हतु तीनों जिलों में जागृति मुहिम को और तेज किया गया । विगत अनुभवों के आधार पर अभिप्रेरण व्यूहरचनाओं में सुधार लाया गया। इस वर्ष के वार्षिक आयोजन में स्थायीकरण और गुणात्मक सुधार पर ज्यादा ध्यान दिया गया।
- वस्तुआधारित शिक्षण प्रणाली, जिसे डायट और जी.सी.ई.आर.टी. द्वारा नियमित प्रशिक्षण के भागरूप नहीं लिया जाता, एक अन्य क्षेत्र है जिसे अध्यापनविद्या में सुधार का अंग समझकर इस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा ।
- शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए डायट, बीआरसी और सीआरसी के क्षमता निर्माण पर भार ।
- मकानों की मरम्मत के बाद निर्माण कार्यो का मुख्य केन्द्रबिंदु वर्गखंडों और भवनों के निर्माण पर रहा जो कि बिल्डिंग - एझ - लर्निंग एइड (बाला) एप्रोच के तहत अध्ययन की सुविधा प्रदान करती है ।

- आई.ई.डी. और ई.सी.ई. के संसाधनों के मजबूतीकरण के साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकरों के लिये माडयूल्स, प्रशिक्षण किट और विभिन्न प्रकार की विकलांगताओं के लिए सहाय और साधन हस्तगत करवाये जाएँगे ।

१०.२ माइक्रोप्लानिंग

माइक्रोप्लानिंग की तालीम को कास्कड मोड़ में बीआरसी, सीआरसी एवं स्कूल स्तर पर आयोजित किया गया। अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सुरत के म्युनिसिपल कार्पोरेशन के विस्तारों के सभी सीआरसी कोओर्डिनेटर्स को प्रशिक्षित किया गया। समुदायों के समर्थन से स्कूल तथा ग्राम स्तर पर अनुमापन कवायत की गई। डीपीईपी तथा एसएसए के तहत विलेज एज्युकेशन रजिस्टर सभी जिलो में निभाये जाते है।

१०.३ मोनीटरिंग और सुपरविझन

सर्व शिक्षा अभियान के गुणात्मक एवं गणनात्मक आयामों के मोनीटरिंग तथा सुपरविझन के लिये एन.सी.ई.आर.टी. तथा एन.आई.ई.पी.ए. द्वारा तैयार किये गये फार्मेट्स को गुजराती में अनुवादित किया गया तथा जिला, बीआरसी, सीआरसी तथा स्कूल स्तर पर वितरित किया गया। राज्य से ग्राम्य स्तर पर कास्केड मोड़ में प्रशिक्षण दिया गया है। कलस्टर स्तर पर वीईसी के सदस्यों को सर्व शिक्षा अभियान के स्कूल में मोनीटरींग तथा सुपरविझन के लिये नवसंस्कारित किया गया। मोनीटरींग और सुपरविझन के लिये मार्च २००६ अंतित त्रिमासिक अहवाल भारत सरकार को भेज दिया गया है।

१०.४ रिजियोनल रिसर्च इन्स्टिट्यूट्स फॉर एज्युकेशन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के राज्य स्तरीय अमलीकरण के मोनीटरिंग और सुपरविझन का जिम्मा सरदार पटेल ईन्स्टिट्यूट ऑफ सोश्यल एण्ड इकोनोमिक रिसर्च, अहमदाबाद तथा सेन्टर फोर एडवान्स्ड स्टडीस इन एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा को सौंपा गया है। इन दोनों रिजियोनल रिसर्च इन्स्टिट्यूट्स फोर एज्युकेशन द्वारा एसएसए जिलो में क्षेत्रीय प्रवास किया जाता है तथा भारत सरकार को इसका अहवाल पेश किया जाता है।

१०.५ संशोधन एवं मूल्यांकन

संशोधन अनुदान राज्य के सभी डायट्स को दिये जा चूके हैं। सभी बीआरसी तथा सीआरसी कोओर्डिनेटर्स को क्रियात्मक संशोधन के विषय में प्रशिक्षण दिया जा चूका है। ३ संशोधन अभ्यास पूर्ण हो चूके है, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर की कार्यशिबिर में पेश किया गया था। राज्य में वर्ष २००५ - २००६

के दौरान प्रत्येक डायट द्वारा ३० संशोधन अभ्यास किये गये ।

एसएसए के लिये बेस लाइन एसेसमेन्ट सर्वे, पसंद किये गये ४ जिलों के २०० स्कूलों में संपन्न किया गया, जिसमें एन. एम. सद्‌गुरु वॉटर एण्ड डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन, दाहोद, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी, अहमदाबाद तथा सी.ए.एस.ई., फेकल्टी ऑफ एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा शामिल थे ।

१०.६ एसएसए में संशोधन एवं अभ्यास की भूमिका

एसएसए के अमलीकरण में संशोधन की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है । एसएसए के तहत राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर विविध विषयों पर अभ्यास किए गए है, जैसे की विविध कार्यक्रमों की असरकारकता के विषय में प्रतिपूर्ति देना, अमलवारी की समस्याओं को उजागर करना तथा उन्हें दूर करने के लिए असरदार उपाय सूचित करना ।

१०.७ गुजरात में एसएसए के तहत संशोधन और अभ्यास

गुजरात में एसएसए के तहत वर्ष २००५-०६ के दरम्यान विविध संस्थाओं को कुल ४२ संशोधन अभ्यास सौंपे गए । ईन में से ३२ संशोधन अभ्यास पूर्ण हो चूके है जिनके प्रथम ड्राफ्ट प्राप्त भी हो चूके है जबकि अन्य प्रगति में है । किए गए संशोधन अभ्यास इस प्रकार है :

१) सरकारी एवं निजी स्कूलों के शिक्षकों का तुलनात्मक अभ्यास ।

२) आदिवासी विस्तारों के प्राथमिक स्कूलों का व्यवस्थापन ।

३) गुजरात में डीपीईपी / एसएसए द्वारा निर्मित प्रशिक्षा सामग्री की वर्गखंड में अध्यापन अध्ययन प्रक्रिया में उपयोगीता ।

४) बहुश्रेणीय शिक्षा के विषय में शिक्षकों को दी गई तालीम के असर का सघन मोनीटरिंग ।

५) गुणवत्ता सुधार में सीआरसी एवं बीआरसी की भूमिका ।

६) क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर की असरकारकता : एक मूल्यांकन ।

७) गुजरात की स्कूलों में नए पाठ्यक्रम में लैंगिक मुद्दों का संवेदीकरण ।

८) प्राथमिक स्कूलों पर क्षेत्रीय एवं स्थानिक अर्थतंत्र, पर्यावरण और सामाजिक परिवेषका असर ।

९) लैंगिक मुद्दों का स्कूल एवं वर्गखंड की प्रवृत्ति पर असर ।

१०) प्रायमरी स्कूलों के हेड मास्टरों की समय व्यवस्थापन की पणालीओं का अभ्यास ।

११) गुजरात में स्कूलों के व्यवहारु कौशल्यों का अभ्यास ।

१२) शिक्षक प्रशिक्षण का विद्यार्थियोंकी हाजरी और सिद्धि पर असर ।

१३) वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों एवं बालमित्रों की स्थिति ।

१४) एसएसए के अमल के दौरान डीपीसी, बीआरसी, सीआरसी, आईसी टीटी और जेन्डर तथा शिक्षकों द्वारा पायी गई समस्याओं ।

१५) एसएसए परियोजना तथा उसका अमल के बारे में बीईसी, एमटीए, पीटीए के विचार ।

१६) वर्ग की विद्यार्थी संख्या का तथा औसत हाजरी का उनके स्थायीकरण एवं सिद्धि पर असर ।

१७) विद्यार्थियों की सिद्धि पर असर करनेवाले स्कूल तथा घर सम्बन्ध पहलू ।

१८) सरकारी और निजी स्कूलों में भौतिक और सहअभ्यासिक पर्यावरण का तुलनात्मक अभ्यास ।

१९) स्थानांतर करनेवाले परिवारों के स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों का अभ्यास : कारण और उपाय ।

२०) ब्रीज / कन्डेन्स कोर्स की उपयोगिता एवं असर ।

२१) शिक्षक ग्रान्ट का टीएलएम निर्माण में उपयोग ।

२२) डीपीईपी का बच्चों के नामांकन तथा हाजरी पर असर ।

२३) एसएसए के तहत विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा योजना का असर ।

२४) वडोदरा म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तार की स्कूलों की शिक्षिकाओं के सोच का अभ्यास ।

२५) एसएसए के तहत ईसीसीई का मूल्यांकन ।

२६) बीआरसी, सीआरसी एवं डायट द्वारा दिए गए शैक्षिक अनुसमर्थन की असरकारकता ।

२७) वंचित जूथों के बच्चों के स्थायीकरण तथा सिद्धि स्तर को सुधारने में परिवार, समुदाय और स्कूल पहलूओं की भूमिका ।

२८) एसएसए जिलों की स्कूलों में वर्गखंड अवलोकन ।

२९) वंचित जूथों के बच्चों के नामांकन एवं स्थायीकरण पर मुफ्त पाठ्यपुस्तक वितरण का असर तथा शिक्षकों, माता-पिताओं का संतोष ।

३०) प्राथमिक स्कूलों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की कन्याओं के अल्प नामांकन तथा उच्च दर का अभ्यास ।

३१) शिक्षक प्रशिक्षण का वर्गखंड में प्रवृत्ति आधारित अध्यापन - अध्ययन प्रक्रिया पर असर ।

३२) गुजरात के शिक्षा अधिकारीओं की पसंद की भूमिका का अभ्यास ।

३३) शिक्षकों की लैंगिक संवेदनशीलता का अभ्यास ।

३४) टीएलएम प्रकारों का पृथक्करण तथा विद्यार्थियों द्वारा उनका उपयोग ।

३५) एसएसए/डीपीईपी द्वारा आयोजित नवाचारी कार्यक्रमों की सामाजिक जागृति फैलाने में भूमिका ।

३६) बच्चों के स्कूल छोड़ जाने के कारण तथा वैकल्पिक शिक्षा प्रक्रिया का अभ्यास ।

३७) डिस्ट्रिक्ट केम्प द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति ।

३८) वर्गखंड में टीएलएम के उपयोग होने तथा न होने का तुलनात्मक अभ्यास ।

३९) प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की नियमित हाजरी का अभ्यास ।

४०) गुजरात में बच्चों के जन्मदर एवं नामांकनदर का तुलनात्मक अभ्यास ।

४१) शिक्षकों को दिए गए लैंगिक संवेदीकरण प्रशिक्षण तथा उनके व्यवहार और रुझान में उनकी असरकारकता का अभ्यास ।

४२) गुजरात के एनपीईजीईएल तालुकों मे कन्याओं की वास्तविक सहभागिता, नियमित हाजरी, अध्ययन स्तर एवं अध्यापन प्रणालीओं के फर्क का अभ्यास ।

१०.८ रिसर्च एवं इवेल्यूएशन कोओर्डिनेटर्स की राष्ट्रीय बैठक तथा कार्यशिविर

विविध राज्यों के रिसर्च एवं इवेल्यूएशन कोओर्डिनेटर्स की द्वितीय राष्ट्रीय बैठक तथा कार्यशिविर ८ से १० मार्च, २००६ को अहमदाबाद में आयोजित की गई । इसे भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा एडसील के एसएसए के टेक्नीकल सपोर्ट गृप के रिसर्च इवेल्यूएशन एवं स्टडी युनिट (रेसु) के सहयोग से आयोजित किया गया था । इसका मुख्य उद्देश्य था वर्ष २००४ - ०५ और २००५ - ०६ के दौरान किए गए संशोधन एवं अभ्यास की समीक्षा करना तथा सर्व शिक्षा अभियान के आयोजन एवं अमलीकरण के लिए उनका उपयोग करना । इस बैठक को कार्यशिविर के साथ जोड़ा गया था जिसमें संशोधन की आवश्यकताओं की पहचान करना तथा योग्य संस्थाओं का अभ्यास सोंपना जैसे विषयों पर ध्यान केन्द्रित किया गया था ।

इस बैठक में १४ राज्यों के २१ प्रतिभागियों तथा एडसील के टीएसजी के रेसु के ३ तजज्ञों ने भाग लिया । उपरांत गुजरात युनिवर्सिटी एवं केस, एम.एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा के शिक्षा विभाग के सदस्यों ने विशेष आमंत्रितों के तौर पे भाग लिया । अझीम प्रेमजी फाउण्डेशन के प्रतिनिधियों द्वारा गुजरात में किए गए क्रिया-कलापों पर प्रेझन्टेशन दिया गया ।

१०.९ एसएसए के तहत प्रारंभिक शिक्षा के गुणवत्ता पहलूओं के मोनीटरिंग के लिए वेस्टर्न झोन रिझियोनल वर्कशोप

एसएसए के तहत प्रारंभिक शिक्षा के गुणवत्ता पहलूओं के मोनीटरिंग के लिए वेस्टर्न झोन रिझियोनल वर्कशोप जनवरी ९ और १०, २००६ को गांधीनगर के सेकण्डरी टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टिट्यूट में आयोजित किया गया । इस वर्कशोप को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, एनसीईआरटी एवं गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद् द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित किया गया ।

सुश्री रिचा शर्मा, डेप्यूटी सेक्रेटरी, ईई एन्ड एल, एम.एच.आर.डी., एनसीईआरटी के प्रो. के. के. वशिष्ठ, प्रो.संध्या परांजपे और कु.रीमा राजपाल, आरआईई, भोपाल के श्री शरद कुमार, डो.एस. के. गुप्ता और डो.रामाकर रायजादा तथा गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के तजज्ञोंने हिस्सा लिया ।

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

एसएसए मिशन के अंतर्गत आईईडीसी योजना में श्रवणक्षतिवाले बच्चों को श्रवण सहायक साधन दिए जाते है । चित्र में भरूच जिले के वागरा केन्द्र में ग्रूपहीयरिंग सिस्टम पर तालीम पा रहे बच्चों को दर्शाया गया है ।

एसएसए मिशन के आईईडीसी घटक के तहत विकलांग बच्चों की विकलांगता की मात्रा के अनुमापन का विशेष महत्व है । चित्र में जिला स्तर पर एसेसमेन्ट केम्प के दौरान श्रवणक्षतिवाले बच्चे की विकलांगता का अनुमापन दिखाया गया है ।

अहेमदाबाद के अंधजन मंडल के सहयोग से एम.पी.भोज युनिवर्सिटी द्वारा शिक्षकों को विशेष तालीम दी जा रही है । चित्र में डो.भूषण पुनानी, अंधजन मंडल के निर्देशक द्वारा प्रशिक्षण पा रहे विशेष शिक्षकों को दर्शाया गया है ।

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

एसएसए में आईईडीसी के तहत अस्थि विषयक विकलांगतावाले बच्चों को व्हिल चैर दी जा रही है । चित्र में व्हिल चैर में बैठी कन्या को भी इस का लाभ प्राप्त हुआ है ।

गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय अंधजन दिवस का उत्सव राज्य, जिला, ब्लोक एवं क्लस्टर स्तर पर मनाया जाता है । चित्र में आणंद जिलें के एक बीआरसी पर निकाले गए जुलूस को दिखाया गया है ।

स्कूलों में रेम्प बनाने से विकलांग बच्चों के नामांकन में खासा बढ़ावा हुआ है । एसएसए मिशन द्वारा एक स्कूल में बनाए गए रेम्प का एक दृश्य ।

निर्माण कार्य

साबरकांठा जिले के ग्राम धारोद में ग्रामीण परिवेश में निर्मित एक अतिरिक्त वर्गखंड का दृश्य ।

पाटण जिले के हारिज वीआरसी केन्द्र का दृश्य जिसे डीआरएस से सुसज्ज किया गया है ।

बनासकांठा जिले के दांता तालुके के ग्राम वीरपुर के प्राथमिक स्कूल में पेय जल सुविधा का उपयोग करते हुए बच्चे ।

निर्माण कार्य

गुजरात में एनपीईजीईएल के तहत निर्मित एक मोडल क्लस्टर स्कूल का चित्र । यह स्कूल कन्या शिक्षा के लिए आदर्श सहुलते और स्थिति प्रदान करता है ।

इस चित्र में जूनागढ़ जिले के एक प्राथमिक स्कूल में मध्याहन भोजन योजना के तहत निर्मित एक किचन शेड को दिखाया गया है ।

साबरकांठा जिले के वडाली सीआरसी भवन का दृश्य जिसे एसएसए के तहत बनाया गया है ।

निर्माण कार्य

यह दृश्य है सर्व शिक्षा अभियान मिशन द्वारा भावनगर जिले के शिहोर तालुके के ग्राम ईश्वरिया में निर्मित नए स्कूल भवन का।

सर्व शिक्षा अभियान मिशन द्वारा मेहसाणा जिले के हनुमाननगर में निर्मित शौचालय का एक दृश्य।

सुरेन्द्रनगर जिले के एक स्कूल में नवाचार के तौर पे कम्पाउन्ड वोल को अध्ययन सहायक साधन की तराह उपयोग में लिया जा रहा है।

प्रवेशोत्सव

आई.पी.एस. एवं आई.ए.एस. सहित राज्य के सभी श्रेयान अधिकारियोंने आधार स्तर पर जनसहयोग प्राप्त करने के लिए प्रवेशोत्सव में भाग लिया । चित्र में गांधीनगर जिले के कलोल स्थित एक स्कूल में नवनामांकित कन्या का स्वागत करते हुए एक आई.पी.एस. अधिकारी दिख रहे है ।

कन्या केलवणी रथयात्रा अल्प महिला साक्षरतावाले सभी गांवो में निकाली गई । चित्र में अहमदाबाद के रेलवेपुरा के एक शहरी झोंपडपट्टी विस्तार में उंटगाडी द्वारा आयोजित जुलूस को दिखाया गया है ।

दाहोद जिले के गललियावाड़ के ग्रामीण परिवेशमें आयोजित प्रवेशोत्सव का एक विशेष चित्र ।

एनपीईजीईएल के तहत कन्याओं को व्यवसायिक तालीम दी जाती है ताकि वे अपने परिवारों की आर्थिक मदद कर सके । सुरेन्द्रनगर जिलें के सापर स्थित मोडल क्लस्टर स्कूल पर व्यवसायिक तालीम पा रही कन्याओं का दृश्य ।

एनपीईजीईएल के तहत सुरेन्द्रनगर जिले के सायला स्थित मोडल क्लस्टर स्कूल पर रचनात्मकता विकास प्रतिस्पर्धा में भाग लेती कन्याओं का चित्र ।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना के तहत स्वरक्षा का प्रशिक्षण ले रही बाल सखिओं का दृश्य ।

एस.एस.ए. के राष्ट्रीय एवं रिजियोनल वर्कशोप

रिसर्च एण्ड इवेल्यूएशन कोऑर्डिनेटर्स की द्वितीय राष्ट्रीय बैठक अहमदाबाद में ८ से १० मार्च, २००६ के दौरान आयोजित की गई। चित्र में डो. ए. बी. एल श्रीवास्तव, सुश्री मीना भट्ट, डो.डी. आर. शर्मा नजर आ रहे है।

सर्व शिक्षा अभियान में प्रारंभिक शिक्षा के गुणवत्ता के पहलू को मोनीटर करने के विषय में गांधीनगर में आयोजित रिजियोनल वेस्ट झोन वर्कशोप का एक दृश्य, जिसमें (बाएं से दाएं) सुश्री रिचा शर्मा, नायब सचिव, एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली, सुश्री मीना भट्ट, एस.पी.डी., गुजरात, श्री बी. बी. स्वैन, सचिव, प्राथमिक शिक्षा, गुजरात एवं डो. के. के. वशिष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा और साक्षरता विभाग के प्रभारी नजर आ रहे है।

वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था

अहमदाबाद के नवा वाड़ज स्थित शहरी झोंपडपट्टी के बच्चों को एक मंदिर में खोले गए वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र द्वारा पढ़ाया जा रहा है ।

अहमदाबाद जिलें के राणपुर स्थित सांकळीबाई कन्या शाला में बेक-टू-स्कूल कार्यक्रम के तहत खोले गए सिर्फ़ कन्याओं के वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र में प्रशिक्षण पा रही बाल सखीओं का द्रश्य ।

गुजरात में स्थानांतर करनेवाले माता-पिताओं के बच्चों की रेसिडेन्शियल केम्प द्वारा शैक्षिक सुविधा प्रदान की जाती है । वलसाड ज़िलें में सूत्रापाडा स्थित एक रेसिडेन्शियल केम्प का दृश्य ।

शिक्षक प्रशिक्षण

राज्य स्तर के अधिकारीओं द्वारा स्वरू मुलाकातों द्वारा बीआरसी एवं सीआरसी कोओर्डिनटर्स का मनोबल बढाया जाता है । इस चित्र में स्टेट टीचर्स ट्रेनिंग कोओर्डीनेटर श्री वी.जे.बाळंद नांदोद के एक स्कूल में निर्देशन पाठ दे रहे है ।

सुरेन्द्रनगर जिले के चोटीला सीआरसी के सामुदायिक नेताओं की तालीम का दृश्य जिसमें उन्हें एसएसए में उनकी भूमिका पर प्रशिक्षण दिया गया ।

बीआरसी स्तर पर सर्व शिक्षा अभियान में २०-दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण के पहलूओं पर नवसंस्करित होते सीआरसी कोओर्डिनेटर्स का चित्र ।

टेलिकोन्फरन्स और मिडीया

गुजरात में बीआरसी और सीआरसी कोओर्डिनेटर्स के क्षमता निर्माण के लिए टेलिकोन्फरन्स नियमित रुप से कि जाती है । स्टुडियो के अध्यापन छोर पर सुश्री मीना भट्ट, एसपीडी, वीईसी, एमटीए, पीटीए का नवसंस्करण करती हुई नजर आ रही है ।

कन्या शिक्षा के गुणवत्ता पहलू के विषय पर आयोजित टेलिकोन्फरन्स के पेनेलिस्टस का दृश्य : (बाएं से दाएं) सुश्री मीना भट्ट, एसपीडी, श्री हेमन्त शुक्ला, ओआईसी मीडिया और डीईसी, सुश्री तृप्ति शेठ, ओआईसी जेन्डर तथा डो.सुचेता जसराय, प्रोजेक्ट ओफिसर, यूनिसेफ ।

बच्चों के नामांकन और स्थायीकरण को बढावा देने के लिए कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी बनाने के लिए अहमदाबाद में आयोजित राज्य स्तर के कार्यशिविर में जूथकार्य को देखते हुए सुश्री मीना भट्ट, एसपीडी और श्री जी.एस.गुलाटी, कम्युनिकेशन ओफिसर, यूनिसेफ ।

प्रकरण - ११
निर्माण कार्य

११.० एसएसए के तहत निर्माण कार्य

नामांकन वृद्धि और ऐसी ही कुछ अन्य प्रोत्साहक प्रवृत्तियों के परिणाम स्वरूप विद्यालयों में नामांकन में कई गुना वृद्धि हुई है। नामांकन में हुई इस तीव्र वृद्धि के कारण प्रवर्तमान शिक्षा सुविधाएं अपर्याप्त होने लगी हैं । इस परिस्थिति से निपटने के लिए, नए विद्यालयों का निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंडों, लड़कियों के लिए अलग शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, जैसे कई जरूरी कार्यों को एसएसए के तहत जीसीपीई ने अपने हाथ में लिया है। परियोजना जिलों की प्राथमिक शालाओं में इन क्रिया कलापों से समग्र अध्यापन वातावरण में निश्चित विकास हाँसिल हुआ है ।

जिला परियोजना इकाईयों द्वारा वी.सी.डब्ल्यू.सी. और स्थानिक समुदायों के समर्थन से निर्माण कार्य एसएसए के तहत किये गये । गुजरात के २५ जिलों तथा ४ म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारों में नयी स्कूलों के निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंड, भवनहीन स्कूलों के मकान, हेडमास्टर रूम शौचालयों, पेशाब घर, कम्पाउन्ड वोल, ब्लोक रिसोर्स भवन, क्लस्टर रिसोर्स भवन तथा मरामत के काम किये गये ।

११.१ सी.आर.सी. बिल्डिंग एवं कम्पाउन्ड वोल

एसएसए के तहत सी.आर.सी. बिल्डिंग एवं कम्पाउन्ड वोल का निर्माण काफी जोशोखरोश से शुरु किया गया । लक्षित ३५१ सी.आर.सी. बिल्डिंग में से कुल ३०६ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि ४३ कार्य प्रगति में है । लक्षित १८३८ कम्पाउन्ड वोल में से कुल १८२६ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि १२ कार्य प्रगति में है । इसका जिलावार विवरण नीचे दिया है :

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदाबाद	३९	३०	०	२०	२०	०
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	०	०	०	०	०	०
३.	अमरेली	४३	४३	०	८	७	०
४.	आणंद	७३	७३	०	१०	८	१
५.	बनासकांठा	१०	१०	०	३०	२७	३
६.	भरूच	४३	४२	१	१६	१६	३
७.	भावनगर	६३	५७	६	०	०	०
८.	दाहोद	०	०	०	२०	२०	०
९.	डांग	०	०	०	०	०	०
१०.	गांधीनगर	२७	२७	०	२०	१८	२

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
११.	जामनगर	९०	९०	०	०	०	०
१२.	जूनागढ़	१९०	१८९	१	१०	१०	०
१३.	खेडा	५६	५६	०	१४	१३	१
१४.	कच्छ	१२७	१२७	०	१९	१४	५
१५	मेहसाणा	६८	६८	०	१३	१३	०
१६.	नर्मदा	४६	४६	०	६	४	१
१७.	नवसारी	१७८	१७५	३	५	२	३
१८.	पंचमहाल	५०	५०	०	३०	२८	२
१९.	पाटण	६९	६९	०	१७	१३	४
२०.	पोरबंदर	१५	१५	०	२	२	०
२१.	राजकोट	१२४	१२४	०	१२	११	१
२२.	राजकोट कोर्पो.	०	०	०	३	२	१
२३.	साबरकांठा	२०४	२०४	०	१३	१०	२
२४.	सुरत	१३२	१३२	०	३२	२४	८
२५.	सुरत कोर्पो.	०	०	०	०	०	०
२६.	सुरेन्द्रनगर	१००	१००	०	०	०	०
२७.	वडोदरा	८५	८५	१	३०	२८	२
२८.	वडोदरा कोर्पो.	०	०	०	२	१	०
२९.	वलसाड	५	५	०	२०	१५	५
	कुल	१३६८	१३५६	१२	३५१	३०६	४३

११.२ अतिरिक्त वर्गखंड एवं नए स्कूल भवन

एसएसए के तहत अतिरिक्त वर्गखंड एवं नये स्कूल भवन का निर्माण किया गया । लक्षित २१८६ अतिरिक्त वर्गखंड में से कुल १८६९ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि ३०७ कार्य प्रगति में है । लक्षित १६ नए स्कूल भवन में से कुल १३ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि ३ कार्य प्रगति में है । इसका जिलावार विवरण नीचे दिया है :

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदाबाद	८५	८५	०	१	१	०
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	२२	०६	१६	०	०	०
३.	अमरेली	९३	८२	११	०	०	०
४.	आणंद	७५	५४	२१	०	०	०
५.	बनासकांठा	१९०	१७६	१४	०	०	०
६.	भरूच	५४	४७	७	०	०	०
७.	भावनगर	१३७	५३	८३	०	०	०
८.	दाहोद	१२०	११९	१	८	८	०
९.	डांग	४०	२८	१२	०	०	०

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१०.	गांधीनगर	६४	५४	१०	०	०	०
११.	जामनगर	६८	६५	३	५	३	२
१२.	जूनागढ़	७७	७७	०	०	०	०
१३.	खेडा	११०	१०८	२	०	०	०
१४.	कच्छ	५२	५२	०	०	०	०
१५.	मेहसाणा	७५	६६	९	०	०	०
१६.	नर्मदा	४०	२८	१२	०	०	०
१७.	नवसारी	०४	०४	०	०	०	०
१८.	पंचमहाल	१२५	११९	६	०	०	०
१९.	पाटण	७३	७१	०२	०२	०१	०१
२०.	पोरबंदर	३६	३५	०१	०	०	०
२१.	राजकोट	९१	८७	०४	०	०	०
२२.	राजकोट कोर्पो.	१३	०४	०	०	०	०
२३.	साबरकांठा	१२५	१०४	२१	०	०	०
२४.	सुरत	१७२	८६	१६	०	०	०
२५.	सुरत कोर्पो.	०	०	०	०	०	०
२६.	सुरेन्द्रनगर	७८	७४	०४	०	०	०
२७.	वडोदरा	१२२	११०	१२	०	०	०
२८.	वडोदरा कोर्पो.	१०	०२	०८	०	०	०
२९.	वलसाड	१०५	७३	३२	०	०	०
	कुल	११८६	१८१९	३०७	१५	१३	२

११.३ पेय जल सुविधा एवं शौचालय

एसएसए के तहत पेय जल सुविधा एवं शौचालय का निर्माण किया गया। लक्षित ८९० पेय जल सुविधा में से कुल ८७३ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि ९ कार्य प्रगति में है। लक्षित १२५२ शौचालय में से कुल १२२३ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि २८ कार्य प्रगति में है। इसका जिलावार विवरण नीचे दिया है :

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदाबाद	१०	१०	०	१०	१०	०
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	२५	१५	५	२५	१८	४
३.	अमरेली	१५	१५	०	५०	४८	२
४	आणंद	६०	६०	०	५५	५४	१
५.	बनासकांठा	२०	२०	०	४०	४०	०
६.	भरूच	४५	४५	०	१६	१६	०
७.	भावनगर	१००	९६	४	७५	७०	५

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
८.	दाहोद	०	०	०	३०	३०	०
९.	डांग	२०	२०	०	३१	२५	६
१०.	गांधीनगर	१०	१०	०	०	०	०
११.	जामनगर	५०	५०	०	५०	५०	०
१२.	जूनागढ़	५०	५०	०	५०	५०	०
१३.	खेडा	१००	१००	०	१००	१००	०
१४.	कच्छ	५०	५०	०	१००	१००	०
१५.	मेहसाणा	३०	२९	०	७०	७०	०
१६.	नर्मदा	५	५	०	५०	५०	०
१७.	नवसारी	१५	१५	०	६५	६०	५
१८.	पंचमहाल	२५	२५	०	१०४	१०४	०
१९.	पाटण	२०	२०	०	२०	२०	०
२०.	पोरबंदर	१०	१०	०	३१	३१	०
२१.	राजकोट	३०	३०	०	३०	३०	०
२२.	राजकोट कोर्पो.	१०	८	०	१५	१२	३
२३.	साबरकांठा	२५	२५	०	२०	२०	०
२४.	सुरत	५०	५०	०	५०	५०	०
२५.	सुरत कोर्पो.	०	०	०	०	०	०
२६.	सुरेन्द्रनगर	५०	५०	०	५०	५०	०
२७.	वडोदरा	५०	५०	०	६०	६०	०
२८.	वडोदरा कोर्पो.	५	५	०	५	५	०
२९.	वलसाड	१०	१०	०	५०	५०	०
	कुल	**८९०**	**८७१**	**१**	**१२५२**	**१२२१**	**२६**

११.४ एनपीईजीईएल अतिरिक्त वर्गखंड

एनपीईजीईएल के तहत परियोजना जिलो में अतिरिक्त वर्गखंड का निर्माण किया गया । लक्षित २०० अतिरिक्त वर्गखंडों में से कुल १६८ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि ३२ में कार्य जारी है । इसका जिलावार विवरण नीचे दिया गया है :

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदाबाद	१२	१२	०
२.	अमरेली	०	०	०
३.	आणंद	१	१	०
४.	बनासकांठा	०	०	०
५.	भावनगर	१०	०	१०
६.	दाहोद	३७	३७	०

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गीकरण		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
७.	गांधीनगर	०	०	०
८.	जामनगर	१	१	०
९.	जूनागढ़	३	३	०
१०.	खेडा	४	४	०
११.	कच्छ	५४	५४	०
१२.	मेहसाणा	५	०	५
१३.	नर्मदा	१०	१	९
१४.	नवसारी	०	०	०
१५.	पंचमहाल	३४	३०	४
१६.	पाटण	०	०	०
१७.	राजकोट	२	२	०
१८.	साबरकांठा	१७	१३	४
१९.	सूरत	०	०	०
२०.	सुरेन्द्रनगर	९	९	०
२१.	वडोदरा	१	१	०
	कुल	२००	१६८	१२

११.५ एनपीईजीईएल पेय जल सुविधा और शौचालय

एनपीईजीईएल के तहत परियोजना जिलो में पीने के पानी की सुविधाओं तथा शौचालय संकुलों का निर्माण किया गया । लक्षित १४२ पेय जल सुविधाओं में से कुल १३६ का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि ६ में कार्य जारी है । लक्षित १५२ शौचालयों में से कुल १४७ का निर्माण पूर्ण हो चूका है जबकि ५ में कार्य जारी है । इसका जिलावार विवरण नीचे दिया गया है .

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१.	अहमदाबाद	१२	१२	०	१२	१२	०
२.	अमरेली	०	०	०	०	०	०
३.	आणंद	१	१	०	१	१	०
४.	बनासकांठा	०	०	०	०	०	०
५.	भावनगर	१०	४	६	१०	४	६
६.	दाहोद	३३	३३	०	३७	३७	०
७.	गांधीनगर	०	०	०	०	०	०
८.	जामनगर	०	०	०	०	०	०
९.	जूनागढ़	३	३	०	३	३	०
१०.	खेडा	४	४	०	४	४	०
११	कच्छ	४२	४२	०	४१	४१	०
१२.	मेहसाणा	५	५	०	५	५	०
१३.	नर्मदा	०	०	०	०	०	०
१४.	नवसारी	०	०	०	०	०	०

क्रम	जिला	पेय जल सुविधा			शौचालय		
		लक्षित	पूर्ण	प्रगति में	लक्षित	पूर्ण	प्रगति में
१५.	पंचमहाल	४	४	०	१०	१०	०
१६.	पाटण	०	०	०	०	०	०
१७.	राजकोट	२	२	०	२	२	०
१८.	साबरकांठा	१७	१७	०	१७	१७	०
१९.	सुरत	०	०	०	०	०	०
२०.	सुरेन्द्रनगर	९	९	०	९	९	०
२१.	वडादरा	०	०	०	०	०	०
	कुल	१४२	१३६	६	१५२	१४७	५

प्रकरण : १२
अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन के सहयोग में नई परियोजनाए

१२.० अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन के सहयोग मे जी.सी.ई.ई. की नई पारियोजनाए

गुजरात प्रारंभिक शिक्षा परिषद ने अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन, बैंगलार के सहयोग में दो नवाचारी परियोजनाओं का पायलट के तौर पर इस वर्ष गुजरात में शुरु किया लर्निंग गेरन्टी प्रोग्राम (एल.जी.पी.) एवं कम्प्यूटर एइडेड लर्निंग प्रोग्राम (सी.ए.एल.पी.) । सर्व शिक्षा अभियान मिशन के गांधीनगर स्थित स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस में अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन की एक इकाई शुरु की गई, जिसमें एल.जी.पी. तथा सी.ए.एल.पी. के राज्य स्तर के कोआर्डीनेटर्स को नियुक्त किया गया ।

१२.१.१ लर्निंग गेरन्टी प्रोग्राम (एल.जी.पी.)

लर्निंग गेरन्टी प्रोग्राम को दो जिलों, साबरकांठा और बनासकांठा में प्रारंभित किया गया है, जिसके तहत स्वैच्छा से भाग लेनेवाले ५०० प्राथमिक स्कूलों को शामिल किया जाना है । इसके लिए बनाए गए पर्स्पेक्टिव प्लान के अनुसार यह द्विवर्षीय योजना सन - २००८ तक चलेगी जिसके प्रमुख उदेश्य इस प्रकार हैं :

(१) सरकारी स्कूलो के बच्चों की शैक्षिक सिध्धियों का आकलन इस प्रकार के मूल्यांकन द्वारा करना जिसमें परंपरागत स्मृति या रटण आधारित शिक्षा की तुलना में ज्ञान के ग्रहण, पृथ्थकरण तथा उपयोग का परिक्षण किया जाए ।

(२) स्कूलों के बच्चों की शैक्षिक सिध्धियों के विषय में प्रतिपूर्ति प्रदान करना ताकि स्कूलों एवं शैक्षिक कर्मियों को उपयुक्त क्रिया - कलाप तथा कार्य-योजना विकसित करने में सुविधा हो सके, जिसमें वर्गखंड प्रक्रियाओं में आमूल परिवर्तन भी शामिल है ।

(३) बच्चों की शैक्षिक सिध्धि के लिए स्कूलों, शिक्षकों एवं शिक्षाकर्मियों को जवाबदेही की निश्चित करना ।

(४) राज्य सरकार को परीक्षा विषयक सुधारों को अमल में लाने के लिए प्रेरित करना, जिसका मुख्य भार ज्ञान के ग्रहण, पृथ्थकरण तथा उपयोग की क्षमता के आकलन पर हो ताकि अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया में आवश्यक सुधार लाने के विषय में पहल की जाए ।

१२.१.२ लर्निंग गेरन्टी स्कूल के लिए मानक

इस परियोजना में समाविष्ट प्रत्येक स्कूल को लर्निंग गेरन्टी स्कूल कहा जाता है । समभागीता

एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों का चयन तीन मानकों पर किया जाता है - नामांकन (१०० %), हाजरी (नामांकित बच्चों में से ९० % की हाजरी ७५ % होना आवश्यक) तथा शिक्षा ग्रहण सिध्धि । क्षमता परीक्षण के दौरान ८० % अंक पानेवाले बच्चों के प्रतिशत के आधार पर स्कूलों को तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है, जैसे कि 'ए' (८०% बच्चोंवाले), 'बी' (७०% बच्चोंवाले) तथा 'सी' (६०% बच्चोंवाले) । जब तक यह सावित नहि होता कि हर बच्चा नामांकित है, नियमित रुप से उपस्थित रहता है तथा स्वतंत्र मूल्यांकन में उसने आवश्यक शैक्षिक सिध्धियां प्राप्त की हैं, तब तक कोई भी स्कूल यह दावा नहीं कर सकता कि उसने प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्रदान की है । इस प्रकार, सर्वभागी उत्कृष्टता ही मानक तय करने के लिए मुख्य निर्देशक है । इस कार्यक्रमने जान बूझकर ऐसे मानक नहि चूने कि जिनका निरपेक्ष मूल्यांकन संभव न हो या जो कि स्कूल के वश में न हो । प्रत्येक बच्चे की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए उसका मौखिक एवं लेखित परीक्षण किया जाता है ।

१२.१.३ वर्ष २००५-०६ मे एल.जी.पी. के क्रिया-कलाप

परियोजना के लिए आकलन साधनों की संरचना के लिए एक कोर एकेडेमिक ग्रुप बनाया गया, जिसमें शिक्षक, बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोऑर्डीनेटर्स, दोनों जिलों में टीचर ट्रेनिंग कोऑर्डीनटर्स तथा जिला शिक्षा और प्रशिक्षण भवन के अध्यापक शामिल हैं । गणित, पर्यावरण और गुजराती विषयों के लिए आकलन साधनों की संरचना की गई है ।

कार्यक्रम के विषय में नवसंस्करण प्रदान करने के लिए क्लस्टर तथा तालुका स्तर पर बैठकों का आयोजन किया गया । एज्युकेशनल इनिशियेटीव्झ, अहमदाबाद द्वारा आकलन साधनों के विषय में समय समय पर प्रतिपूर्ति देकर शैक्षिक अनुसमर्थन दिया जा रहा है ।

आकलन साधनों के विषय पर प्रथम कार्यशिविर ६ अक्तूबर, २००५ को आयोजित हुआ । इसके लिए शिक्षकों ध्वारा पूर्व से ही प्रश्नपत्र तैयार किये गए थे, जिन्हें कार्यशिविर में पेश किया गया, जिनमें से श्रेष्ठत्तम प्रश्नोका चयनकर पर्यावरण, गणित एवं गुजराती विषयों के लिए सभी कक्षाओं के लिए प्रश्नपत्रो के समूह तैयार किए गए ।

द्वितीय कार्यशिविर २३-२५ नवम्बर, २००५ को आयोजित हुआ, जिसमें प्रत्येक कक्षा की प्रत्येक क्षमता के लिए प्रश्नसमूह तैयार किये गए । महज ज्ञान हासिल करने के आगे उसकी समझ, उपयोग, पृथ्थकरण तथा वर्गखंड मे ग्रहण शिक्षा के संयोजन का परीक्षण करने के हेतु से इन प्रश्नों की रचना की गई है ।

तृतीय कार्यशिविर के दौरान द्वितीय कार्यशिविर में तैयार की गई विषयवस्तु का संपादन किया गया ।

चतुर्थ कार्यशिविर के दौरान इन प्रश्न समूहो के आधार पर आदर्श प्रश्नपत्र तैयार किए गए । ये प्रश्न बहुत ही सरल है जिन्हें प्रत्येक कक्षा की प्रमुख क्षमताओं पर परीक्षित किया जा रहा है।

प्रत्येक कक्षा के लिए लेखित परीक्षा की अवधि १२० मिनट तथा मौखिक परीक्षा की अवधि १५ मिनट है । साबरकांठा तथा बनासकांठा जिलों में जिला स्तर की बैठकों का आयोजन क्रमशः २३ एवं २७ मार्च, २००६ को किया गया, जिसमें सभी बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. को.ओर्डीनेटर्स ने हिस्सा लिया । इन बैठकों में प्रतिभागियों का एल.जी.पी. के लिए नवसंस्करण किया गया । सी आर.सी. काओर्डीनेटर्स ध्वारा कार्यक्रम में स्वैच्छिक भाग लेनेवाले स्कूलों को संदेशपत्र तथा पोस्टर्स का वितरण किया जाएगा । कार्यक्रम में शामिल होने के लिए, स्कूलों के आवेदन भेजने की अंतिम तारीख २ मे, २००६ थी ।

१२.२ कम्प्यूटर एईडेड लर्निंग प्रोग्राम (सी.ए.एल.पी.)

गुजरात के २५ जिलों के चुनिंदा ५१७ स्कूलों में १५ अगस्त, २००५ के दिन कम्प्यूटर एईडेड लर्निंग प्रोग्राम (सी.ए.एल.पी.) का प्रारंभ किया गया । यह कार्यक्रम ग्रामीण विस्तारों के कक्षा ५ से ७ के बच्चों की अध्ययन क्षमता को आंतर क्रियात्मक सी.डी. समूह के जरिये बढाने का है । ये सी.डी. समूह स्कूल पाठ्यक्रम आधारित है, जिन्हें विशेष तौर पर बच्चों की अभिरुचि बढाने एवं शिक्षा के ग्रहण को सहायित करने के हेतु से बनाया गया है ।

सभी स्कूलों को २० सी.डी. का एक समूह प्रदान किया गया है । सी.ए.एल.पी. का उद्देश्य है एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना जिसमें शिक्षा ग्रहण एवं परीक्षण की प्रक्रियाएं आनंदमय हों तथापि ग्रामीण बच्चों को शहरी बच्चों के समान शिक्षा के अवसर प्राप्त हों । इस कार्यक्रम द्वारा अध्ययन तथा परीक्षण को खेल स्वरुप बनाकर, शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हुए, बच्चों को स्कूलों के प्रति आकर्षित करने तथा उनका स्थायीकरण करने के प्रयास किए जा रहे हैं । सभी बच्चों को ज्ञान प्राप्ति का समान अवसर प्रदान करना इस कार्यक्रम का मुख्य हेतु है ।

१२.२.२ सी.ए.एल.पी. के उद्देश्य

बच्चों को कम्प्यूटर कौशल्य सीखाना सी.ए.एल.पी. का मुख्य उद्देश्य नहि है । इसका एकमात्र हेतु है स्कूलों में बच्चों के अध्ययन तथा शिक्षा ग्रहण के स्तर को सुदृढ बनाना ताकि वे बेहतर परिणाम पा सके । इस कार्यक्रम के मूल उद्देश्य इस प्रकार हैं :

१) बच्चों के अध्ययन स्तर पर सकारात्मक प्रभाव छोडना
२) सरकारी स्कूलों में बच्चों के नामांकन तथा हाजरी के दर को सुधारना
३) बच्चों को स्कूल के प्रति आकर्षित करना
४) स्कूल के भीतर एवं उसके आसपास उल्लासमय उत्तेजना जागृत करना
५) कठिन विषयवस्तु को सरल बनाकर अध्ययन को आनंद एवं उल्लासमय बनाना ताकि बुनियादी शिक्षा ठोस हो सके

६) आइ.टी.साक्षरता की सुदृढ नींव रखना

कथात्मक तथा चलचित्र आधारित कार्टून, आंतरक्रियात्मक खेलों तथा पहेलियों को मल्टी-मिडीया सहूलतों के जरिये सी.ए.ऐल.पी. के उदेश्यों को हांसिल करने का प्रयास किया जा रहा है । कार्टून, कहानी एवं संगीत के संयोजन द्वारा बच्चों में रुचि पैदा करने तथा उनके साहजिक कौतुहल को शिक्षा प्रक्रिया के साथ जोडकर, उनमें स्व-अध्ययन को प्रोत्साहित करनेका प्रयास किया जा रहा है ।

१२.२.३ सी.डी. की विषयवस्तु एवं विशेषताएं

इस सी.डी. समूह की विषयवस्तु सरल एवं बाल केन्द्रिय है, जिसके साथ बच्चों की सीधी आंतरक्रिया होती है । सरल पहुंच और निर्गम की सहुलतों से सी.ए.एल.पी. का नियमन स्वयं हो जाता है । बच्चों से प्राप्त प्रतिपूर्तिओं का सारांश एक वाक्य में दिया जा सकता है : "हम गलती करते हैं तो कम्प्यूटर हमें डाँटता नहि है "।

पाठ्यक्रम आधारित सी.डी. के अतिरिक्त सह अभ्यासिक शीर्षकों की शृंखला भी बनाई गई है, जिनका हेतु है ग्रामीण बच्चों को उन सारी बातों से पारिचित कराना जो कि शहरी बच्चों को सामान्यतया उपलब्ध होती हैं । इससे शहरी बच्चों को ग्रामीण बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा में प्राप्त पूर्वलाभ का अंतर मिट जाता हैं । इसका आधार इस सिध्धांत पर है कि सभी बच्चों को एक समान अवसर प्राप्त होने चाहिएं ताकि वे उपलब्ध मौकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें ।

इस कार्यक्रम में सर्व शिक्षा अभियान द्वारा भौतिक एवं ईलेकट्रोनिक ढांचा प्रदान किया जा रहा है, जबकि अझीम प्रेमजी फाउन्डेशन द्वारा आंतरक्रियात्मक, शैक्षिक मल्टी-मिडीया सी.डी. दी जा रही हैं तथा शिक्षक प्रशिक्षण के लिए तजज्ञों की तालीम, मोनिटरींग सहाय तथा शिक्षकों को सी.डी. के विषयवस्तु को वर्गखंड में उपयोग में लाने के लिए सहयोग भी दिया जा रहा है ।

इस परियोजना में कम्प्यूटर एवं बच्चों का अनुपात है १:३, अर्थात् ३ बच्चों के जूथ द्वारा शिक्षा के लिए एक कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है । हर जूथ को ४०-मिनिट के दो तास हर सप्ताह दिए जाते है, जो कि उनको दिए जानेवाले शिक्षा समय का ५ % है ।

बच्चों को सी.डी. का उपयोग करने के विषय में शिक्षकों को कम्प्यूटर संबंधित प्राथमिक प्रशिक्षण दिया गया है, जैसे कि सी.डी. को कम्प्यूटर में कैसे लगाया जाता है तथा विषय वस्तु को किस प्रकार देखा और सीखा जा सकता है ।

सी.ए.एल.पी. का विषयवस्तु उन कठिन बिंदुओं को सीखाने के लिए तैयार किया गया है जिनकी परिकल्पना को बच्चों द्वारा स्पष्टतासें ग्रहण एवं पूनः दृढीभूत करने के लिए मल्टी-मिडीया टेकनोलोजी के समर्थनकी आवश्यकता है । इसकी विषयवस्तु की एक विशेषता यह है कि इसके द्वारा बच्चे, शिक्षकों द्वारा डराये-धमकाए बिना ही, सह शिक्षा के साथ अपनी गति से सीख सकते हैं ।

१२.२.३ शिक्षक की भूमिका

किसी भी अध्यापन अध्ययन प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है । सी.ए.एल.पी. में इस भूमिका को सक्रिय रुप से बढावा दिया जाता है, क्यूंकि सी.डी.का प्रयोग दृढीकरण के लिए एक अध्ययन साधन की तरह किया जाता है, शिक्षक के विकल्प के रुप में कतई नहि । शिक्षक द्वारा एक नये विषय या परिकल्पना का परिचय देने के बाद, वर्गखंड में इन सी.डी. को दिखाए जाने से अध्ययन का बेहतर दृढीकरण हो सकता है । अतः बच्चों को असरदार शिक्षा प्रदान करने के लिए, सी.डी. एवं शिक्षक एक दूसरे के पूरक की भूमिका अदा करते है ।

प्रकरण : १३

डिस्ट्रीकट प्रायमरी एज्यूकेशन प्रोग्राम का समापन

१३.० डिस्ट्रीकट प्रायमरी एज्यूकेशन प्रोग्राम का समापन

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा बनासकांठा, पंचमहाल एवं डांग जिलों में डिस्ट्रीकट प्रायमरी प्रोग्राम (डीपीईपी-२) के सफल अमलीकरण के बाद उसे साबरकांठा, कच्छ और सुरेन्द्रनगर जिलों में बाह्य सहायित तथा भावनगर, जामनगर और जूनागढ जिलों में गुजरात सरकार द्वारा सहायित डिस्ट्रीकट प्रायमरी एज्यूकेशन प्रोग्राम (डीपीईपी ४) के अमलीकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी । भारत सरकार के आदेशानुसार इस परियोजना का समापन निश्चित अवधि से पूर्व ही जून २००५ में किया गया ।

१३.२ बजट और खर्च

डीपीईपी ४ के समापन पर यह पाया गया की विभिन्न घटकों और प्रवृत्तियों पर किये गए खर्च के मापदंड से परियोजना की कार्यवाही काफी संतोषप्रद रही है, जैसा कि नीचे दी गई सारणी से फलित होता है :

(रु. लाखों में)

क्रम	वर्ष	मंजूर बजट	प्राप्त अनुदान भारत सरकार	गुजरात सरकार	कुल	खर्च
१	२००१-०२	१८०४.८६	८००.००	२९२.५०	१०९२.५०	३४८.९०
२	२००२-०३	३३१७.८८	२२००.००	२४७.५०	२४४७.५०	१२४२.५९
३	२००३-०४	३७८४.१०	१६७३.३१	३१९.००	१९९२.३१	२२५९.४५
४	२००४-०५	४३२८.७१	२२७९.३८	६५०.००	२९२९.३८	२५९१.६३
५	२००५-०६	१४६१.७६	७९५.१०	९६.२५	८९१.३५	२१३४.३२

(ता.३०-६-२००६ तक)

१३.२ निर्माण कार्य

डीपीईपी के तहत निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार तमाम निर्माण कार्य पूर्ण किए गए । अतिरिक्त वर्गखंड, नए स्कूल भवन तथा मरम्मत के १०० % कार्यों को पूर्ण किया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है :

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड		नए स्कूल भवन		स्कूल भवन की मरामत	
		लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण
१	कच्छ	२३३	२३३	२२	२२	१०	१०
२	सावरकांठा	१९९	१९९	५९	५९	३७८	३७८
३	सुरेन्द्रनगर	२९६	२९६	१४	१४	३३	३३
	कुल	७२८	७२८	९५	९५	४२१	४२१

इसी तरह से बी.आर.सी., शौचालय एवं पेय जल सुविधा के १००% कार्यो को पूर्ण किया गया, जिनका विवरण नीचे दिया गया है ।

क्रम	जिला	बी.आर.सी.		शौचालय		पेय जल सुविधा	
		लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण
१	कच्छ	०६	०६	१७०	१७०	२४३	२४३
२	सावरकांठा	१३	१३	१७५	१७५	१६२	१६२
३	सुरेन्द्रनगर	१०	१०	१७५	१७५	१६३	१६३
	कुल	२९	२९	५२०	५२०	५६८	५६८

सी.आर.सी कम्पाउन्ड वोल एवं विद्युतिकरण के १००% कार्यो को आयोजन के अनुसार पूर्ण किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया हैं :

क्रम	जिला	सी.आर.सी.		कम्पाउन्ड वोल		विद्युतिकरण	
		लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण	लक्षित	पूर्ण
१	कच्छ	११०	११०	३६	३६	१८०	१८०
२	सावरकांठा	१०२	१०२	००	००	००	००
३	सुरेन्द्रनगर	७८	७८	००	००	००	००
	कुल	२९०	२९०	३६	३६	१८०	१८०

२३.३ ओ.आर.जी. द्वारा कार्यवाही का मूल्यांकन

ओपरेशन रिसर्च ग्रूप (ओ आर जी.), वडोदरा को डीपीईपी (अमलीकरण २०००-२००५) के तहत की गई कार्यवाही का मूल्यांकन सौंपा गया था, जिसके द्वारा यह अहेवाल दिया गया है कि परियोजना के अधिक्तम उदेश्यों को सिध्ध किया जा सका है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है :

१) बच्चों के समुचे अध्ययन स्तर में सुधार :

भाषा एवं गणित के विषयों में कक्षा-३ के बच्चों के अध्ययन स्तर कक्षा २ के बच्चों के मुकाबले में में कम पाए गए ।

कक्षा १ में वर्च्यों के अध्ययन स्तर भाषा (औसतन ६१.५%) की तुलना में गणित (औसतन ६५.६ %) में बेहतर पाए गए

कक्षा - ३ के बच्चों का प्रदर्शन भाषा (औसतन ४४ %) में गणित (औसतन ३५.६ %) की तुलना में बेहतर पाया गया ।

बेझ लाईन सर्वे की तुलना में कक्षा - १ एवं कक्षा - ५ के बच्चों का प्रदर्शन भाषा एवं गणित में अंतिम सर्वेक्षण के दौरान बेहतर पाया गया ।

२) अपव्यय के दर में कमी :

सन २००१-२००२ की तुलना में सन २००४-२००५ के दौरान डीपीईपी परियोजना जिलों में बच्चों के अपव्यय अर्थात् स्कूल छोड जाने के दर में प्रतिशत कमी इस प्रकार पाई गई :

- कच्छ : २४.४५ % (समग्र), २६.१३ % (कुमार), २१.८० % (कन्या)
- सुरेन्द्रनगर : ३२.७० % (समग्र), २८.३० % (कुमार), ३६.८९ % (कन्या)
- साबरकांठा : ३८.५३ % (समग्र), ३३.०९ % (कुमार), ३६.३८ % (कन्या)

३) सार्वत्रिक नामांकन :

(क) ९५.६३ एन.ई.आर. के साथ लगभग सार्वत्रिक नामांकन पाया गया है ।

(ख) परियोजना जिलों में कन्याओं से कुमार के नामांकन अनुपात में सुधार हुआ है जो कि नीचे दर्शाया गया है :

- कच्छ : ८०० (२००१-०२ में) से ८५५ (२००४-०५ में)
- सुरेन्द्रनगर : ८०९ (२००१-२० में) से ८६० (२००४-०५ में)
- साबरकांठा : ८४७ (२००१-०२ में) से ८६७ (२००४-०५ में)

१३.४ पी.टी.आर. एवं एम.सी.आर. में सुधार

विद्यासहायक योजना के सफल अमलीकरण के चलते परियोजना में प्युपील टीचर रेशियो (पी.टी.आर.) अर्थात् विद्यार्थी शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ है । स्कूलों के नए भवनों एवं अतिरिक्त वर्गखंडो के निर्माण तथा मरम्मत जैसे कार्यो से परियोजना जिल्लों के स्टूडन्टस क्लासरुम रेशियो (एस.सी.आर.) अर्थात् विद्यार्थी वर्गखंड अनुपात में गणनापात्र सुधार हुआ है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है :

जिला	वर्ष	नामांकित बच्चे	शिक्षकों की संख्या	पी.टी.आर.	एस.सी.आर.
कच्छ	२००१-०२	११४८३	२८३७	३९.३०	५७
	२००४-०५	१७४११०	५६१८	३०.९९	३१
साबरकांठा	२००१-०२	२६१४९६	८५४३	३०.६१	२८
	२००४-०५	२६५८९६	९२५०	२८.७४	२५
सुरेन्द्रनगर	२००१-०२	१८५७८३	४५४६	४०.८७	४५
	२००४ ०५	१९३६५१	५९६१	३२.४८	३५

१३.५ स्कूल से बाहर रहनेवाले बच्चों का समावेश

सन २००१ में किए गए गृह सर्वेक्षणों में डीपीईपी ४ के परियोजना जिलों कच्छ, सुरेन्द्रनगर और साबरकांठा में ६-११ वर्ष की आयु के कुल ४९,८१० बच्चे स्कूल से बाहर पाए गए थे जिनमें २०,४२० कुमार थे जबकि २९,३९० कन्याएं थीं ।

१३.६ वैकल्पिक शिक्षा कार्यक्रम में समाविष्ट बच्चे

डीपीईपी के परियोजना जिलों में जहां शिक्षा सुविधा उपलब्ध नहीं थी ऐसे विस्तारों में स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों को समाविष्ट करने के लिए कुल १,१०७ वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र बेक-टु-स्कूल कार्यक्रम के तहत खोले गए, जिनमें १२,०७८ कन्याओं एवं ११,२२० कुमारों सहित कुल २३,२९८ बच्चों का समावेश किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

जिला	२००३-२०४				२००४-०५				२००५-०६			
	केन्द्र	कुमार	कन्या	कुल	केन्द्र	कुमार	कन्या	कुल	केन्द्र	कुमार	कन्या	कुल
कच्छ	१२९	१२७३	१५८०	२८५३	८६	६९९	८१५	१५१४	९९	८१८	१००७	१८२५
एस के	१५९	१३०८	१८३२	३१४०	२४०	३५४३	२८३१	६३७४	२०	१५२	२४८	४००
सुरेन्द्र.	११९	११८२	१५२२	२७०४	१६७	१३४८	१३२३	२६७१	८८	८९७	९२०	१८१७
कुल	४०७	३७६३	४९३४	८६९७	४९३	५५९०	४९६९	१०५५९	२०७	१८६७	२१७५	४०४२

१३.६.१ मुख्य प्रवाह में शामिल बच्चे जो स्कूल से बाहर हैं

कच्छ, सुरेन्द्रनगर एवं साबरकांठा जिलों में स्कूल से बाहर रहनेवाले कुल ३२६० बच्चों को मुख्य प्रवाह के स्कूलों में नामांकित किया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है

क्रम	जिला	कुमार	कन्या	कुल
१	कच्छ	२९०	२०५	४९५
२	साबरकांठा	९०१	९६६	१८६७
३	सुरेन्द्रनगर	३९३	५०५	८९८
	कुल	१५८४	१६७६	३२६०

१३.६.२ ब्रीज कोर्स

डीपीईपी - ४ जिलों साबरकांठा एवं सुरेन्द्रनगर में ब्रिज कोर्प कार्यक्रम द्वारा कुल ३८२२४ बच्चों को अपव्यय को रोका गया, जैसा कि नीचे दिखाया गया है :

जिला	२००३-०४			२००४-०५			२००५-०६		
	केन्द्र	नामांकन	पास	केन्द्र	नामांकन	पास	केन्द्र	नामांकन	पास
सुरेन्द्रनगर	९९५	२२१२२	९६७७	३५७	८५७१	२४४७	९१९	१९३९४	७१८३
साबरकांठा	९८०	१५६८१	८६९१	९८५	२४६८९	९०४२	८२२	३२७८५	११३९४
कुल	१९७४	३७८०३	१८३६८	१३४२	३३१६०	११४८९	१७४२	१२१७६	१८५७७

१३.७ कन्या शिक्षा

डीपीईपी के तहत कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नदर्शित क्रिया कलाप किए गए :

- माँ - बेटी सम्मेलन
- मीना एवं संशोधन मुहिम
- जानकारी बढाने के लिए पडौस के गाँवो के दौरे
- गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के विशेष कार्यक्रम
- ८ मार्च को आंतर-राष्ट्रिय महिला दिवस मनाना
- पंचायतों के महिला सरपचो द्वारा सदस्यों का सामुदायिक नेतृत्व का प्रशिक्षण दिया गया ।
- शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित लेखका द्वारा शिक्षकों, समूदायों एवं स्कूल के छात्रों के लिए कहानियां लिखाई गई ।
- शिक्षा एवं जनजागृति के लिए कठपूतलियों के उपयोग के लिए बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. कोओर्डीनेटर्स एवं शिक्षको के लिए प्रशिक्षण शिबिर आयोजित किए गए । कठपूतलियों के निर्माण एवं उपयोग के लिए विशेष मार्गदर्शिका विकसित और वितरित की गई ।
- ८ मार्च, २००५ के दिन विविध स्तरों पर कठपूतलियों के कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

१३.७.१ ई. सी. सी. ई.

कठिन भौगोलिक एवं सामाजिक परिवेशवाले जिन विस्तारों में आई.सी.डी.एस. की आंगनवाडियां नहि थीं, वहाँ ०-५ वर्ष वयजूथ के बच्चों के लिए डीपीईपी ४ के तहत कुल ५८० ईसीसीई केन्द्र खोले

गए, जिनमें कुल १४,५०० बच्चों को समाविष्ट किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया है :

क्रम	जिल्ला	खोले गए ईसीसीई केन्द्रों की संख्या	नामांकित बच्चों की संख्या
१	साबरकांठा	१९०	४७५०
२	सुरेन्द्रनगर	२८०	७०००
३	कच्छ	११०	२७५०
	कुल	५८०	१४५००

तमाम ईसीसीई केन्द्रों को ईसीसीई कर्मियों के लिए प्रशिक्षण मार्गदर्शिका, प्रगति एवं मूल्यांकन रजिस्टर, हाजिरी रजिस्टर, चित्रावली, कन्या शिक्षा संवेदित प्ले कार्डस, पहेलियां तथा सामान रखने के लिए पेटियां दी गई ।

१३.८ शिक्षण प्रशिक्षण

पूर्व की व्याख्यान आधारित एक पक्षीय प्रक्रिया के स्थान पर शिक्षक प्रशिक्षण में अब अधिक आंतरक्रिया युक्त द्विपक्षीय प्रक्रिया को अपनाया गया है । इस प्रकार के प्रशिक्षण में भाषण के स्थान पर प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक प्रयोगात्मक अनुभव देने का प्रयास होता है, जैसा कि कोई प्रवृत्ति करना, भूमिका अदा करना, गद्यपाठ करना अथवा कुछ विशेष कार्य या कवायत करना ताकि प्रयोग के दौरान ही स्वानुभव द्वारा पृथ्थकरण किया जा सके । इस प्रकार, प्रयोगात्मक प्रशिक्षण ने पूर्व के उस प्रशिक्षण का स्थान ले लिया है जिसमें प्रतिभागी को कोई भूमिका अदा करनी नहि होती थी ।

सन २००५-०६ के दौरान कच्छ, साबरकांठा एवं सुरेन्द्रनगर जिल्लो में १,२३,८६८ मानव दिवसों के लिए शिक्षण - प्रशिक्षण दिया गया, जिसके विषय थे एकीकृत बहुवर्गीय शिक्षा, टी.एल.एम. का निर्माण, शिक्षको तथा वी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी टी.ए. सदस्यों की डीपीईपी में उनकी भूमिका तथा बच्चों के सार्वत्रिक नामांकन, स्थायीकरण, नियमित हाजरी, उपचारात्मक शिक्षा तथा कन्या शिक्षा के विषय में नवसंस्करण । निम्नदर्शित सारणी में डीपीईपी ४ जिल्लों में सन २००२-०५ से २००४ ०५ तक दिए गए शिक्षक प्रशिक्षण का ब्योरा दिया गया है ।

	२००२-०२	२००२-०३	२००३-०४	२००४-०५
प्रशिक्षण शिक्षको की संख्या	३१०	३९४५	१४२७६	१३९८६

१३.९ दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

पर्यावरण, गणित, समाजविद्या एवं वैकल्पिक शिक्षा के विषयों को सीखाने के लिए तीन ओडियो केसटस का एक सेट निर्मित किया गया, जिस सभी बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. कोआर्डीनेटर्स को

वितरित किया गया । एक ओडियो केसेट्स यूझर्स मेन्युअल तथा एक्शन रिसर्च मोडयूल भी विकसित किया गया जिसे सभी बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. कोओर्डीनेटर्स तक वितारित किया गया ।

अध्यापन विद्या, वी.ई.सी., एम.टी.ए. एवं पी.टी.ए. के सदस्यों की भूमिका, निर्देशन पाठ, विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा तथा वैकल्पिक शिक्षा के विषयों पर एक तरफा विडियो दो तरफ ऑडियो टेलिकोन्फरन्सीस का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया ।

प्रकरण - १४
वित्त और लेखा

१४.० ऑडिट एण्ड एकाउन्ट्स

वर्ल्ड बैंक के साथ हुए करार के मुताबिक, राज्य अमलीकरण संस्थान द्वारा डीपीईपी के स्वतंत्र हिसाब निभाये गये, जिसके आखरीकृत अहवालों को वर्ल्ड बैंक के नियमो के अनुसार ऑडिट किया गया तथा वर्ल्ड बैंक को भेजा गया । वर्ष २००४ - ०५ और २००५ - ०६ के अहवाल वर्ल्ड बैंक को निश्चित समयावधि में भेज गये । इस वर्ष के वार्षिक अहवाल को भारत सरकार को भेजा जा चुका है ।

इसी प्रकार सर्व शिक्षा अभियान के अहवाल को ऑडिट किये गये हिसाब के साथ भारत सरकार को भेजा गया । सर्व शिक्षा अभियान के वर्ष २००४ - ०५ के वार्षिक अहवाल तथा ऑडिटेड एकाउन्ट्स को निश्चित समयावधि में भारत सरकार को भेजा गया ।

१२.१ एसएसए में वित्तीय प्रदर्शन

गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००५ - ०६ के लिये कुल रु.२६५.६६ करोड़ का बजेट मंजूर हुआ था, जबकि परियोजना जिलों में विविध प्रवृत्तिओं के लिये कुल रु. २०५.७१ करोड़ खर्च किये गये हैं। धनराशि की मुक्ति एवं प्राप्ति की स्थिति सरल रही, जिसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा रु. १२८.५१ करोड़ तथा गुजरात सरकार द्वारा रु. ७५.६० करोड़ प्राप्त हुए, जिसके कारण एन्युअल वर्क प्लान और बजट के कार्यक्रमों के मुताबिक असरदार अमलीकरण में सुगमता हुई ।

(रु. करोड़ में.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००१-२००२	३७.५८	१७.६६	३.११	२०.७७	१४.१९
२००२-२००३	१२९.५८	९८.७२	२२.५०	१२१.२२	९६.५२
२००३-२००४	२२७.७४	१९५.२५	२१.८८	२१६.८३	१४३.११
२००४-२००५	२४५.०७	१५२.४५	६१.२१	२१३.६६	१५१.६३
२००५-२००६	२६५.६६	१२८.५१	७५.६०	२०४.११	२०५.७१
कुल	**९०६.०३**	**४७२.५९**	**१८४.०**	**६५६.५९**	**६१३.५८**

१४.२ एसएसए में प्रवृत्ति के अनुसार वित्तीय प्रदर्शन

वर्ष २००५- ०६ सर्व शिक्षा अभियान के तहत विविध प्रवृत्तियों के लिय किय गये खर्च का विवरण इस प्रकार है :

प्रवृत्तियों के अनुसार वर्ष २००५-०६ में वित्तीय प्रदर्शन

(रु. लाख में.)

प्रवृत्तियाँ	स्वीकृत		प्रगति		प्रदर्शन %	
	लक्ष्य	आर्थिक	लक्ष्य	आर्थिक	लक्ष्य	आर्थिक
शिक्षक वेतन	०	०	०	०	०	०
निर्माण कार्य	०	९१२०.२४	०	८७१८.७०	९४.७०	९५.५९
विद्यालयो म मरम्मत कार्य	५५७१९	२५८६.९५	४९०००	२३८०.२८	१७.६८	९२.०१
प्राइमरी स्कूल में टीएलई	२४८२	१२४०.७७	४३९	२१९.१६	९९.३४	१७.६६
स्कूल ग्रान्ट	४७७१०	९५४.२०	४७३९७	९०३.४७	१००.०८	९५.६८
शिक्षकों के लिये टीएलएम ग्रान्ट	१५५.३०	१७७१.१५	१५५५६४	७७२.८२	७२.७८	९९.४४
शिक्षक प्रशिक्षण	१७३८७१ (८३४७५४२० मानव-दिवस)	२४३४.१९	२५३१०५४	१७९९.७२	७४.४५१	७३.९३
मुफ्त पाठ्यपुस्तकें	४८७०७४	७३०.६१	३६७५००	४९३.९०	४१.६९	६७.६०
सामुदायिक अभिप्रेरण	१४८४३४	८९.०६	६१८८३	३७.१३	८४.५७	४१.६९
विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा	७७५२६	९३०.३१	६५५६४	५०२.३३	०	५३.९९
संशोधन और मूल्यांकन	०	४११.५३	०	२५२.७०	०	६१.४०
व्यवस्थापन	०	१५६०.२०	०	११३९.३३	०	७३.०२
नवाचारी क्रिया कलाप	०	१४१९.३७	०	९८६.१९	०	६९.४८
बीआरसी भवन	०	३२६.४८	०	३१६.२९	०	९६.६७
सीआरसी भवन	०	८५२.६१	०	७५६.७०	०	८८.७५
वैकल्पिक शिक्षण	३७०६३५	३१३१.९०	७७२७७	१०९२.२७	२० ८४	४१.२६
कुल		**२६५६५.५७**	**०**	**२०५७०.९९**	**०**	**७७.४३**

१४.३ एसएसए के तहत राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च

गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००५-०६ के लिये राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च का विवरण नीचे दिया गया है:

एसएसए के तहत राज्य एवं जिला स्तर के लिये स्वीकृत बजट और खर्च

(३१/३/२००६ की स्थिति)

(रु. लाख में.)

क्रम	जिला	बजट	खर्च	क्रम	जिला	बजट	खर्च
१	अहमदाबाद	९२५.९१	८६१.०१	१६	नर्मदा	५०५.२८	४४३.८२
२	अहमदाबाद कोर्पो.	७०५.४६	३५५.५०	१७	नवसारी	७८०.३०	५१८.५४
३	अमरेली	९१३.७४	७१३.८५	१८	पंचमहाल	१३६४.७९	११४३.५१
४	आणंद	११०२.१७	८३८.४६	१९	पाटण	८३९.०६	६३९.६९
५	बनासकांठा	१५१८.८३	११६५.५९	२०	पोरबंदर	४०१.९२	२३०.६६
६	भरूच	७१७.२३	६१६.४३	२१	राजकोट	९८९.२७	८३४.४८
७	भावनगर	११०२.१४	८७५.१२	२२	राजकोट कोर्पो.	१२३.७७	६५.४६
८	दाहोद	१०५३.७४	९२७.६५	२३	साबरकांठा	११०८.२७	९८४.३२
९	डांग	२८२.६७	२३३.३९	२४	सूरत	१३६७.३४	१०९४.४२
१०	गांधीनगर	६९२.०९	५६३.५७	२५	सूरत कोर्पो.	३३४.९३	१३२.४१
११	जामनगर	१२१५.२२	७११.२६	२६	सुरेन्द्रनगर	८४५.३३	६४५.१९
१२	जूनागढ़	१०१३.४५	७५९.२६	२७	वडोदरा	१६६५.६१	१३४१.६७
१३	खेडा	१२७६.०५	१०४६.१२	२८	वडोदरा कोर्पो.	१२४.७८	६१.७१
१४	कच्छ	८६७.७६	५९०.१४	२९	वलसाड़	८४७.६७	७३३.८६
१५	मेहसाणा	९५९.४९	७५१.०३	३०	एस.पी.आ.	९२१.२९	६९२.८७
					कुल	१६५६५.५६	१०५७०.९

१४.४ एन.पी.ई.जी.ई.एल

गुजरात में एन.पी.ई.जी.ई.एल का प्रारंभ अक्तूबर २००३ में किया गया। वर्ष के दौरान परियोजना की मज़बूत बुनियाद डालने की दिशा में खासी प्रगति हुई है। एनपीईजीईएल की अमलवारी का वर्ष वार विवरण इस प्रकार है :

(रु. लाख में.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००३-२००४	७१८.५१	१३४.७२		१३४.७२	४०६.२६
२००४-२००५	४६७५.८७	२८२७.००	११७५.००	४००२.००	३२४६.३२
२००५-२००६	३७६५.४७	२५५४.१४	९५०.००	३४०४.१४	३३१७.९७
कुल	९१५९.८५	५४१५.८६	२१२५.००	७५४०.८६	६९७०.५५

१४.५ एन.पी.ई.जी.ई.एल. के तहत प्रगति

गुजरात में एन.पी.ई.जी.ई.एल. कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००५ - ०६ के दौरान रु.३३१७.७६ लाख के वार्षिक बजट के सामने विविध प्रवृत्तिओं में कुल रु. ३४४२.३१ लाख का खर्च हुआ जो की लक्ष्य का ८८.१२ प्रतिशत है ।

क्रम	प्रवृत्ति	बजट	खर्च
१	अतिरिक्त वर्गखंड का निर्माण	६८३.५६	७४८.९६७
२	विद्युतिकरण, शौचालय, पेशावघर पेय जल सुविधा	३४६.७५	१२६.००८
३	टीएलई ग्रान्ट	२०३.९१	१२०.८७५
४	रिकरिंग ग्रान्ट	२२६.४०	२१५.८१९
५	एवोर्ड	५६.६०	३३.३३३
६	विद्यार्थी मूल्यांकन	२१५.०८	१०७.३९१
७	शिक्षक - प्रशिक्षण	४५.२८	१९.७१६
८	चाइल्ड केर सेन्टर	१३५.८४	१६२.०५४
९	एडिशनल इन्सेन्टिव	१६६६.१५	१६१४.३१३
१०	मोबिलाइझशन + मेनेजमन्ट कोस्ट	१८५.९०	१६९.५००
	कुल	३७६५.४७	३३१७.७६

१४.६ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी.)

वर्ष २००५ - ०६ के दौरान लघुमति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के वंचित जूथों की कन्याओं के लिये रिहायशी स्कूल सुविधा प्रदान करने के हेतु सर्व शिक्षा अभियान की छत्रछाया में एक नवाचारी कार्यक्रम कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) चुनिंदा दुर्गम विस्तारों में क्रियान्वित किया गया । वर्ष २००५ ०६ के दौरान बजट के अनुसार रु. ६६२.७० लाख के प्रावधान था, जबकि विविध प्रवृत्तियों में कुल रु. १५६.५५ लाख का खर्च किया गया ।

(रु. लाख में)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००४ २००५	६६२.७०	४९७.०३		४९७.०३	२१.१४
२००५-२००६	६६२.७०		३३५.००	३३५.००	१५६.५५
कुल	१३२५.०३	१३२५.०३	३३५.००	८३२.०३	१७७.६९

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A

Phone : 748 54 46

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS
B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, GUJARAT STATE as at 31st March 2006** and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. Our Audit coverage includes audit of All District Project Offices also.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India and are specific to particular project expenditure tracked by us. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. **'Sarva Shiksha Abhiyan Mission'** is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

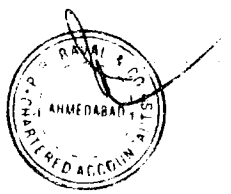

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A.

Phone : 748 54 46

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS

B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

Subject to Clause No. 3 above we report that:-

a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

b. The Cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer in-charge of the respective officers on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end has not been physically verified by us.

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit, establishment register, stock register, non consumables and consumable article register, and register for works, register for grants of advances to mobilization agencies/NGOs/Voluntary Agencies.

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

f. Based on the records made available for our verification and information given to us we have conducted audit of Procurement Procedure done for procurement of Goods, Works and Services and have nothing material to report there upon

g. The Books of Accounts of all Sarva Shiksha Abhiyan Mission Districts/ Municipal Corporations have been consolidated at State Project Office,Gandhinagar.

For, **P. R. Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R. Raval)
Proprietor M.No. 44902
Place: Ahmedabad
Date: 15.07.2006

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31st March, 2006

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

LIABLITIES	Amount Rs. Current year	Amount Rs Previous year	ASSETS	Amount Rs Current year	Amount Rs. Previous year
Capital Fund			**Fixed Assets**		
Opening Balance	1034545651	666131896	Civil Works	0	0
Funds recd. From Govt. of India			Vehicle	0	0
(a) SSA	1283057000	1124500000	Equipements	0	0
(b) NPEGEL	245414000	282700000	**Deposites**		
Funds recd From State Govt			(a) Fixed Deposits with Banks	0	0
(a) SSA	756000000	612100000	(b) Deposits with Others	0	0
(b) NPEGEL	95000000	117500000			
Interest			**Balances at Districts**		
(a) SSA	30169086	19742520	(a) Cash at Bank	174503411	166051634
(b) NPEGEL	2054397	170395	(b) Cash in Hand	40994	87693
Others	13044333	72598480	(c) Advances Outstanding	24518307	16665572
Balances at Districts			(d) Receivable From Districts		
(a) Funds Refunded		0			
(b) Undisbursed Grant		0	**Closing Balance at SPO**		
	3459284468	2895443290	(a) Cash at Bank	894597228	1159678940
Less			(b) Cash in Hand	39661	43604
Fund Utilized	2383422965	1860897639	(c) Advances Outstanding	0	0
			(d) Outstanding Reimbursement Claim	140304	0
Closing Balance	1075861502	1034545651			
Advances Repayable					
Commissioner MDM Balance	9863602	1042298			
Staff Deduction Payables	1120	2420			
KGBV Project	977160	984430			
DPEO Account		1350			
Retention Money	1175481	2485271			
Security Deposite	646574	308727			
GCPE Account		303157295			
Bid Security	159307	0			
Performance Security	3757493	0			
Earnest Money Deposit	710000	0			
Payable to Others	697666	0			
Total	1093839905	1342527443	**Total**	1093839905	1342527443

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 15.07.2006

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No 44902

P. R. RAVAL & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.2006

CONSOLIDATED INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2006

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

EXPENDITURE	*Amount Rs. Current Year*	*Amount Rs Previous Year*	INCOME	*Amount Rs Current Year*	*Amount Rs. Previous Year*
Expenditure at Districts and			**Funds recd. from Govt. of India**		
Sub districts level			(a) SSA	1283057000	1124500000
			(b) NPEGEL	245414000	282700000
Teachers Salary	0	0	**Funds recd. from State Govt.**		
BRC	31630555	7631811	(a) SSA	756000000	612100000
CRC	70220625	71012754	(b) NPEGEL	95000000	117500000
Civil Work	876498987	719441690	**Interest**		
EGS/AIE	120725100	63171114	(a) SSA	30169086	19742520
Free Text Book	49389550	30016143	(b) NPEGEL	2054397	170395
Innovative Activity	98643065	28794625	**Others**		
IED	55720927	14827392	Grant Returned Savings	12640484	72554277
NPEGEL	331797668	324632298	Tender Fees	210100	43300
School Maintenance Grant	238075247	194744570	Notice Pay Income		903
Management Cost	44834099	58088998	Miscellaneous Receipts	193749	0
Research & Evaluation	25650395	14971723	**Balances at districts**		
School Grant	90351702	79751512	(a) Funds Refunded		0
Teachers Grant	77277136	66980508	(b) Undisbursed Grant (Opening)	1034545651	666131896
TLE	18174522	54932600			
Teachers Training	179167392	89923112			
Community Training	5194746	4336061			
State Component					
SIEMAT		0			
Management Cost	59275068	25108540			
Research & Evaluation	10796202	12532188			
Others		0			
	2383422965	*1860897639*			
Excess of Income over Expenditure	1075861502	1034545651			
Total	**3459284468**	**2895443290**	**Total**	**3459284468**	**2895443290**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D. SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of even date attached
For P.R Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M.No. 44902

RAVAL & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

Place : Gandhinagar
Date : 15.07.2006

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.2006

CONSOLIDATED RECEIPT AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2006

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

RECEIPTS	Amount Rs. Current Year	Amount Rs. Previous Year	PAYMENTS	Amount Rs. Current Year	Amount Rs. Previous Year
Opening Balance			**Amount paid to districts**		
(a) Cash at Bank	1325730574	775364628	**and sub districts level**		
(b) Cash in Hand	131297	110148	**Expenditure at District**		
Funds recd. From Govt.of India			**and sub districts level**		
(a) SSA	1283057000	1124500000	Teachers Salary	0	0
(b) NPEGEL	245414000	282700000	BRC	31630555	7631811
Funds recd. From State Govt.			CRC	70220625	71012754
(a) SSA	756000000	612100000	Civil Work	876498967	719441690
(b) NPEGEL	95000000	117500000	EGS / AIE	120725100	63171114
Interest			Free Text Book	49389550	30016143
(a) SSA	30169086	19742520	Innovative Activities	98643065	28794625
(b) NPEGEL	2054397	170395	IED	55720927	14827392
Others			NPEGEL	331797668	324632298
Grant Returned Savings	12640484	72554277	School Maintenance	238075247	194744570
Tender Fees	210100	43300	Management Cost	44834099	58088998
Notice pay Income		903	Research and Evaluation	25680395	14971723
Miscellanenus Receipts	193749	0	School Grant	90351702	79751512
Decrease in Amount Receivable	0	523205174	Teacher Grant	77277136	66980508
			TLE	18174522	54932600
			Teacher Training	179167392	89923112
			Community Training	5194746	4336061
			State Component	0	
			SIEMAT	0	
			Management Cost	59275068	25108540
			Research and Evaluation	10796202	12832188
			Other	0	0
			Advances Outstanding		
			(a) State Level	140304	0
			(b) District Level	24518307	16665572
			(c) Sub District Level		0
			Closing Balance		
			(a) Cash at Bank	1069100639	1325730574
			(b) Cash in Hand	80655	131297
			Decrease in Amount Payable	265344778	324566262
			Increase in Amount Receivable	7993019	
Total	**3750600687**	**3527991344**	**Total**	**3750600687**	**3527991344**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

As per our Audit Report of
even date attached
For P.R Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M No. 4490

Place : Gandhinagar
Date : 15.07.2006

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.2006

CONSOLIDATED ANNUAL FINANCIAL STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2006

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION, Gujarat State

SOURCE & APPLICATION

SOURCE (RECEIPTS)	SSA	NPEGEL	TOTAL
Opening Balance			
(a) Cash in hand	131297	0	131297
(b) Cash at Bank	1243144057	82586517	1325730574
Total	**1243275354**	**82586517**	**1325861871**
(a) **Source (Receipt)**			**0**
(b) Funds received from Government of India	1283057000	245414000	**1528471000**
(c) Funds received from State Government	756000000	95000000	**851000000**
(d) Interest	30169086	2054397	**32223483**
(e) **Others**			
Grant Returned Savings	12640484	0	**12640484**
Tender Fees	210100	0	**210100**
Notice pay Income	0	0	**0**
Miscellenous Income	193749	0	**193749**
Balance Payment / Receivable Inflow net		0	0
TOTAL RECEIPTS	**3325545773**	**425054914**	**3750600687**

APPLICATION (EXPENDITURE)	Approved AWP&B including spill over	Expenditure Incurred	Savings
Payments			
(a) Teachers Salary		0	0
(b) BRC	32648000	31630555	1017445
(c) CRC	85260900	70220625	15040275
(d) Civil Work	912024200	876498967	35525233
(e) EGS / AIE	313190000	120725100	192464900
(f) Free Text Book	73061100	49389550	23671550
(g) Innovative Acitivities	141936600	98643065	43293535
(h) IED	93031200	55720927	37310273
(i) NPEGEL	376664100	331797668	44866432
(j) School Maintenance Grant	258695000	238075247	20619753
(k) Management Cost	63891000	44834099	19056901
(l) Research & Evaluation	41152800	25650395	15502406
(m) School Grant	95420000	90351702	5068298
(n) Teacher Grant	77715000	77277136	437864
(o) TLF	124077000	18174522	105902478
(p) Teachers Trainning	243419400	179167392	64252008
(q) Community Trainning	8906000	5194746	3711254
(r) SIEMAT		0	0
(s) State Component	92128700	70071270	22057430
(t) Others(Payment of Previous year liabilities)	0	273337817	
Advance Outstanding	0	24658611	
TOTAL EXPENDITURE	**3033221000**	**2681419393**	**351801607**
Closing Balance		**1069181294**	
(a) Cash in hand		**80655**	
(b) Cash at Bank		**1069100639**	
Total		**1069181294**	

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan Mission, Gujarat
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

(Parag P. Raval)
Proprietor M.No. 44902

P. R. RAVAL & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Gandhinagar
Date : 15.07.2006

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.2006

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION PROGRAMME, GUJARAT STATE

a 'SARVA SHIKSHA ABHIYAN MISSION PROGRAMME, GUJARAT STATE' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

b. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant or previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself. And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income.

e. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme

f The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties The bank balances are reconciling with respective bank's balances

g. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each

transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review.

h. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D.Solanki
Finance & Account Officer
Sarva Shiksha Abhiyan Mission
Gujarat State
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Meena Bhatt
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan *Mission*
Gujarat State
State Project Office
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place: Gandhinagar
Date: 15.07.2006.

As per our Audit Report of even date attached
For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Properitor M.No 44902..

Place: Ahmedabad
Date: 15.07.2006.

PARAG R. RAVAL
B.Com., F.C.A., A.I.C.W.A.

Phone : 748 54 46

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS

B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of **KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME, GUJARAT STATE as at 31st March 2006** and its Income and Expenditure Account, to be read with Notes forming part of Accounts for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. Our Audit coverage includes audit of All District Project Offices also.

2. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India and are specific to particular project expenditure tracked by us. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. '**Kasturba Gandhi Balika Vidyalaly**' is a programme of Government of India. The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education.

   The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts.

   The Grant received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant of previous years, Bank Interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities of this programme are treated as Expenditure. The amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

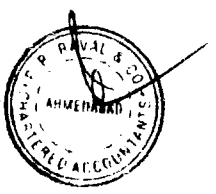

PARAG R. RAVAL
B Com., F.C.A., A.I.C.W.A

Phone : 746 54 46

P. R. RAVAL & CO.

CHARTERED ACCOUNTANTS

B-11, Galaxy View Flat, B/s. Pavan Party Plot,
Nr. Hari Park, Naranpura, AHMEDABAD-380 013.

Subject to Clause No. 3 above we report that:-

a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts. And the accounts have been maintained using double entry accounting principles.

b. The Cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer in-charge of the respective officers on the date of our audit. The cash balances, if any, at the year end has not been physically verified by us.

c. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

d. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit, establishment register, stock register, non consumables and consumable article register, and register for works, register for grants of advances to mobilization agencies/NGOs/Voluntary Agencies.

e. It has been observed during the course of our audit no Grant fund or any part thereof have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of the State Project Director.

f. Based on the records made available for our verification and information given to us we have conducted audit of Procurement Procedure done for procurement of Goods, Works and Services and have nothing material to report there upon.

g. The Books of Accounts of all Kasturba Gandhi Balika Vidyalaly Districts have been consolidated at State Project Office,Gandhinagar.

For, **P. R. Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R. Raval)
Proprietor M.No 44902.

P. R. RAVAL & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Place: Ahmedabad.
Date: 15.07.2006.

GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION

KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME
GUJARAT STATE

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2006

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State & District Level]*		
Opening Balance	47688697		Bank Balance with SPO	59287467	
Add			Cash in Hand	0	**59287467**
Balance Brought Forward from Income and Expenditure A/c	20502558	**68091255**			
PAYABLES *(At State Level)*			**RECEIVABLES** (At State & District Level)		
Performance Security	112871		Advance to Mahila Samakhya	1650084	
Earnest Money Deposit	374300	487171	Balance With Districts as per Annexure	7640875	9290959
TOTAL		**68578426**	TOTAL		**68578426**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For P.R Raval & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 15.07.2006

(Parag R Raval)
Partner M.No. 30331

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.2006

GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION

KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME
GUJARAT STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

For the period ending 31.03 2006.

INCOME *(Receipts)*		Amount Rs.	EXPENDITURE *(Payments)*	Amount Rs.
Grant Received from GOI			GRANT DISBURSED / REVERSED	
Grant Received from GOG	33500000	33500000	*[At State & District Level]*	
			Non Recurring Expenses	8358925
Bank Interest		1599314	As per Annexure	
Tender Fee Received		58575	**Recurring Expenses**	6286406
			As per Annexure	
			Balance of Income over Expenditure Carried Forward to Balance Sheet	**20502558**
TOTAL		35157889	TOTAL	35157889

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date attached
For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

Gujarat Council of Primary Education ;
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 15.07 2006

(Parag R Raval)
Proprietor M No. 44902

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.2006.

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

KASTURBA GANDHI BALIKA VIDYALAY PROGRAMME, GUJARAT STATE

a 'Kasturba Gandhi Balika Vidyalay Programme, Gujarat State' is a programme of Government of India The objectives of this programme are being implemented in a Mission mode by a Society formed under the Societies Registration Act, by the name, State Project Office of Gujarat Council of Primary Education

The Grants received by the Society's State Project Office are either released to various District Levels for utilization or State Project Office themselves utilize the Grants for various Districts

b The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention and on cash basis.

c. The Grant Received, Grant Returned (Savings), Undisbursed Grant or previous years, Bank interest, Tender Fees Received and various Other Incomes are taken as Income and amount expended under various activities may include disbursement for construction and/or acquisition of Fixed Assets for the purpose or object of this Programme, all such expenditure are considered as revenue expenditure.

d. Grant amount disbursed under a particular budget head in the current financial year and returned as unspent / unutilized in the current financial year are reversed in that same budget head itself And Grant amount disbursed under a particular budget head in the previous financial years and returned as unspent / unutilized in the current financial year are considered as Grant Returned (Savings) and treated as Income

e. No Grant fund or any part there of have been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the Office of State Project Director, the implementing authority of this Programme.

f. The balances of amount in current liabilities and current assets are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties. The bank balances are reconciling with respective bank's balances

g. The State Project Office, during the course of implementation of this Program has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction. The Programme does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review.

h. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D.Solanki
Finance & Account Officer
Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay
Programme. Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Meena Bhatt
State Project Director
Kasturba Gandhi Balika Vidhyalay
Programme. Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Place: Gandhinagar
Date: 15.07.2006

As per our Audit Report of Even date Attached.
For, **P.R.Raval & Co.,**
Chartered Accountants

P. R. RAVAL & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

(Parag R Raval)
Proprietor M No. 440902.

Place: Ahmedabad.
Date: 15.07.2006.

Utilization Certificate under SSAM for the year ended 31.3.2006

Sr No.	Sanction Letter No, and Date		Amount Rs. SSA	Amount Rs TOTAL
1	MHRD F.8-13/2005- EE 6 dated 08-06-2005		787200000	787200000
2	MHRD F.8 13/2005 EE-6 dated 02-12-2005		475870000	475870000
3	As per instruction in Approved AWP&B, saving of SSA Earthquake Programme		19987000	19987000
	TOTAL		**1283057000**	**1283057000**

1. Certified that out of **Rs.12830.57 Lacs** *(One Hundred Twenty Eight Crores Thirty Lacs Fifty Seven Thousand only)* grant in aid sanctioned **during the year 2005-2006** vide **Ministry of Human Resource Development, Department Elementary Education and Literacy** letter Nos noted against each and **Rs. 226 72 Lacs (Refer Annexure A)** *(Two Crores Twenty Six Lacs Seventy Two Thousand only)* on account of interest earned during the period 2005-2006 and **Rs. 94 80 Lacs (Refer Annexure A)** *(Ninety Four Lacs Eighty Thousand Only)* on account Grant Return Savings during the period 2005-2006 and **Rs. 3.03 Lacs (Refer Annexure A)** *(Three Lacs Three Thousand Only)* on account of Other Income earned during the period 2005-2006 and a sum of **Rs 15387.19 Lacs (Refer Annexure A)** *(One Hundred Fifty Three Crores Eighty Seven Lacs Nineteen Thousand Only)* has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the balance of **Rs 4948 31 Lacs (Refer Annexure A)** *(Fourty Nine Crores Fourty Eighty Lacs Thirty One Thousand only)* remaining unutilized at the end of the year will be adjusted towards the grants in aid payable during the next year i.e. 2006-2007

2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grant in aid was sanctioned have been fully fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which is was sanctioned

Kinds of Checks exercised

1. Utilization Certificate
2. Annexure – A.
3. G.O.G. Grant Statement

(S.D Solanki)
F.A & A.O
SSA Mission
State Project Office
Gujarat

(Meena Bhatt)
State Project Director
SSA Mission
State Project Office
Gujarat

Date 15.07.2006

AUDITORS CERTIFICATE

We have verified the above statement with the books and records produced before us for our verification and found the same has been drawn in accordance therewith.

Date 15.07.2006.

For **P.R Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M. No 44902

State: GUJARAT

Annexure A Part of the Utilization Certificate for the F.Y.2005-06

Sarva Shiksha Abhiyan Mission

Particulars	G.O.I 75%	G.O.G 25%	Total 100%
Unutilised Opening Balance *(As per Previous Certificate)*	**7,180.83**	**2,678.78**	**9,859.61**
Add :			
Grant Received During the Year	12,830.57	7,560 00	20,390.57
Add:			
Interest Earned *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	226.27	75.42	301.69
Other Income *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	3.03	1.01	4 04
Grant Returned Savings *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	94.80	31.60	126 40
Less:			
Expenditure for the year 2005-2006 *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	15,387.19	5,129.06	20,516.25
Unutilised Closing Balance of Grant	**4,948.31**	**5,217.75**	**10,166.06**

To be carried forward to the next year i.e. 2006-2007

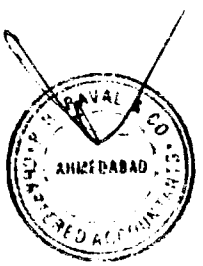

Utilization Certificate under NPEGEL for the year ended 31.3.2006

Sr.No.	Sanction Letter No, and Date		Amount Rs NPEGEL	Amount Rs. TOTAL
1	MHRD F.8-13/2005- EE 6/EE 17 dated 02-12-2005		104165000	104165000
2	MHRD F.8-13/2005- EE-6/EE 17 dated 04 01 2006		141249000	141249000
	TOTAL		**245414000**	**245414000**

1. Certified that out of **Rs.2454.14 Lacs** *(Twenty Four Crores Fifty Four Lacs Fourteen Thousand only)* grant in aid sanctioned **during the year 2005-2006** vide **Ministry of Human Resource Development, Department Elementary Education and Literacy** letter Nos. noted against each and **Rs. 15.41 Lacs (Refer Annexure A)** *(Fifteen Lacs Forteen Thousand Only)* on account of interest earned during the period 2005-2006. **Rs 223.56 (Refer Annexure A)** *(Rupees Two Crores Twenty Three Lacs Fifty Six Thousands Only)* on account of unspent balance of the Previous year and a sum of Rs 2488.48 **Lacs (Refer Annexure A)** *(Twenty Four Crores Eighty Eight Lacs Forty Eight Thousands Only)* has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the balance of **Rs. 204.63 Lacs (Refer Annexure A)** *(Two Crores Four Lacs Sixty Three Thousands Only)* remaining unutilized at the end of the year will be adjusted towards the grants in aid payable during the next year i.e. 2006-2007

2. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grant in aid was sanctioned have been fully fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which is was sanctioned

Kinds of Checks exercised

1. Utilization Certificate
2. Annexure - A
3. G.O.G. Grant Statement

(S.D.Solanki)
F.A.& A.O
SSA Mission
State Project Office
Gujarat

(Meena Bhatt)
State Project Director
SSA Mission
State Project Office
Gujarat

Date: 15.07.2006

AUDITORS CERTIFICATE

We have verified the above statement with the books and records produced before us for our verification and found the same has been drawn in accordance therewith

Date: 15.07.2006

For, **P.R Raval & Co.,**
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M. No 44902

State: GUJARAT

Annexure A Part of the Utilization Certificate for the F.Y.2005-06

NPEGEL

Particulars	G.O.I 75%	G.O.G 25%	Total 100%
Unutilised Opening Balance *(As per Previous Certificate)*	**223.56**	**262.28**	**485.84**
Add :			
Grant Received During the Year	2,454.14	950.00	3,404.14
Add:			
Interest Earned *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	15.41	5.14	20.54
Other Income *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*			-
Grant Returned Savings *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*			-
Less:			
Expenditure for the year 2005-2006 *(Total Amount Shared in 75:25 Ratio)*	2,488.48	829.49	3,317.98
Unutilised Closing Balance of Grant	**204.63**	**387.92**	**592.55**

To be carried forward to the next year i.e. 2006-2007

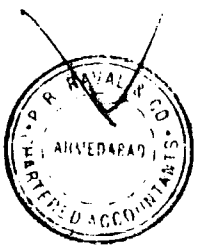

SSA MISSION

FMR-I

Name of the State **Gujarat State**

Expenditure Report Summary

For the Financial Year 2005-2006

(Rs. In Lacs)

Name of the State	Scheme	AWP & B 2005-06	Opening Balance As on 01/04/05	Released by GOI	Released by State	Reported Expenditure Up to 31.03.06	Estimated AWP&B For Next FY 2006-07
GUJARAT	SSA	26566.75	9859.61	12830.57	7560.00	20516.25	38020.43
	NPEGEL	3765.47	485.84	2454.14	950.00	3317.98	918.57
TOTAL		**30332.22**	**10345.45**	**15284.71**	**8510.00**	**23834.23**	**38939.00**

Except the AWP&B Figures, We Certify all the above figures

For P. R. Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R. Raval)
Proprietor M No 44902

Place : Ahmedabad
Date 15.07.06.

SSA MISSION

FMR-II

Name of the State Gujarat **Gujarat**

(Rs. In Lacs.)

Activity wise Expenditure Statement of SSA Upto 31.03.2006		
Sr.No.	**Activity wise Expenditure**	**01.04.2005 to 31.03.2006.**
1	New Primary School	0
2	New upper Primary School	0
3	Block Resource Centre	316.31
4	Cluster Resource Centre	702.21
5	Civil Works	8764.99
7	Interventions for Out of School Children	1207.25
9	Innovative Activities	986.43
10	Interventions for Disabled Children	557.21
11	Maintenance Grants	2380.75
12	Management & MIS	448.34
13	Research & Evaluations	256.50
14	School Grants	903.52
15	Teacher Grants	772.77
16	TLE	181.75
17	Teachers Training	1791.67
18	Community Mobilizations	51.95
19	SIEMAT	
20	State Components	700.71
21	NPEGEL	3317.98
22	Free Text Book	493.90
	Total	**23834.23**

We certify all the above figures

For P.R.Raval & Co.,
Chartered Accountants

(Parag R Raval)
Proprietor M No 44902

P. R. RAVAL & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Ahmedabad
Date : 15.07.06.

प्रवेशोत्सव

प्रवेशोत्सव के दौरान उच्चतर प्राथमिक विभाग के बच्चो ने स्कूलों में योगासन का निर्देशन किया । जूनागढ जिले के एक स्कूल में योगासन करते हुए बच्चे जबकि सुश्री मीना भट्ट, एसपीडी देख रही है ।

कन्या केलवणी रथयात्रा ने ग्रामीण विस्तारो में तीव्र दिलचस्पी पैदा की । स्कूलों में कन्या शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए साइकल स्पर्धा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए । चित्र में ऐसे ही एक स्पर्धा को दर्शाया गया है ।

राज्य के सभी गांवों में उपलब्ध हर तरह के वाहन को उपयोग में लेकर जुलूस निकाले गए । चित्र में ट्रेक्टर के साथ निकाले गए जुलूस को दिखाया गया है ।

प्रवेशोत्सव

मान. मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी दाहोद जिले कें जाम्बुघोड़ा स्थित एक स्कूल में नवनामांकित कन्या का स्वागत करते हुए।

मान. मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी ने कई गांवों में कन्या केलवणी रथयात्रा का नेतृत्व किया। चित्र में दाहोद स्थित एक प्राथमिक स्कूल में नवनामांकित बच्चों को आशिष देते हुए मान. मुख्यमंत्री श्री नजर आ रहे है।

प्रवेशोत्सव के दौरान कन्या केलवणी यात्रा का नेतृत्व मान. शिक्षामंत्री श्रीमती आनंदीबहन पटेल ने भी किया था। चित्र में वे नवनामांकित बच्चों का स्वागत कर रही है।